धर्मशाला में होगी 'कुल्चा' की वापसी?
10

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 38.9°C
न्यूनतम तापमान 24.5°C
सूर्योदय - 5.31 | सूर्यास्त - 6.42

नेशनल लोक अदालत में 1624 प्रकरणों का हुआ... 2

हंतावायरस को लेकर डब्ल्यूएचओ चीफ बोले घबराने... 7

नेशनल लोक अदालत में एक हजार 393 प्रकरणों... 8

तमिलनाडु में विजय रथ, केरलम का अटका पथ

सी. जोसेफ विजय ने शपथ लेते ही 200 यूनिट फ्री बिजली का दिया पहला ऑर्डर

चेन्नई।

तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) चीफ और एक्टर से नेता बने सी. जोसेफ विजय तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने रविवार सुबह 10.15 बजे तमिल में शपथ ली। इस दौरान राहुल गांधी भी मौजूद रहे। थलापति विजय शपथ लेते समय निर्धारित लाइनों के अलावा और बातें बोलने लगे। इस पर राज्यपाल अर्लेकर ने उन्हें टोक दिया। केवल निर्धारित शपथ के शब्दों तक सीमित रहने के लिए कहा। मुख्यमंत्री विजय के साथ 9 और मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें एन आनंद, आधव अर्जुन, डॉ. केजी अरुणराज, केए सेंगोट्टैयन, पी वेंकटरमणन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, डॉ. टीके प्रभु, सेल्वी एस कीर्तना शामिल है। ये सभी विजय की पार्टी टीवीके के विधायक हैं। टीवीके नेता एमवी करुप्पैया को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री विजय को 13 मई को विश्वास मत हासिल करने को कहा है। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि राज्य के वित्त पर एक 'श्वेत पत्र' जारी करेंगे, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और हम आगे बढ़ सकें। हमें काम करके दिखाने के लिए उचित समय दें। उन्होंने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ सख्त एक्शन होगा। लोगों का एक भी पैसा नहीं छुआ जाएगा। विजय के अलावा सत्ता का कोई और केंद्र नहीं होगा, सत्ता का एकमात्र केंद्र विजय ही होंगे। उन्होंने कहा कि नई शासन व्यवस्था की शुरुआत हो रही है, अब असली, धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय के एक नए युग की शुरुआत हो रही है। सीएम विजय ने कांग्रेस, वीसीके और वामपंथी दलों को उनकी पार्टी को सरकार बनाने में समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया।

सीएम बनते ही एक्शन में विजय

मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने शपथ लेते ही एक्शन शुरू कर दिया है। उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट फ्री बिजली देने वाली फाइल पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक विशेष बल बनाने वाली फाइल साइन की। मुख्यमंत्री विजय ने अपने पहले संबोधन में कहा कि वे किसी शाही खानदान से नहीं हैं, लोगों ने ही उनका स्वागत किया और उन्हें स्वीकार किया। इसलिए झूठे वादों से लोगों को धोखा नहीं देंगे। मुख्यमंत्री विजय ने पिछली डीएमके सरकार पर राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लादने का आरोप लगाया।

केरलम में मुख्यमंत्री पर सस्पेंस

4 मई को 5 राज्यों के चुनावों के रिजल्ट आने के बाद बंगाल और तमिलनाडु में नए मुख्यमंत्री की शपथ हो चुकी है। पुडुचेरी और असम में मुख्यमंत्री का नाम और शपथ की तारीख तय हो गई है, लेकिन 6 दिन बाद भी केरलम में पूर्ण बहुमत पाने वाले कांग्रेस के गठबंधन ने अपने मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान नहीं किया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, पिछले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन और 6 बार के विधायक रमेश चेन्निथला यहां मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। 6 मई को कांग्रेस ने मुकुल वासनिक और अजय माकन को पर्यवेक्षक बनाकर केरलम भेजा था। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि हमने सभी विधायकों से बात कर ली है। दावा किया जा रहा है कि आलाकमान को सौंपी गई इस रिपोर्ट में विधायकों ने के.सी. वेणुगोपाल के नाम पर मुहर लगाई है।

असम में हिमंता की शपथ मंगलवार को

रविवार को असम में बीजेपी की विधायक दल की बैठक हुई, इसमें हिमंता बिस्वा सरमा को फिर विधायक दल का नेता चुना गया। हिमंता 12 मई को सुबह 11 बजे लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वहीं पुडुचेरी में एन. रामास्वामी 13 मई को शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होंगे। हिमंता की ताजपोशी उत्तर-पूर्व में पार्टी की पैठ को और मजबूत करने के रूप में देखी जा रही है। असम बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा- हम दोपहर तक सरकार बनाने के अपने दावे के बारे में राज्यपाल को सूचित कर देंगे। 12 तारीख को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां चल रही हैं। यह एक ऐतिहासिक पल होगा, क्योंकि पीएम मोदी की उपस्थिति में हिमंता 102 विधायकों के साथ शपथ लेंगे।

आईएसआई से जुड़े मप्र के 3 युवक गिरफ्तार

भोपाल। दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने का दावा करते हुए एमपी के तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि ये लोग दिल्ली का ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली -सोनीपत हाईवे स्थित एक ढाबा और हरियाणा का सैन्य कैंप उड़ाने वाले थे। इनकी पहचान टीकमगढ़, नेगुवां (पृथ्वीपुर थाना) निवासी अनमोल राय (24), ग्वालियर, डबरा निवासी राजवीर (21) और विवेक बंजारा (19) के रूप में की गई है। तीनों को दिल्ली पुलिस ने उनके गांव से गिरफ्तार किया और अपने साथ ले गई।

बिहार में विजिलेंस डिपार्टमेंट खत्म

पटना। राज्य सरकार ने प्रशासनिक ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए बिहार निगरानी अन्वेषण संवर्ग को समाप्त करने का फैसला लिया है। सरकार के फैसले के बाद निगरानी संवर्ग में शामिल पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस निरीक्षक और पुलिस अवर निरीक्षक को गृह विभाग के अधीन बिहार पुलिस के संबंधित संवर्ग में समायोजित किया जाएगा। राज्य सरकार ने यह निर्णय बिहार पुलिस अधिनियम-2007 के प्रविधानों के अनुरूप लिया गया है, ताकि पुलिस व्यवस्था में एकरूपता लाई जा सके। आदेश के अनुसार निगरानी अन्वेषण संवर्ग के डीएसपी अधिकारियों को बिहार पुलिस सेवा में उनके प्रथम योगदान की तिथि से समायोजित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने हैदराबाद में कहा

पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करें, भारत में तेल के बड़े-बड़े कुएं नहीं

बेंगलुरु/हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। प्रधानमंत्री ने हैदराबाद में कहा- भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जिन शहरों में मेट्रो है, वहां लोग मेट्रो का इस्तेमाल करें। आज हमें मीटिंग के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने हैदराबाद में रविवार को बीजेपी की रैली के दौरान ये बातें कही। इससे पहले आज बेंगलुरु में उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने डीएमके की पीठ में छुरा घोंपा है। हैदराबाद में मोदी ने कहा, आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का बड़े संयम के साथ इस्तेमाल किया जाना चाहिए। हमें इंपोर्टेड पेट्रोलियम उत्पादों का इस्तेमाल केवल आवश्यकता के अनुसार करना चाहिए। कोरोना काल में देश ने वर्क फ्रॉम होम की जो व्यवस्था विकसित की। आज समय की मांग ऐसी है कि अगर हम इन व्यवस्थाओं को फिर से शुरू करें तो यह देश के हित में होगा। उन्होंने कहा, 75 साल बाद असम में भाजपा सरकार ने हैट्रिक हासिल कर ली है। पुडुचेरी में भी भाजपा-एनडीए सरकार फिर से सत्ता में लौट आई है। इस जीत के बाद मैं तेलंगाना के लोगों की भावनाओं को भी देख रहा हूं। रविवार को ही प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु में कहा कि कांग्रेस पार्टी सिर्फ धोखा देना जानती है। कांग्रेस खुद झूठ बोलती है और उसकी गारंटियां भी झूठी होती हैं। कर्नाटक में पिछले तीन साल से यही स्थिति देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि 40 साल पहले 400 से ज्यादा सीटें जीतने वाली पार्टी पिछले तीन चुनावों में मिलकर भी 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर पाई। इसके बाद भी कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अपनी हार के लिए पूरी दुनिया को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

60 लाख में बिका कृषि विज्ञान का पेपर

पूर्व आरपीएससी सदस्य समेत तीन गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में वर्ष 2022 की प्राध्यापक/स्कूल व्याख्याता (कृषि विज्ञान) भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ा खुलासा करते हुए तत्कालीन आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि संगठित गिरोह ने फर्जी डिग्री, बैकडेट मार्कशीट और लीक प्रश्नपत्रों के जरिए अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी दिलाने का खेल रचा था। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर जांच शुरू की गई थी।

जांच में सामने आया कि ओपीजेएस विश्वविद्यालय से बैकडेट में बीएड और एमएससी एग्रीकल्चर की फर्जी मार्कशीट तैयार कर अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया में अवैध लाभ पहुंचाया गया। एसओजी जांच में खुलासा हुआ कि विनोद रेवाड़ को यह पेपर अनिल उर्फ शेर सिंह मीणा से मिला था। बाद में अनिल मीणा को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में उसने बताया कि कृषि विज्ञान का प्रश्नपत्र तत्कालीन आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा ने 60 लाख रुपये लेकर उपलब्ध कराया था।

दो मंत्रियों का प्रमोशन, 6 नए चेहरे

उत्तर प्रदेश में योगी मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार का बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार कर राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की है। रविवार को लखनऊ स्थित जनभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में कुल 6 नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली, जबकि 2 नेताओं को प्रमोशन देकर नई जिम्मेदारी सौंपी गई। मंत्रिमंडल विस्तार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने पर विशेष ध्यान दिया गया है। शपथ लेने वाले नेताओं में भूपेंद्र चौधरी, मनोज पांडे, अजीत पाल, सोमेंद्र तोमर, कृष्णा पासवान, सुरेंद्र दिलेर, हंसराज विश्वकर्मा और कैलाश राजपूत शामिल हैं। इनमें हंसराज विश्वकर्मा और कैलाश राजपूत को राज्य मंत्री बनाया गया है। वहीं अन्य नेताओं को कैबिनेट और स्वतंत्र प्रभार की जिम्मेदारियां दी गई हैं। जनभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल ने सभी नेताओं को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता, सांसद, विधायक और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण के दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। कई नेताओं के आवासों और जिलों में ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया गया। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, योगी सरकार का यह मंत्रिमंडल विस्तार पूरी तरह चुनावी रणनीति को ध्यान में रखकर किया गया है। बीजेपी ने इस विस्तार के जरिए पिछड़ा वर्ग, दलित समाज और विभिन्न क्षेत्रीय समुदायों को साधने का प्रयास किया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बुंदेलखंड और पूर्वांचल के नेताओं को प्रतिनिधित्व देकर पार्टी ने व्यापक सामाजिक संतुलन बनाने की कोशिश की है।

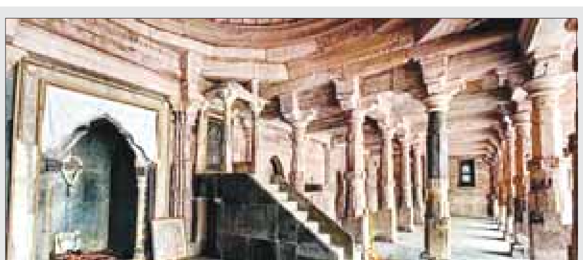

अंतिम दौर में पहुंची सुनवाई, आज मुस्लिम पक्ष रखेगा अपना पक्ष

भोजशाला मामले में जल्द आ सकता है फैसला

इंदौर। धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करने के लिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर पीठ में चल रही सुनवाई इसी सप्ताह पूरी हो सकती है। कोर्ट छह अप्रैल से इस मामले में लगातार सुनवाई कर रही है। अब तक याचिकाकर्ता और प्रतिवादी अपनी-अपनी बात कोर्ट के सामने रख चुके हैं। इन सभी के तर्क सुनने के बाद अब कोर्ट इनके प्रतिउत्तर सुन रही है। दो याचिकाकर्ताओं ने अपने प्रति उत्तर दे दिए हैं। सोमवार को मुस्लिम पक्ष को अपनी बात रखना है। कोर्ट ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि प्रत्येक पक्ष को अधिकतम 30 मिनट में अपनी बात पूरी करनी है। कोर्ट ने सभी पक्षकारों से लिखित में तर्क प्रस्तुत करने के लिए भी कहा है। ऐसी संभावना है कि कोर्ट 16 मई से शुरू होने वाले ग्रीष्मावकाश से पहले भोजशाला मामले में सुनवाई पूरी कर ले। मस्जिद पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद पैरवी कर रहे हैं। शुक्रवार को उन्हें अपना प्रतिउत्तर देना था, लेकिन नहीं दे सके। वह सोमवार को अपनी बात रखेंगे। इसी के साथ कोर्ट अपीलार्थी काजी जकुल्ला की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा मेनन के प्रतिउत्तर भी प्रस्तुत करेंगी।

वर्शिप एक्ट और एएसआई रिपोर्ट का हवाला

इसके पहले हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से एडवोकेट विष्णुशंकर जैन और याचिकाकर्ता कुलदीप तिवारी की ओर से एडवोकेट मनीष गुप्ता अपने प्रतिउत्तर में मस्जिद पक्ष के उस तर्क को खारिज कर चुके हैं, जिसमें कहा था कि प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के तहत मुस्लिम पक्ष को भोजशाला में नमाज का अधिकार है। जैन और गुप्ता ने कोर्ट को बताया कि भोजशाला राष्ट्रीय महत्व की संरक्षित धरोहर है और इस श्रेणी की धरोहरों पर प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट लागू ही नहीं होता है।

आधार लिंक नहीं तो बंद होगा राशन

गैस सिलेंडर बुकिंग में भी ई-केवाईसी अनिवार्य

भोपाल। सार्वजनिक वितरण प्रणाली और घरेलू गैस वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने राशन कार्ड और गैस सिलेंडर से जुड़े नियमों में बड़े बदलाव शुरू कर दिए हैं। अब पुराने कागजी राशन कार्ड धीरे-धीरे समाप्त कर स्मार्ट कार्ड या क्यूआर कोड आधारित डिजिटल कार्ड जारी किए जाएंगे। वहीं राशन कार्ड को आधार से लिंक कराना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करने वालों का राशन कार्ड निरस्त किया जा सकता है और उन्हें सरकारी खाद्यान्न का लाभ नहीं मिलेगा। सरकार का उद्देश्य फर्जी राशन कार्ड, डुप्लीकेट लाभार्थियों और कालाबाजारी पर रोक लगाना है। नए सिस्टम के तहत राशन कार्ड की पूरी जानकारी डिजिटल फॉर्मेट में रहेगी। परिवार के सभी सदस्यों के आधार नंबर कार्ड से लिंक किए जाएंगे, जिससे पात्र हितग्राहियों की पहचान आसानी से हो सकेगी। राशन कार्ड की जानकारी मोबाइल और ऑनलाइन पोर्टल पर भी उपलब्ध रहेगी। इधर, घरेलू गैस सिलेंडर वितरण व्यवस्था में भी कई नए नियम लागू किए जा रहे हैं। गैस सिलेंडर बुकिंग के लिए ई-केवाईसी जरूरी कर दी गई है। उपभोक्ताओं को आधार और मोबाइल नंबर लिंक कराना होगा। सिलेंडर डिलीवरी के समय उपभोक्ता के मोबाइल पर ओटीपी आएगा, जिसे बताने के बाद ही सिलेंडर दिया जाएगा। इससे गलत व्यक्ति तक सिलेंडर पहुंचने की संभावना कम होगी। नए गैस सिलेंडरों में सुरक्षा और निगरानी के लिए चिप भी लगाई जाएगी। इससे सिलेंडर की ट्रैकिंग और गैस लीकेज की पहचान आसान होगी।

कर्नाटक के मंत्री डी सुधाकर का निधन

बेंगलूरू। कर्नाटक सरकार में मंत्री डी. सुधाकर का रविवार तड़के लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 66 वर्ष के थे। मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, कर्नाटक के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री डी सुधाकर ने बंगलूरू के कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में अंतिम सांस ली। वह पिछले दो महीनों से फेफड़ों के संक्रमण का इलाज करा रहे थे। कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. आर. चिन्नादुरई ने बताया, मंत्री डी. सुधाकर को 10 मई 2026 को सुबह 3.15 बजे इलेक्ट्रॉनिक सिटी स्थित कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में मृत घोषित किया गया।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर पर्यावरण मंत्रालय को लिखा पत्र

'ईआईए' प्रक्रिया मजाक बनीः रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को लेकर केंद्र सरकार और पर्यावरण मंत्रालय पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को एक विस्तृत पत्र लिखकर कहा कि सरकार जिस मजबूत और व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन यानी ईआईए का दावा कर रही है, वह दस्तावेजों और रिपोर्टों में कहीं दिखाई नहीं देता। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि इस परियोजना के लिए किए गए पर्यावरणीय अध्ययन बेहद सीमित, अधूरे और वैज्ञानिक मानकों के खिलाफ हैं। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि 1 मई को सरकार ने 'ग्रेट निकोबार परियोजना: अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' जारी कर दावा किया था कि परियोजना के संभावित पर्यावरणीय प्रभावों का व्यापक अध्ययन किया गया है और उन्हें प्रभावी तरीके से मैनेज किया जा रहा है। जयराम रमेश ने कहा कि उन्होंने 3 मई को इन पूछे जाने वाले प्रश्न का जवाब दिया था, लेकिन अब वे कुछ और महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखना चाहते हैं। जयराम रमेश ने कहा कि कानून के मुताबिक अंडमान-निकोबार जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बनने वाले बड़े पोर्ट प्रोजेक्ट्स के लिए व्यापक ईआईए जरूरी होता है। इसके तहत कम से कम तीन मौसमों का विस्तृत अध्ययन किया जाना चाहिए ताकि पर्यावरण और जैव विविधता पर पड़ने वाले असर का सही आकलन हो सके। उन्होंने 3 नवंबर 2009 के पर्यावरण मंत्रालय के ऑफिस मेमोरेंडम का हवाला देते हुए कहा कि 50 लाख टन प्रति वर्ष से बड़े पोर्ट प्रोजेक्ट्स के लिए व्यापक ईआईए, गणितीय मॉडलिंग और जमीनी सत्यापन अनिवार्य है। जयराम रमेश ने कहा कि मंत्रालय की क्षेत्र-विशिष्ट ईआईए नियमावली भी कम से कम दो मौसमों के भौतिक, रासायनिक और जैविक आधारभूत डेटा की मांग करती है। उन्होंने दावा किया कि ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट में इन मानकों का पालन नहीं किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि इसरो की 2021 मैपिंग में गलाथिया बे के बड़े हिस्से को इरोजन जोन बताया गया था।

रिपोर्ट में स्वीकार की गई कमियां

जयराम रमेश ने दावा किया कि ग्रेट निकोबार परियोजना की फाइनल ईआईए रिपोर्ट खुद यह स्वीकार करती है कि आधारभूत अध्ययन सिर्फ दिसंबर 2020 से फरवरी 2021 तक यानी केवल एक मौसम में की गई थीं। उन्होंने कहा कि परिस्थितिकी और जैव विविधता का क्विक सर्वे सिर्फ 14 से 22 दिसंबर 2020 के बीच हुआ, जबकि लेदरबैक कछुओं का सर्वेक्षण केवल 12 से 18 फरवरी 2021 तक चला। उन्होंने कहा कि ईआईए रिपोर्ट में खुद माना गया है कि घने जंगलों की वजह से गहन सर्वेक्षण संभव नहीं हो सका और कई हिस्सों का अध्ययन बेहद सीमित रहा। रिपोर्ट में यह भी स्वीकार किया गया कि जंगलों में जो अभी तक सामने नहीं आया, वह और ज्यादा महत्वपूर्ण हो सकता है।

रीवा रोड जोरा पुल के पास सड़क दुर्घटना में दो युवकों की हुई दर्दनाक मौत

भाजपा युवा नेता राहुल द्विवेदी और अतुल तिवारी की मौत से सैकड़ों ग्रामीण हुए उग्र

टिहकी गांव में चक्काजाम विधायक शरद कोल पहुंचे मौके पर

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

रीवा रोड़ मुख्य मार्ग ब्यौहारी थाना क्षेत्र के जोरा पुलिया के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में भाजपा युवा कार्यकर्ता राहुल द्विवेदी और अतुल तिवारी की मौत के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। रविवार सुबह टिहकी गांव में बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन सड़क पर उतर आए तथा चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के चलते मार्ग पर लंबा जाम लग गया और कई घंटों तक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित रही। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे। हादसे के बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है और लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।

विधायक शरद कोल पहुंचे, लोगों को कराया शांत

घटना की गंभीरता को देखते हुए ब्यौहारी विधायक शरद कोल मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति शांत कराने का प्रयास किया। विधायक ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा अज्ञात वाहन चालक की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे सड़क हादसे चिंता का विषय हैं और सड़क सुरक्षा को लेकर प्रभावी कदम उठाना जरूरी है।

पुलिस बल तैनात स्थिति नियंत्रण में

ग्रामीणों के उग्र प्रदर्शन और सड़क जाम को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से लगातार चर्चा कर जाम समाप्त कराने की कोशिश की। प्रशासन के अनुसार फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, हालांकि इलाके में तनाव बना हुआ है।

शादी समारोह से लौटते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार टिहकी गांव निवासी राहुल द्विवेदी और अतुल तिवारी शनिवार रात झिरिया गांव में आयोजित एक शादी समारोह से बाइक से लौट रहे थे। जोरा पुलिया के पास किसी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त बाइक और शव देखकर पुलिस को सूचना दी।

लगातार हादसों से बढ़ रहा जनआक्रोश

जिले में बीते कुछ दिनों से लगातार हो रहे सड़क हादसों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण नहीं है और सुरक्षा इंतजाम बेहद कमजोर हैं। लोगों ने क्षेत्र में स्पीड कंट्रोल, स्ट्रीट लाइट और नियमित पुलिस गश्त की मांग उठाई है।

कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन केंद्र सामतपुर का किया निरीक्षण

समित प्रबंधक को दिए सख्त निर्देश

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने गेहूं उपार्जन केंद्र सामतपुर का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान उपार्जन केंद्र में अव्यवस्था पाए जाने पर समिति प्रबंधक को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए की बारिश के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए उपार्जन केंद्र में पर्याप्त मात्रा में बरसाती पन्नी एवं उपार्जन केंद्र में आने वाले गेहूं का बेहतर ढंग से रख रखाव सुनिश्चित किया जाए। गेहूं खराब होने की स्थिति में समिति प्रबंधक के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने खरीदी केंद्र से ही गेहूं का परिवहन करने हेतु परिवहन कर्ता को गाड़ियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए जाए, रात में भी गेहूं का उठाव कार्य कराया जाए एवं उपार्जन केंदों में किसानों से शासन द्वारा गुणवत्ता हेतु निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही गेहूं की खरीदी की जाए। कलेक्टर ने समिति प्रबंधक को निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों में आने वाले किसानों के लिए पेयजल की व्यवस्था, छायादार बैठक व्यवस्था, तौलकांटा पर्याप्त मात्रा में बारदाने जैसे अन्य व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित करें एवं खरीदी पूर्ण पारदर्शिता व समय के साथ कराए। कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन केंद्र में आए किसानों से चर्चा कर 23 मई तक स्लॉट बुक करने हेतु समझाइश दी। उन्होंने ने स्लॉट बुकिंग और उपार्जन की अन्य व्यवस्था और ओटीपी द्वारा भुगतान संबंधित जानकारी भी प्राप्त की। कलेक्टर को किसानों ने स्लॉट बुकिंग के संबंध में भी जानकारी दी जिस पर कलेक्टर ने कहा कि स्लॉट बुकिंग की समस्या के निदान हेतु सतत रूप से तकनीकी टीम से संपर्क रखें जा रहे, किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान सहायक आपूर्ति नियंत्रक प्रदीप द्विवेदी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संभाग के गौरव दिनेश नारायण पाठक की मजबूत दावेदारी

1961 के बाद पहले प्रतिनिधि, जो 2008 से लगातार परिषद में बुलंद कर रहे हैं संभाग की आवाज़

शहडोल (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद (एसबीसी) के इतिहास में 12 मई को होने वाला चुनाव एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। इस चुनाव में दिनेश नारायण पाठक (क्रमांक 30) की दावेदारी न केवल उनके अनुभव के कारण, बल्कि संभाग के प्रति उनके ऐतिहासिक समर्पण के कारण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐतिहासिक प्रतिनिधित्व संभाग की पहली और निरंतर आवाज़ राज्य अधिवक्ता परिषद की स्थापना 1961 में हुई थी।

तब से लेकर लंबे समय तक संभाग का प्रतिनिधित्व परिषद में शून्य रहा। यह दिनेश नारायण पाठक ही थे जिन्होंने इस परंपरा को तोड़ा और संभाग से प्रथम निर्वाचित प्रतिनिधि बनने का गौरव प्राप्त किया। 2008 से आज तक, पाठक ने लगातार पूरे संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश स्तर पर क्षेत्र की समस्याओं और अधिवक्ताओं की ज़रूरतों को मज़बूती से रखा है। उनका यह अटूट सफर उनके प्रति अधिवक्ताओं के अटूट विश्वास का प्रमाण है। कार्यकारिणी और चुनाव प्रक्रिया परिषद की 25 सदस्यीय कार्यकारिणी का चुनाव अत्यंत लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न होता है। इस वर्ष की प्रक्रिया में कुछ विशेष बिंदु हैं। वरीयता मतदान (क्रमांक 30) मतदाताओं को अपने पसंदीदा प्रत्याशी के सामने लिखना होता है। पाठक के समर्थकों का लक्ष्य उन्हें प्रथम वरीयता मतों के भारी अंतर से विजयी बनाना है। 5 महिला सदस्यों की भागीदारी 25 निर्वाचित सदस्यों में से 5 महिला सदस्यों की सशक्त उपस्थिति पर इस बार विशेष बल दिया जा रहा है, जिससे परिषद की कार्यप्रणाली और अधिक समावेशी बनेगी। दिनेश नारायण पाठक का विज़न और उपलब्धियाँ पूर्व सह-अध्यक्ष के रूप में उन्होंने हमेशा अधिवक्ता हित सर्वोपरि के सिद्धांत पर कार्य किया है।

नेशनल लोक अदालत में 1624 प्रकरणों का हुआ निराकरण

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण काशीनाथ सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं विशेष न्यायाधीश दिपाली शर्मा की अध्यक्षता में वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय शहडोल एवं सिविल न्यायालय ब्यौहारी, बुढ़ार तथा जयसिंहनगर में किया गया। जिला शहडोल में नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला न्यायालय शहडोल एवं सिविल न्यायालय ब्योहारी बुढ़ार तथा जयसिंहनगर में कुल 22 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया जिसमें, जिला न्यायालय शहडोल में 12 खंडपीठ, तहसील न्यायालय ब्यौहारी में 4 खंडपीठ, तहसील न्यायालय बुढ़ार में 4 खंडपीठ एवं तहसील न्यायालय जयसिंहनगर में 2 खंडपीठ गठित किए गए है। नेशनल लोक अदालत का उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा वर्चुअल माध्यम से चीफ जस्टिस य एवं भौतिक माध्यम से शुभारंभ विशेष न्यायाधीश दिपाली शर्मा द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया। नेशनल लोक अदालत से होने वाले लाभ के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए व्यक्त किया गया कि लोक अदालत में राजीनामा के माध्यम से प्रकरण समाप्त कराये जाने पर दोनों पक्षों की जीत होती है एवं उनका मुकदमा पूर्ण रूप से समाप्त हो जाता है जिसकी अपील भी नहीं होती। इसके अलावा पक्षकारों द्वारा वाद शुल्क की वापसी हो जाती है। पारिवारिक मामलों में सुलह होने

से कई परिवार टूटने से बच जाते हैं साथ ही उन्होंने समस्त अधिवक्ता एवं उपस्थित जनों से आव्हान किया। इस लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का राजीनामा के माध्यम से निराकरण कराए। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय शशिभूषण शर्मा, जिला न्यायाधीश कमलेश कुमार कोल, कृष्णपाल सिंह, विवेक शर्मा , मुख्य न्यायिक मजिस्टेऊट राजेन्द्र सिंह सिंगार, न्यायिक मजिस्ट्रेट रूपेन्द्र सिंह मडावी, सीता शरण यादव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव स्वेता परते तिवारी, प्रीति सिंह बघेल, अदिति कुमार शर्मा, नूतन रावते, अरविन्द मीणा, अभिसारिका महूने, मीमांशा दुबे, जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते, अभियोजन अधिकारी कविता कैथवास, पप्पू चौधरी, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल कुंजबिहारी द्विवेदी, समस्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, पैरालीगल वालेंटियर, न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में जिला न्यायालय परिसर में विद्युत विभाग, नगरपालिका, राष्ट्रीयकृत बैंक, बी.एस.एन.एल आदि विभागों के स्टॉल लगाये गये।

इस नेशनल लोक अदालत में कुल 269 लंबित प्रकरण एवं 1355 प्री-लिटिगेशन प्रकरण इस प्रकार कुल 1624 प्रकरणों का निराकरण हुआ जिसमें कुल 29535044/- राशि का अवार्ड पारित हुआ जिसमें से मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के कुल 22 प्रकरण चेक अनादरण के 24 आपराधिक राजीनामा योग्य 97 वैवाहिक विवाद के 13 विद्युत विभाग के 41 लंबित एवं अन्य 1355 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया।

मां नर्मदा तट पर आरोह-2026 की विशेष संडे एक्टिविटी बच्चों और आमजन ने लिया फिटनेस का संकल्प

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित च्चआरोह-2026च्च ग्रीष्मकालीन शिविर के अंतर्गत रविवार को मां नर्मदा तट पर विशेष संडे एक्टिविटी का आयोजन किया गया। 5 मई से 5 जून तक चल रहे इस समर कैंप में बच्चों, खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान एरोबिक्स, योग एवं सामूहिक फिटनेस गतिविधियों का आयोजन

किया गया, जिसमें बच्चों के साथ उनके परिवारजन और विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

आयोजन का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में स्वास्थ्य, अनुशासन, सामुदायिक सहभागिता तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा।इस अवसर पर एसडीएम रामबाबू देवांगन सहित जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे और फिटनेस गतिविधियों में शामिल होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में च्चस्वस्थ शरीर, स्वस्थ समाजज्ज का संदेश दिया गया।आयोजन में नगर पालिका अधिकारी अमित तिवारी, खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी मोहम्मद अहमद खान, चेतराम अहिरवार, आरती सोंधिया, सुनीता, लक्ष्मी बनावल, राजकुमार एवं आयुष अधिकारी डॉ. समीक्षा सहित नगर पालिका स्टाफ एवं खेल प्रेमियों का विशेष सहयोग रहा।

जन अभियान द्वारा 5 केन्द्रों में परीक्षा संबंधी किया गया उन्मुखीकरण

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे ने जानकारी दी है कि शासकीय नेहरू महाविद्यालय बुढार में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत समाजकार्य स्नातक एव परास्नातक की संपर्क कक्षाओं में 5 केन्द्रों में परीक्षा संबंधी उन्मुखीकरण किया गया। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत

में अपने अपने प्रयोगशाला ग्रामों में जल सरक्षण की गतिविधियां आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया। विदित हो समाजकार्य स्नातक,परास्नातक की परीक्षा 11 जून से दो पालियों में आयोजित होंगी। इस अवसर जन अभियान परिषद केविकासखंड समन्वयक सहित मेंटर्स, छात्र उपस्थित रहें।

मैया अभियान बना जनभागीदारी का प्रेरणादायक उदाहरण

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिला मुख्यालय में पिछले कई वर्षों से लगातार संचालित हो रहा मैया अभियान अब केवल एक स्वच्छता कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का प्रेरणादायक उदाहरण बन चुका है। नर्मदा तट स्थित घाटों पर आयोजित इस अभियान में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन एक साथ श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दे रहे हैं।

हर सप्ताह आयोजित होने वाले इस अभियान में बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर न केवल घाटों की साफ-सफाई करते हैं, बल्कि समाज को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का कार्य भी कर रहे हैं। अभियान के माध्यम से स्वच्छ डिंडोरी, सुंदर डिंडोरी का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

नर्मदा घाटों पर लगातार चल रहा स्वच्छता अभियान

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदोरिया स्वयं अभियान में शामिल होकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ श्रमदान करती नजर आती हैं। वहीं नगरीय प्रशासन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी भी नियमित रूप से अपनी सहभागिता दर्ज करा रहे हैं।

कलेक्टर डिंडोरी द्वारा लगातार लोगों से स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने की अपील की जा रही है। मैया अभियान ने जिले में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक माहौल तैयार किया है, जिससे आमजन भी प्रेरित होकर बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। सफाई अभियान के दौरान कलेक्टर अंजू पवन भदोरिया, एसडीएम रामबाबू देवगंज, नगर पालिका अधिकारी अमित तिवारी, जनसंपर्क अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अब चलेगा लू का दौर, तापमान में होगी बढ़ोत्तरी

भीषण गर्मी से बचने मौसम विभाग ने जारी की एडवाइजरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जिले में अब आंधी, बारिश, ओले का दौर थमेगा और तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने 12 मई से प्रदेश में लू का अलर्ट जारी किया है। जिसका असर रविवार से ही देखने को मिलने लगा। इससे पहले शनिवार को प्रदेश में एक ट्रफ और एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) की एक्टिविटी देखने को मिली। इस वजह से कई शहरों में बादल छाए रहे।

बतां दें कि प्रदेश में 30 अप्रैल से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो गया था। लगातार 10 दिन यानी, 9 मई तक प्रदेश में बारिश हुई। कभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर देखने को मिला तो कभी चक्रवात और ट्रफ का। इस वजह से मई के पहले सप्ताह में बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार 10 मई से प्रदेश में मौसम साफ रहेगा। इससे गर्मी का असर बढ़ने लगेगा। 12-13 मई को पश्चिमी हिस्से के कुछ जिलों में लू का अलर्ट भी किया है।

लू से बचने एडवाइजरी जारी

इधर रविवार को जिले का अधितकत तापमान 38.9 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री पर रहा। गर्मी का असर बढ़ते ही मौसम विभाग ने बचाव की एडवाइजरी भी जारी की है। लोगों से कहा गया है कि वे दिनभर पर्याप्त पानी पिएं और शरीर को हाइड्रेट रखें। दोपहर के समय लंबे समय तक धूप में न रहे। हलके वजन और रंग के सूती कपड़े पहनें। बच्चे और बुजुर्ग खासतौर पर ध्यान रखें।

3 बार 45 पार हुआ पारा

जानकारी के अनुसार जबलपुर में विगत 25 मई 1954 को तापमान 46.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जो रिकॉर्ड है। 10 वर्षों में तीन बार पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार गया है। मई में यहां बारिश का ट्रेंड भी देखने को मिलता है। 2014 से 2023 तक हर साल इस महीने बारिश हुई। वर्ष 2021 में मई के दौरान 3 इंच से ज्यादा बारिश हुई थी, जबकि पिछले साल करीब 2 इंच पानी गिरा था।

जैविक हाट: खेत से थाली तक पहुंच रहा शुद्ध आहार

प्रत्येक रविवार लगाया जा रहा जैविक हाट बाजार, उमड़ रही खरीददारों की भीड़

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जैविक उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने और नागरिकों को रसायन मुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक रविवार को कृषि उपज मंडी में आयोजित किया जा रहा जैविक हाट हर सप्ताह सफलता की नई ऊंचाई हासिल कर रहा है। जैविक हाट में जहां प्राकृतिक खेती कर रहे जिले के किसानों की भागीदारी बढ़ रही है, वहीं उनके उत्पादों के खरीदारों की संख्या में भी सप्ताह दर सप्ताह वृद्धि दिखाई दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुरूप किसानों की आय बढ़ाने और प्राकृतिक खेती अपना रहे कृषकों को विपणन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर कृषि विभाग द्वारा आज रविवार को भी कृषि उपज मंडी में जैविक हाट का आयोजन किया गया। जैविक हाट में कृषि विभाग के अधिकारियों ने शिरकत कर जहाँ किसानों का उत्साहवर्धन किया, वहीं उपभोक्ताओं को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया।

किसानों को गुणवत्ता और प्रमाणन का भरोसा

जैविक हाट में संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम ने जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए किसानों से उनके उत्पादों की प्रमाणिकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की मंशा के अनुरूप जबलपुर को जैविक जिले के रूप में स्थापित करना हमारी प्राथमिकता है। संयुक्त संचालक ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से किसानों के खेतों का भ्रमण कर निरीक्षण करें, ताकि जैविक उत्पादों की शुद्धता बनी रहे। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि विभाग किसानों को बेहतर प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए जैविक प्रमाणन में पूरी मदद करेगा।

उप संचालक कृषि उमेश कुमार कटहरे ने किसानों को ई-विकास प्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से किसान आवश्यकतानुसार अपनी पसंद की दुकान से उर्वरकों की पूरी मात्रा प्राप्त कर सकते हैं। अब हाट बाजार में भी एक विशेष टीम तैनात रहेगी, जो किसानों को इस डिजिटल प्रणाली और उन्नत कृषि तकनीक के बारे में सलाह देगी। रविवार को कृषि उपज मंडी में लगे हाट बाजार की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने के लिए वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती रश्मि परसाई सहित विभाग के बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलियुग में मुक्ति का साधन है हरि नाम संकीर्तन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबालीपुरम के तत्वावधान में ज्येष्ठमास पावन के अवसर पर फूटाताल स्थित देवीरथ काली माता मंदिर में डॉ.ऋषभ मनोज गुलाबवानी के सौजन्य से संकीर्तनाचार्य पं.मनमोहन दुबे के सानिध्य में प्रात:भव्य हरिनाम संकीर्तन सुमधुर धुन नृत्य की भव्यता, हर्षोल्लास के साथ मंगलआरती कर संपन्न हुआ। संयोजक देवेन्द्र नेमा ने बताया कि हरिनाम संकीर्तन दैनिक जीवन का एक हिस्सा होना चाहिए।

प्रत्येक घर परिवार में दैनिक सत्संग से नई ऊर्जा का संचार होता है। इस अवसर पर ज्योतिषाचार्य पं.देवेंद्र त्रिपाठी, प्रभाकर चतुर्वेदी, मुकेश राठौर, सत्यप्रकाश नामदेव, केएल दीक्षित, सुरेन्द्र गिरी, सत्यप्रकाश नामदेव, मोहित तिवारी, मंगलसिंह पटेल, अमित विश्नोई, मोनी विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

शानो-शौकत से निकला शाही संदल जुलूस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। दरगाह हज़रत ख्वाजा अमीनुद्दीन चिश्ती कचहरी वाले बाबा दरगाह में आयोजित उर्स के अवसर पर रविवार को शाही संदल जुलूस पूरे अकीदत, जोश और शानो-शौकत के साथ निकाला गया। दोपहर 4 बजे नया मोहल्ला स्थित मरहूम चांद खां के मकान से शुरू हुए इस ऐतिहासिक जुलूस ने संस्कारधानी जबलपुर की गंगा-जमुनी तहज़ीब और कौमी एकता का शानदार संदेश दिया। शाही संदल जुलूस की कयादत सज्जादानशीन बाबर खाँ बंदानवाजी एवं खादिम-ए-आला चंगेज़ खान अशरफी ने की। जुलूस में शहर सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए सभी धर्मों के सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक शिरकत की। करीब एक किलोमीटर लंबे इस जुलूस में सजे-धजे ई-रिक्शों पर लहराते हरे परचम आकर्षण का केंद्र बने रहे। तख्तियों पर बुजुर्गाने दीन के अनमोल कौल और पैगाम लिखे गए थे, जो अमन, भाईचारे का संदेश दे रहे थे। अकीदतमंदों ने कव्वालों पर नज़राना पेश कर अपनी अकीदत का इज़हार किया। उर्स के मौके पर आज सोमवार रात 10 बजे दरगाह शरीफ़ में मशहूर कव्वाल रफीक आफताब साबरी की शानदार कव्वाली का आयोजन किया गया है। सज्जादानशीन बाबर खाँ बंदानवाजी एवं खादिम-ए-आला चंगेज़ खान अशरफी ने तमाम अकीदतमंदों से बड़ी संख्या में शिरकत करने अपील की है।

जिनसार में सॉफ्ट स्किल्स पर राष्ट्रीय वर्चुअल कोर्स संपन्न

175 प्रतिभागियों ने निखारा अपना व्यक्तित्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च ने एक बार फिर अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। संस्था द्वारा आईकोयाक के सहयोग से 4 मई से 9 मई तक ट्रांसफॉर्मिंग पर्सनल एंड प्रोफेशनल ग्रोथ थ्रू सॉफ्ट स्किल्स एंड पर्सनालिटी डेवलपमेंट विषय पर एक भव्य राष्ट्रीय वर्चुअल शॉर्ट-टर्म कोर्स का आयोजन किया गया। गूगल मीट के माध्यम से आयोजित इस छह दिवसीय कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से 175 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

विशेषज्ञों का मिला मार्गदर्शन-संस्था की प्राचार्या प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कोर्स का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्वास्थ्यकर्मियों के पेशेवर और व्यक्तिगत कौशल को आधुनिक मानकों के अनुरूप ढालना था। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में समन्वयक प्रो. आराधना और आईटी विशेषज्ञ अभिषेक एक्का की तकनीकी कुशलता का विशेष योगदान रहा।

छह दिनों में कवर हुए जीवन के महत्वपूर्ण पहलू-वर्चुअल सत्रों के माध्यम से विशेषज्ञों ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिए जिनमे भारती खरशीकर ने आत्मविश्वास और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ सॉफ्ट स्किल्स की नींव रखी। डॉ. प्रिंसी शाजी ने प्रभावी नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता पर विस्तार से चर्चा की शांति आनंद ने टीमवर्क के लिए प्रभावी संवाद और 'सक्रिय श्रवण' के महत्व को समझाया। प्रो. डॉ. सेंथिल टी ने टीम बिल्डिंग और डॉ. रीना मैथ्यू ने आत्म-जागरूकता व व्यक्तिगत विकास पर जोर दिया। मालाबिका घोष दस्तिदार ने आज के दौर की बड़ी चुनौती 'तनाव प्रबंधन' और मानसिक स्वास्थ्य पर मार्गदर्शन दिया और अंतिम दिन डॉ. ज्योत्सना कांबले ने 'करियर रेडीनेस' के तहत इंटरव्यू स्किल्स और रिज्यूमे निर्माण के व्यावहारिक गुर सिखाए।

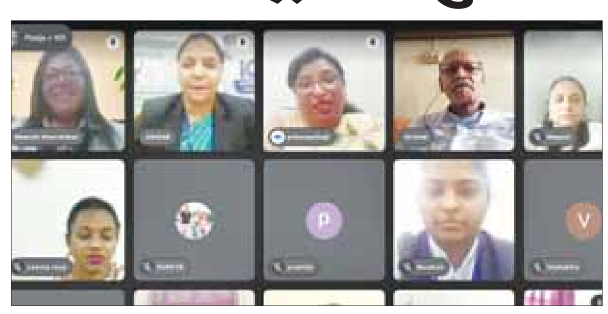

सहभागिता और समापन-यह राष्ट्रीय कोर्स न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि प्रतिभागियों के लिए करियर की नई दिशा तय करने वाला भी साबित हुआ। समापन सत्र में सभी वक्ताओं और आयोजन टीम के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम की सफलता का प्रमाण प्रतिभागियों का उत्साह रहा, जिन्हें कोर्स पूर्ण होने पर ई-प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस आयोजन को स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक मील का पत्थर बताया है।

मोक्ष मानव सेवा समिति ने लगाए 101 प्याऊ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भीषण गर्मी को देखते हुए मोक्ष मानव सेवा एवं जन उत्थान समिति द्वारा शहर में 101 कलश एवं पानी के घड़े स्थापित कर प्याऊ सेवा प्रारंभ की गई। समिति का उद्देश्य आमजन, मरीजों और उनके परिजनों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। समिति के संस्थापक आशीष ठाकुर ने बताया कि मोक्ष संस्था पिछले 26 वर्षों से पीड़ित मानवता की सेवा कर रही है। संस्था लावारिस एवं बेसहारा लोगों को आश्रय देने के साथ-साथ लावारिस मृत देहों का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार भी करती है। संस्था ने मिलकर महाकौशल के सबसे बड़े अस्पताल नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की है, जहाँ प्रतिदिन हजारों लोग इलाज के लिए पहुंचते हैं। समिति ने समाजसेवियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक सहभागिता से जरूरतमंदों की सेवा की जा सकती है। सहयोगी डॉ कविता, डॉ शरद शर्मा, राजेंद्र दुबे, विजय, पूनम, आशीष ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

हजारों लोगों को नहीं मिल रही पेंशन मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े 98 हजार से अधिक हितग्राहियों को विगत तीन महीने से पेंशन नहीं मिलने का मामला सामने आया है। तीन श्रेणियों में हितग्राहियों को मिलने वाली पेंशन विगत तीन महीने से नहीं मिल पा रही है, इस कारण उन्हें जीवन यापन करने में कई परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मप्र मानव अधिकार आयोग की क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर जनहित में मप्र मानव अधिकार आयोग ने मामले में संज्ञान लिया है।

मनमर्जी से बट रही दवाइयां, सालों से खाली पड़ा फार्मासिस्ट का पद

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोसलपुर में पिछले ढाई सालों से फार्मासिस्ट का पद खाली है। फार्मासिस्ट के पद पर पदस्थ रही अर्चना विश्वकर्मा का जब से ट्रांसफर हुआ है तब से पीएचसी में फार्मासिस्ट का पद रिक्त पड़ा हुआ है ऐसी स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर पीएचसी के अप्रशिक्षित स्टाफ से दवाइयां बंटवाई जाती हैं जिस कारण अनेकों बार लापरवाही के किस्से सुनने मिलते है। पीएचसी गोसलपुर में सिहोरा एवं मझौली तहसील के लगभग 90 गांव के मरीज स्वास्थ्य सेवा पाने आश्रित है साथ ही यहां पर बड़ी संख्या में प्रतिदिन मरीज अपना इलाज कराने पहुंचते हैं पर फार्मासिस्ट का पद रिक्त होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में क्षेत्र के अनिल जैन, दीपक पटैल, अजीत मिश्रा का कहना है की अगर शीघ्र पीएचसी गोसलपुर में फार्मासिस्ट का रिक्त पद नहीं भरा जाता तो जल्द ही इस मामले की शिकायत कलेक्टर से की जाएगी।

नो एंट्री में भी बेखौफ मंडरा रहे भारी वाहन, हादसों का बढ़ा खतरा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। नगर में तेज रफ्तार भारी वाहनों की लापरवाही से संचालित बसों और बिना लाइसेंस वाहन चालकों के कारण बढ़ते सड़क हादसों के खतरे को लेकर नगरवासियों ने एसपी को आवेदन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में बताया गया कि खनन कार्यों के चलते हाइवा, डंपर और ट्रक लगातार नगर के अंदर से ओवरलोड और तेज गति से गुजर रहे हैं। सड़क निर्माण के बाद मार्ग संकरे होने से आम नागरिकों, स्कूली बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

सिहोरावासियों ने की चेक पोस्ट और नो-एंट्री व्यवस्था लागू करने की मांग

आवेदन में आरोप लगाए गए हैं कि बस चालक नगर सीमा के भीतर तेज गति से वाहन चलाते हैं और अनावश्यक रूप से प्रेशर हॉर्न बजाकर ध्वनि प्रदूषण फैला रहे हैं। वहीं रेत, गिट्टी और सीमेंट परिवहन में लगे ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित कई वाहनों को बिना वैध लाइसेंस एवं नाबालिग चालक चला रहे हैं। शिकायत में कहा गया कि अधिकांश ऑटो बिना निर्धारित नंबर और तय रूट के संचालित हो रहे हैं। स्कूल छुट्टी के समय छात्राओं के साथ अभद्रता और दुर्घटना की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। नगरवासियों ने प्रमुख एंट्री प्वाइंट पर सीसीटीवी कैमरे, स्थायी चेक पोस्ट, नो-एंट्री व्यवस्था और सघन जांच अभियान चलाने की मांग की है।

सूदखोरी के जाल में फंसे कॉलोनाइजर ने खाया जहर

परिजनों ने लगाए प्रताड़ना और जान के खतरे के आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर के छोटा फुहारा क्षेत्र निवासी और रियल एस्टेट कारोबारी/ कॉलोनाइजर शरद मोर्य द्वारा कथित रूप से जहरीला पदार्थ सेवन किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। परिजन उन्हें तत्काल निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी लगते ही परिचितों और व्यापारिक क्षेत्र से जुड़े लोग भी अस्पताल पहुंचने लगे। परिजनों का गंभीर आरोप-मानसिक उत्पीड़न का आरोप परिजनों का आरोप है कि शरद मोर्य पिछले काफी समय से कुछ कथित सूदखोरों के दबाव में थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने निजी

लेन-देन के तहत रकम ली थी, जिसके एवज में उनसे अत्यधिक ब्याज कीमांग की जा रही थी। परिवार का कहना है कि लगातार फोन कॉल, दबाव और कथित धमकियों के कारण वह मानसिक तनाव में थे। परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्होंने कई बार अपनी जान को खतरा होने की बात भी कही थी।

10 से 20 प्रतिशत तक वसूला जाता है ब्याज

सूत्रों के मुताबिक शहर में अवैध सूदखोरी का समानांतर नेटवर्क तेजी से फैल रहा है। आर्थिक संकट में फंसे लोगों को तुरंत नकद रकम उपलब्ध कराई जाती है, लेकिन बदले में 10 से 20 प्रतिशत तक भारी ब्याज वसूला जाता है। रकम समय पर नहीं चुकाने पर दबाव, धमकी और सार्वजनिक बेइज्जती तक के आरोप सामने आते रहे हैं। बताया जा रहा है कि शरद मोर्य लंबे समय से रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े रहे हैं और शहर व आसपास के क्षेत्रों में कई कॉलोनियों का विकास कर चुके हैं। कारोबारी पहचान रखने वाले व्यक्ति के इस कदम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर ऐसा कौन सा दबाव था जिसने उन्हें यह कठोर कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।

विजयनगर में पहले भी हो चुकी है हिंसक घटना

यह पहला मामला नहीं है जब सूदखोरी को लेकर गंभीर घटनाएं सामने आई हों। इससे पहले विजयनगर क्षेत्र में भी सूदखोरी के विवाद में चाकूबाजी की घटना सामने आई थी। उस घटना ने भी शहर में सक्रिय अवैध ब्याजखोरी नेटवर्क पर सवाल खड़े किए थे, लेकिन उसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी।

पुलिस जांच पर टिकी निगाहें

घटना की जानकारी पुलिस तक पहुंच गई है। परिजन कथित सूदखोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मामला शहर में चल रहे अवैध सूद कारोबार की बड़ी परतें खोल सकता है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। लगातार सामने आ रही घटनाएं यह संकेत दे रही हैं कि शहर में सूदखोरी का अवैध कारोबार केवल आर्थिक अपराध नहीं रह गया है, बल्कि अब लोगों की जान पर भी बन रहा है। जरूरत इस बात की है कि प्रशासन ऐसे नेटवर्क की पहचान कर कठोर कार्रवाई करे, ताकि कोई और व्यक्ति इस तरह के दबाव में आकर आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर न हो।

दलहनी और तिलहनी फ़सल के उत्पादन से बढ़ी कृषि क्षेत्र में उम्मीद

धान को छोड़ तिल, मूंग और उड़द की खेती से लिखी जा रही सफलता की कहानी

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

पहले गर्मी में धान की खेती करता था, जिसमें पानी और रासायनिक खाद का खर्च बहुत अधिक होता था। अब तिल, मूंग और उड़द की खेती से कम लागत में अच्छी आय की उम्मीद है और पानी की भी बचत हो रही है। यह कहना है विकासखंड लालबर्रा के ग्राम नैतरा निवासी कृषक श्री जयपाल बिसेन का। जयपाल बिसेन के पास लगभग 1.614 हेक्टेयर कृषि भूमि है। खेती के साथ-साथ उन्होंने अपने खेत में देशी मुर्गी पालन का शेड बनाकर मुर्गी पालन भी शुरू किया है। वे देशी मुर्गियों को लगभग 550 रुपये प्रति किलो की दर से बेचते हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। पूर्व में वे खरीफ एवं ग्रीष्मकालीन दोनों मौसम में धान की खेती करते थे। ग्रीष्मकालीन धान की फसल में अत्यधिक सिंचाई एवं रासायनिक खाद की आवश्यकता पड़ती थी। लगातार पानी की अधिक जरूरत के कारण उनके कुएं का जलस्तर कम हो गया था, जिससे आसपास के अन्य किसानों को भी परेशानी होने लगी थी।

इसी दौरान 31 जनवरी 2026 को कृषि विस्तार अधिकारी संजय कुमार मडके ने उनके खेत का भ्रमण कर उन्हें तिल, उड़द एवं मूंग जैसी कम पानी और कम लागत वाली फसलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कृषि विभाग द्वारा उन्हें दो एकड़ क्षेत्र के लिए निशुल्क तिल बीज उपलब्ध कराया गया तथा वैज्ञानिक विधि से खेती करने के लिए प्रेरित किया गया।

कृषि विभाग के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर जयपाल बिसेन ने इस वर्ष ग्रीष्मकालीन धान की खेती पूरी तरह छोड़ दी। वर्तमान में उन्होंने 2 एकड़ भूमि में तिल, 1 एकड़ में मूंग तथा 50 डिसमिल क्षेत्र में उड़द की फसल लगाई है। उनके खेत में तिल की फसल बहुत अच्छी स्थिति में है और पौधे सफेद फूलों से लदे हुए हैं। उन्हें उम्मीद है कि तिल की फसल से लगभग 2 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त होगा, जिससे करीब 40 हजार रुपये की आय हो सकती है। वे बताते हैं कि इस खेती में रासायनिक खाद का उपयोग नहीं किया गया है। उन्होंने खेत में स्वयं तैयार की गई गोबर खाद एवं मुर्गी खाद का उपयोग किया है, जिससे लागत कम हुई है और भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी हुई है। साथ ही पानी की भी पर्याप्त बचत हो रही है। कृषक जयपाल बिसेन ने कहा कि एक किसान सही मार्गदर्शन मिलने पर कम लागत में बेहतर खेती कर सकता है। उन्होंने कहा कि अब वे भविष्य में भी धान की जगह दलहनी एवं तिलहनी फसलों को प्राथमिकता देंगे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से मजदूर की मौत

कटंगी

कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम कालीमाठी से देवरी के बीच सड़क मार्ग पर रविवार की सुबह करीब साढ़े 08 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। ट्रैक्टर में सवार मजदूर सनोज पिता ताराचंद कोकोड़े निवासी लिंगापौनार ट्रैक्टर से गिरकर उसके पहिए की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक ने मजदूर को तुरंत सरकारी अस्पताल कटंगी लाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लेकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद मृतक के परिजनों ने अस्पताल में करीब 03 घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि घटना के बाद ट्रैक्टर चालक ने उन्हें जानकारी नहीं दी। पुलिस की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ और दोपहर 03 बजे शव का पीएम कर परिजनों को सौंप दिया गया। सनोज इसी ट्रैक्टर में मजदूरी का काम करता था और अपने परिवार का इकलौता सहारा था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

वाहन मालिकों ने थाने में दर्ज करवाई शिकायत, एक ही रात में दो मोटरसाइकिल चोरी

कटंगी। कटंगी थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों ने एक बार फिर पुलिस की चौकसी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बीती रात 09 मई को महज़ ढाई घंटे के भीतर दो अलग-अलग स्थानों से दो मोटरसाइकिल चोरी हो गई। दोनों घटनाएँ विवाह समारोह स्थलों के बाहर हुई है जिससे यह अंदेशा गहराया है कि क्षेत्र में सक्रिय चोरों का गिरोह सुनियोजित तरीके से काम कर रहा है। पहली घटना ग्राम सावरी की है। यहां पर तिरोड़ी तहसील के सीतापठोर निवासी संतोष पिता असरथ कड़पेती अपने परिचित के यहां 09 मई की रात्रि विवाह समारोह में शामिल होने के लिए पहुँचे थे। समारोह स्थल के सामने खड़ी उनकी टीवीएस एक्सल मोटरसाइकिल (क्रमांक एमपी 50 एमटी 4887) रात लगभग साढ़े 09 बजे से 11 बजे के बीच चोरी हो गई। संतोष ने अगले दिन 10 मई को थाने पहुँचकर शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने उनकी शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 303 (2) के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। इसी रात दूसरी चोरी की वारदात ग्राम कोसमी में हुई। ग्राम वरूड़ निवासी धनसिंह बिसेन विवाह समारोह में शामिल होने ग्राम कोसमी आए थे। उनकी सीडी डीलक्सड्ड मोटरसाइकिल (क्रमांक एमपी 50 एनएल 9178) भी समारोह स्थल के बाहर से चोरी हो गई। धनसिंह ने थाने में साधारण शिकायत दर्ज करवाई है। दोनों घटनाएँ एक ही रात और लगभग एक ही समयावधि में हुईं। इससे संदेह है कि यह काम किसी संगठित गिरोह का है। पुलिस ने बताया कि शिकायत दर्ज कर ली गई है और चोरों की तलाश जारी है।

समरिया ग्राम में पेयजल स्त्रोतों की गुणवत्ता जांच की गई

एफटीके किट के माध्यम से हैंडपंप एवं नल-जल योजना के जल नमूनों का परीक्षण

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत बैहर अंतर्गत ग्राम समरिया में पेयजल स्त्रोतों की गुणवत्ता जांच हेतु संयुक्त भ्रमण एवं परीक्षण कार्य किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत समरिया के सरपंच, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड बैहर के सहायक यंत्री एवं रसायनज्ञ द्वारा ग्राम में स्थापित हैंडपंपों तथा नल-जल योजना के स्त्रोत नलकूपों का निरीक्षण किया गया। संयुक्त दल द्वारा एफटीके (फील्ड टेस्ट किट) के माध्यम से विभिन्न जल स्त्रोतों के नमूनों का परीक्षण कर पानी की गुणवत्ता की जांच की गई। परीक्षण के दौरान ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के महत्व के बारे में जानकारी भी दी गई तथा जल स्त्रोतों की नियमित निगरानी एवं स्वच्छता बनाए रखने की समझाइश दी गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा बताया गया कि जल गुणवत्ता की नियमित जांच से ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित की जा सकती है।

कलेक्टर ने किरनापुर एवं लांजी के अधिकारियों की ली बैठक

कम प्रगति वाले कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

जिले के किरनापुर एवं लांजी विकासखंड में आज 09 मई को कलेक्टर मृणाल मीना ने सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। लांजी विकासखंड में आयोजित बैठक में विधायक राजकुमार कर्राहे भी शामिल हुए।

बैठक में विधायक राजकुमार कर्राहे ने क्षेत्र की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अधिकारियों से कहा कि सभी अधिकारी- कर्मचारी आम जनता के साथ अच्छा व्यवहार रखें तथा कार्यप्रणाली को लेकर किसी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर तैनात सभी विभागों के कर्मचारी सेवा भाव से आमजन के कार्य करें। साथ ही लांजी एवं किरनापुर में प्रत्येक तीन माह में इस प्रकार की समीक्षा बैठक आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने विधायक निधि एवं अन्य योजनाओं से स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर भी जोर दिया।

कलेक्टर मीना ने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान एएनएम, सीएमओ एवं अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से दर्ज कराने तथा उसी के आधार पर वेतन आहरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल से ही लॉग-इन एवं लॉग-आउट करना होगा तथा समय और स्थान की जानकारी भी एप में दर्ज होना चाहिए।

बैठक में सभी एएनएम एवं सीएचओ को गर्भवती माताओं का अनमोल पोर्टल पर पंजीयन कर चार बार एएनसी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एएनसी पंजीयन में सबसे कम प्रगति वाले कर्मचारियों से जवाब-तलब किया गया। इस दौरान किरनापुर विकासखंड के ग्राम गोदरी, किन्ही, मोरवाही, खारा, मुंडेसरा, बटकरी, बोदालझोला तथा लांजी विकासखंड के संबंधित एएनएम एवं सीएचओ को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन एवं उपचार तथा 03 से 06 वर्ष के बच्चों के शाला पूर्व शिक्षा पंजीयन की समीक्षा भी की गई। कम प्रगति वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सात दिवस के भीतर सुधार लाने के निर्देश दिए गए। सेम श्रेणी के कुपोषित बच्चों को एमोक्सिसिलिन दवा उपलब्ध कराते हुए फूड बास्केट वितरण करने के निर्देश भी दिए गए।

राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान फार्मर रजिस्ट्री में कम प्रगति वाले पटवारियों किरनापुर के योगेश, रविकांत भारद्वाज, राहुल त्रिपाठी तथा लांजी के देवेंद्र शरणागत, कुलदीप नगपुरे, संजय कुमार पटले और रुखमणी बैगा को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही एक सप्ताह के भीतर शत-प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी बनाने को कहा गया। पटवारियों को लैपटॉप अपडेट करने तथा खसरा बंटांकन के साथ नक्शा तरमीम का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण पर भी जोर दिया गया। ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा के दौरान लांजी विकासखंड की नक्सल प्रभावित ग्राम पंचायतों में रोजगार उपलब्ध कराने में लापरवाही पाए जाने पर ग्राम घोटी, सर्रा, जुनेवानी, अंधियाटोला, नेवरवाही, कलपाथरी एवं चिचोली के ग्राम रोजगार सहायकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी।

उमरिया में कथित पत्रकारों की बढ़ती सक्रियता, प्रशासन पर उठे सवाल..!

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले में इन दिनों कुछ ऐसे लोगों की सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है जो खुद को पत्रकार बताकर अधिकारियों, व्यापारियों और आम लोगों पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर लगातार ऐसी शिकायतें सामने आ रही हैं कि कुछ कथित पत्रकार अपने परिचय पत्र और मीडिया संस्थानों के नाम का इस्तेमाल कर लोगों को डराने, धमकाने और व्यक्तिगत फायदे लेने की कोशिश कर रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो इनमें से कुछ लोगों पर पहले से ही जिलाबदल, पॉक्सो जैसे गंभीर मामलों एवं ब्लैकमेलिंग के आरोप लग चुके हैं, इसके बावजूद वे खुलेआम पत्रकारिता की आड़ लेकर प्रभाव जमाने में लगे हुए हैं। कई व्यापारी और छोटे कारोबारी खुलकर सामने नहीं आना चाहते, लेकिन दबी जुबान में यह स्वीकार कर रहे हैं कि ऐसे लोग छोटी-छोटी बातों को खबर बनाने की धमकी देकर अनावश्यक दबाव बनाते हैं।

जिले में बढ़ रही इस प्रवृत्ति को लेकर अब जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों का कहना है कि पत्रकारिता एक जिम्मेदार और लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व इस पेशे की गरिमा को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे हैं। ऐसे लोगों की वजह से वास्तविक और निष्पक्ष पत्रकारों की छवि भी प्रभावित हो रही है, जो दिन-रात मेहनत कर जनता की समस्याओं को सामने लाते हैं।

लोगों का मानना है कि प्रशासन को ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए पत्रकारों का सत्यापन अभियान चलाना चाहिए। जिला जनसंपर्क कार्यालय यानी पीआरओ विभाग के माध्यम से मीडिया संस्थानों की वैधता की जांच होनी चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस वेरिफिकेशन भी कराया जाना चाहिए। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि कौन वास्तविक पत्रकारिता से जुड़ा है और कौन केवल दबाव बनाने के उद्देश्य से पत्रकार होने का दावा कर रहा है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि फर्जी पहचान के सहारे लोगों को परेशान करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो ताकि पत्रकारिता की साख बनी रहे और समाज में भय का माहौल समाप्त हो सके।

फायर सेप्टी सप्ताह अंतर्गत अग्नि सुरक्षा का दिया गया प्रशिक्षण

उमरिया (स्वतंत्रमत)

सिविल सर्जन डॉ के.सी सोनी कि उपस्थिति में फायर सेफ्टी सप्ताह के अंतर्गत डॉ. संदीप सिंह नोडल क्वालिटी के द्वारा जिला चिकित्सालय उमरिया में कार्यरत स्टाफ को अग्नि सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के पश्चात मॉक ड्रिल कार्यक्रम आयोजित किया गया,प्रशिक्षण के दौरान फायर एक्सटिंग्विशर के संचालन की विधि पास एंड रेस, आग लगने की स्थिति में बचाव कर अग्निशमन यंत्रों की सही उपयोग आपातकालीन निकासी प्रक्रिया त्वरित सुरक्षा की जानकारी दी गई ।साथ ही मॉक ड्रिल के माध्यम से उपस्थित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को आपदा की स्थिति में सुरक्षित एवं त्वरित कार्यवाही का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया कार्यक्रम का उद्देश्य अस्पताल परिसर में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावित प्रक्रिया सुनिश्चित करना रहा है, इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी नर्सिंग अधिकारी ग्रुप डी सुरक्षा गार्ड एवं अस्पताल स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बांधवगढ़ में भालू के हमले से महिला घायल

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफर क्षेत्र में तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान भालू ने महिला पर अचानक हमला कर दिया। बताया जाता है कि महिला की जान आसपास मौजूद ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाकर बचा ली ।जानकारी के अनुसार ग्राम गौरैया निवासी मीरा सिंह पिता गजराज सिंह अपने परिवार एवं अन्य ग्रामीणों के साथ सुबह करीब 8 बजे तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गई थीं ।यह घटना गौरैया बीट के कक्ष क्रमांक पीएफ-160 की बताई जा रही है ।इसी दौरान जंगल में विचरण कर रहे भालू ने अचानक मीरा सिंह पर हमला कर दिया और उनके दाहिने पैर में दांत गड़ा दिए ।हमले के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने घबराने के बजाय साहस का परिचय दिया ।ग्रामीणों ने तेज आवाज और शोर मचाकर भालू को वहां से खदेड़ दिया, जिससे महिला की जान बच सकी ।घटना के बाद जानकारी उपरांत वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घायल महिला को तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां महिला उपचारार्थ है ।फिलहाल महिला की हालत सामान्य बताई जा रही है ।घटना को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है ।विभाग ने अपील की है कि तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए लोग समूह में ही जंगल जाएं तथा सुबह 8 बजे के बाद ही जंगल में प्रवेश करें ।बीटीआर क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने घटना को दुखद बताया,और कहा कि क्षेत्र में मानव-वन्यप्राणी संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है और ग्रामीणों को आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

अवैध मदिरा जब्त

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन एवं आबकारी अधिकारी सावित्री भगत के मार्गदर्शन में आबकारी वृत्त उमरिया एवं मानपुर में अवैध मदिरा संग्रहण एवं विक्रय पर कार्यवाही की गई है। कार्यवाही के दौरान ग्राम खरहाडांड मे अनावेदक घनश्याम यादव पिता धेनू लाल के ढाबे से 40 पाव मसाला एवं 12 पाव गोवा व्हिस्की तथा धमोखर स्थित चम्मूलाल यादव की किराना दुकान से 50 पाव देशी मदिरा जिसका कुल अनुमानित मूल्य लगभग 9400 रुपए है को जब्त कर आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया है।

बिना अनुमति पेड़ कटवाकर पोल लगाने में जुटा था संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन, वन विभाग ने मौके पर रुकवाया काम

उमरिया (स्वतंत्रमत)

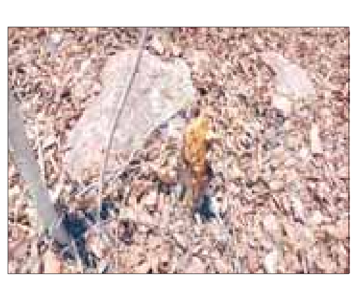

जिले के बिरसिंहपुर पाली स्थित संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र का प्रबंधन एक बार फिर सवालों के घेरे में है। इस बार मामला बिना वैधानिक अनुमति के पेड़ कटवाकर विद्युत पोल लगाने का सामने आया है। मामला आरएस 563 रखड़ा डेम के पास का बताया जा रहा है, जहां प्लांट प्रबंधन द्वारा कथित तौर पर वन विभाग की स्वीकृति के बिना कार्य कराया जा रहा था। जानकारी के अनुसार, संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन द्वारा संबंधित क्षेत्र में लाइट (पोल) लगाने का कार्य शुरू कराया गया था। आरोप है कि इस कार्य के लिए पहले पेड़ों की कटाई कराई गई, जबकि इसके लिए आवश्यक वन अनुमति और दस्तावेज पूरे नहीं किए गए थे। जैसे ही इस बात की सूचना वन विभाग को मिली, विभाग हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर काम तत्काल प्रभाव से रुकवा दिया। बताया जा रहा है कि क्षेत्र के बीट गार्ड माखनलाल द्विवेदी को सूचना मिली थी कि प्लांट प्रबंधन की ओर से बिना अनुमति पेड़ कटवाने और पोल लगाने का काम किया जा रहा है। सूचना मिलते ही उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और संबंधित कर्मचारियों को काम बंद करने के निर्देश दिए। वन विभाग की इस त्वरित कार्रवाई से मौके पर हड़कंप की स्थिति बन गई।

रेलवे संघर्ष समिति ने पिट लाइन कोचिंग डिपो स्टेबलिंग लाइन जैसी तकनीकी आधारभूत मांग के साथ रेल सुविधाओं पर सौंपा ज्ञापन

मण्डला (स्वतंत्रमत)

लंबे समय से रेलवें संघर्ष समिति रेल्वे सुविधाओं को लेकर अनेक मांगे कर रही है। जब मंडला फोर्ट से नवीन जो 2 ट्रेन चली 9 मई को उद्घाटन हुआ। लेकिन रेलवें संघर्ष समिति के सक्रिय पदाधिकारी आज भी रेल्वे प्रबंधक से यही मांग और आग्रह किए कि हमें स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यटन, शिक्षा और जिले के विकास के लिए लंबी दूरी की ट्रेन चाहिए। जिसमें आप पहले मंडला फोर्ट से नागपुर एवं मंडला फोर्ट से भोपाल नाइट में सवारी ट्रेन की सौगात दीजिए साथ ही हमारी कुछ मांगे है जो अभी भले ही न हो पाए पूरी जिसमें पेंड्रा अमरकंटक डिंडोरी मंडला घंसौर गोटेगांव एवं बिलासपुर, पंडरिया, मवई, बिछिया, मंडला, नारायणगंज, बीजाडांडी, बरेला होते हुए मुख्य स्टेशन तक पूर्व सर्वे अनुसार दुबारा सर्वे करवाकर योजना कार्यान्वित करवाए। संघर्ष समाप्त नहीं आगे भी चलता रहेगा। बता दें कि जिले के रेल यात्रियों के लिए 9 मई का दिन ऐतिहासिक बन गया जब मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन से जबलपुर और छिंदवाड़ा के लिए सीधी यात्री रेल सेवाओं का शुभारंभ किया गया। लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही मांग आखिरकार पूरी हो गई और अब यात्रियों को नैनपुर में ट्रेन बदलने या अलग-अलग ट्रेन नंबर की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस नई व्यवस्था से जिले की रेल कनेक्टिविटी को नई दिशा मिलने के साथ-साथ आम नागरिकों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और यात्रियों को बड़ी राहत प्राप्त होगी मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने हरी झंडी दिखाकर दोनों ट्रेनों को रवाना किया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में

नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे रेलवे स्टेशन परिसर उत्साह और उमंग से भरा नजर आया। लोगों ने इस अवसर को जिले के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया रेलवे द्वारा लागू की गई नई व्यवस्था के अनुसार अब गाड़ी क्रमांक 58828 मंडला फोर्ट-नैनपुर तथा 58824 नैनपुर-छिंदवाड़ा रेल सेवा के स्थान पर सीधे मंडलाफोर्ट-छिंदवाड़ा रेल सेवा संचालित की जाएगी, जिसका नंबर 58824 रहेगा। इसी प्रकार गाड़ी क्रमांक 51712 मंडलाफोर्ट-नैनपुर एवं 51706 नैनपुर-जबलपुर रेल सेवा के स्थान पर अब मंडला फोर्ट-जबलपुर सीधी रेल सेवा संचालित होगी, जिसका नंबर 51706 रहेगा। इससे यात्रियों को एक ही ट्रेन में बिना किसी रुकावट के अपने गंतव्य तक पहुंचने की सुविधा मिलेगी अब तक मंडला से जबलपुर या छिंदवाड़ा जाने वाले यात्रियों को नैनपुर स्टेशन पर उतरकर दूसरी ट्रेन पकड़नी पड़ती थी। कई बार ट्रेन नंबर बदलने समय अंतराल और प्लेटफॉर्म संबंधी परेशानियों के कारण यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ता था विशेष रूप से बुजुर्ग, महिलाएं और छात्र इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित होते थे नई रेल सेवा शुरू होने के बाद अब यह परेशानी समाप्त हो जाएगी और यात्रा अधिक सरल, सुरक्षित और समयबद्ध बन सकेगी कार्यक्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के डीआरएम दीपक कुमार गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मंडला जिले के लोगों को लंबे समय से सीधी रेल सेवा की आवश्यकता महसूस हो रही थी। उन्होंने कहा कि जबलपुर और छिंदवाड़ा जैसे प्रमुख शहरों तक सीधा रेल संपर्क बनने से जिले के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अब आसानी से शिक्षा के लिए बड़े शहरों तक पहुंच सकेंगे व्यापारियों को परिवहन में सुविधा मिलेगी तथा आम नागरिकों का समय और धन दोनों बचेंगे उन्होंने आगे कहा कि रेलवे कनेक्टिविटी किसी भी क्षेत्र के विकास की रीढ़ होती है। यदि किसी क्षेत्र में बेहतर रेल संपर्क होता है तो वहां व्यापार, पर्यटन, रोजगार और निवेश की संभावनाएं स्वत: बढ़ जाती हैं। मंडला जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और बेहतर रेल सेवाएं यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होंगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय रेलवे संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप मिश्रा ने भी रेलवे अधिकारियों से महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की उन्होंने डीआरएम दीपक गुप्ता के समक्ष मंडला-नागपुर, पेंचवेली-मंडला, मंडला-इंदौर और मंडला-भोपाल जैसी नई रेल सेवाओं की मांग प्रमुखता से उठाई। उन्होंने कहा कि जिले को प्रदेश और देश के अन्य बड़े शहरों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। यदि ये रेल सेवाएं शुरू होती हैं तो इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगीबैठक में पिट लाइन, कोचिंग डिपो और स्टेबलिंग लाइन जैसी तकनीकी एवं आधारभूत सुविधाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय रेलवे संघर्ष समिति केराष्ट्रीय महासचिव चंद्रगुप्त नामदेव, जिला अध्यक्ष अनूप वासल, मुकेश कछवाहा, राजेन्द्र नेमा, जय परतेती, अखिलेश सोनी, प्रियांशु जोशी, अभिजीत सोनवानी, अजय गुरवानी, अभिषेक जैन तथा श्रीमती कोरी आनंद ज्योतिषी सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरही में कैंटीन का उद्घाटन

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान अंतर्गत सरही ग्राम में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी समिता राजोरा, क्षेत्र संचालक रविंद्र मणि त्रिपाठी, एसडीओ बफर क्षेत्र आशीष पांडे सहित वन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नवनिर्मित कैंटीन का विधिवत उद्घाटन किया गया इस अवसर पर ग्रामवासियों जिप्सी एसोसिएशन के सदस्यों गाइडों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया गया अधिकारियों ने सभी उपस्थित लोगों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उनके त्वरित एवं सकारात्मक समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया।

पर्सनल प्रोफाइलिंग पर जोर

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने कहा कि तकनीकी संस्थानों का उद्देश्य केवल युवाओं को प्रशिक्षण देना नहीं बल्कि उन्हें स्थाई रोजगार से जोड़ना शासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके लिए युवाओं की व्यक्तिगत प्रोफाइलिंग सतत काउंसिलिंग और रोजगार के अनुरूप मार्गदर्शन आवश्यक है। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आयोजित जिला रोजगार समिति की बैठक में कलेक्टर ने शासकीय एवं निजी आईटीआई से पास आउट होने वाले युवाओं के डाटा संकलन और रोजगार उन्मुख रणनीति पर विस्तार से चर्चा की।

अवैध उत्खनन पर कलेक्टर सख्त

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में खनिज विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की खनिज संपदा के संरक्षण अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर नियंत्रण तथा जिला खनिज संस्थान मद डीएमएफ अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिले में डोलोमाइट सहित अन्य गौण खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन और भंडारण की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने खनिज निरीक्षकों को फील्ड में सक्रिय रहते हुए अपने-अपने क्षेत्रों का सघन निरीक्षण करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि निरीक्षण के उपरांत वस्तुस्थिति की विस्तृत रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वाली खदानों पर नियमानुसार अर्थदंड एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए जिला खनिज संस्थान मद डीएमएफ के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि स्वीकृत सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो।

आदि उत्सव पर सांसद का दौरा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के रामनगर में आगामी 15 एवं 16 मई को आयोजित होने वाले दो दिवसीय आदि उत्सव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। जनजातीय संस्कृति, परंपरा, लोककला और जनजातीय गौरव को समर्पित इस भव्य आयोजन की व्यवस्थाओं का जायजा लेने सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आयोजन को व्यवस्थित आकर्षक और जनसहभागिता से परिपूर्ण बनाने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान आयोजन स्थल पर मंच निर्माण बैठक व्यवस्था सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए निर्धारित स्थान, वीआईपी बैठक व्यवस्था आम नागरिकों के बैठने की सुविधा पार्किंग स्थल तथा प्रवेश एवं निकास मार्गों का विस्तार से निरीक्षण किया गया।

आम आदमी पार्टी की संगठनात्मक बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)

आम आदमी पार्टी की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई जिसमें आगामी नगर पालिका एवं पंचायत चुनावों को लेकर व्यापक रणनीति तैयार की गई बैठक में जिले के विभिन्न विधानसभा एवं ब्लॉक स्तर के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे बैठक के दौरान संगठन को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया विधानसभा और ब्लॉक स्तर पर नई कमेटियों के गठन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई ताकि जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ को और सुदृढ़ किया जा सके इसके साथ ही अगले वर्ष प्रस्तावित नगर पालिका और पंचायत चुनावों के मद्देनजर संभावित प्रत्याशियों के चयन की

प्रक्रिया पर भी विचार-विमर्श हुआ। कार्यकर्ताओं ने यह संकल्प लिया कि इस बार जिले में पार्टी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी और क्षेत्र में बदलाव लाने के उद्देश्य से जनता के बीच सक्रिय रूप से कार्य करेगी। वहीं आम आदमी पार्टी द्वारा कमर्शियल गैस सिलेंडर के बढ़े हुए दाम जिले में व्याप्त पानी की समस्या भ्रष्टाचार तथा अन्य जनहित मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की जिलाध्यक्ष पंकज सोनी ने कहा कि बीजेपी सरकार द्वारा कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में एक साथ 993 रुपये की वृद्धि कर दी गई है जिससे छोटे व्यापारियों पर भारी असर पड़ेगा उन्होंने कहा कि होटल नाश्ता और चाय की दुकान चलाने वाले लाखों छोटे व्यापारी पहले ही गैस की कमी से परेशान हैं कई जगहों पर लोगों को गैस सिलेंडर के लिए 25 से 45 दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है जिसके कारण व्यापारियों को अपना काम समेटने की नौबत आ गई है उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार घरेलू गैस सिलेंडर के दाम नहीं बढ़ाने का दावा कर रही है लेकिन कमर्शियल गैस सिलेंडर में लगभग 40 प्रतिशत तक की वृद्धि कर छोटे व्यापारियों से इसकी भरपाई की जा रही है इससे न केवल व्यापारियों बल्कि आम जनता पर भी आर्थिक बोझ बढ़ेगा व्यापारियों को मजबूरी में खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ाने पड़ेंगे जिसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ेगा।

पानी की समस्या का तत्काल लिया संज्ञान

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)

ग्राम पंचायत धनगांव की वीडियो के माध्यम से प्राप्त पेयजल संबंधी शिकायत पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी पीएचई विभाग ग्राम पंचायत स्थानीय प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्या के समाधान की दिशा में प्रभावी पहल की है। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया है। पीएचई विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत धनगांव के अंतर्गत 6 ग्राम एवं 17 बसाहटें टोले आते हैं। पंचायत क्षेत्र में 33 हैंडपंप सुचारू रूप से संचालित हैं। इसके अलावा पंचायत में 604 घरेलू नल कनेक्शन पूर्ण कर लिए गए हैं

तथा नल-जल योजना सुचारू रूप से संचालित हो रही है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि मुख्य आबादी से लगभग 900 मीटर दूर स्थित एक दूरस्थ बसाहट है जहां वर्तमान में केवल 3 परिवार निवासरत हैं। पाइपलाइन विस्तार के बावजूद कम दबाव के कारण पानी नहीं पहुंच पा रहा है और यहां रहने वाले परिवार स्वयं झिरी बनाकर अपनी दैनिक जरूरतें पूरी कर रहे हैं। क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और दूरस्थता के बावजूद पीएचई विभाग द्वारा प्राथमिकता के आधार पर लगभग एक माह पूर्व यहां ट्यूबवेल खनन कराया गया था। उस समय क्षेत्र में जलस्तर कम होने के कारण यह असफल हो गया था। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो के माध्यम से शिकायत प्राप्त होने के बाद विभागीय अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे जिन्होंने बताया कि पुन: समस्या का समाधान 24 घंटे के भीतर कर दिया जाएगा जिससे इन तीनों परिवारों को नियमित पेयजल उपलब्ध होने लगा है।

कलयुग की मीरा बाई का लडडू गोपाल संग आगमन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

आगामी 13 मई को चमत्कारी लड्डू गोपाल का आगमन साध्वी शिवांगी दीदी के संग नैनपुर निवारी में मोती लाल बंदेबार के निज निवास में हो रहा है। इसके पहले भी आपका आगमन 3 जनवरी 2006 को स्वगीर्य मनोज ठाकुर एंव पूर्व पार्षद सुश्री सवीता यादव के निज निवास नैनपुर में हो चुका है। जहां बड़ी संख्या में भक्तो द्वारा श्री लड्डू गोपाल के दर्शन कर भोग अर्पित किया गया था। ज्ञात हो साध्वी शिवांगी दीदी पर लड्डू गोपाल जी की साक्षात कृपा हैं। लड्डू गोपाल जी को जो भी भक्त जन भोग अर्पित करते हैं जो तुरंत बाद शिवांगी दीदी के मुख में प्रसाद प्रकट हो जाता है। बताया गया कि भक्त श्रद्धालु लड्डू गोपाल के दर्शन कर स्वयं भोग लगा सकते हैं।

अवैध शराब में तीन आरोपी गिरफ्तार

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)

जिले में अवैध शराब के निर्माण संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के निर्देशन तथा एसडीओपी सौरव तिवारी के मार्गदर्शन में थाना बिछिया पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए अवैध शराब परिवहन के एक प्रकरण का सफलतापूर्वक खुलासा किया गया है मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक सफेद रंग की तवेरा वाहन क्रमांक एमपी20/टी/6561 के माध्यम से अवैध अंग्रेजी मदिरा बिछिया से मंडला की ओर परिवहन की जा रही है सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना बिछिया पुलिस द्वारा थाना बिछिया के सामने योजनाबद्ध तरीके से नाकाबंदी की गई संदेहास्पद वाहन को रोककर स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से 50 पेटी बीयर प्रत्येक पेटी में 24 केन 500

एमएल कुल 1200 केन लगभग 600 लीटर बरामद की गई। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 1,64,400/- है वाहन में सवार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया भवानी बरमैया पिता शोभाराम बरमैया उम्र 45 वर्ष निवासी रंगरेज घाट, सुनील कुमार सिंह पिता राजेंद्र प्रसाद उम्र 55 वर्ष निवासी गोंगो थाना पॉकी जिला पलामू झारखंड दोनों आरोपियों से शराब परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज मांगे गए जो वे प्रस्तुत नहीं कर सके अवैध रूप से शराब परिवहन पाए जाने पर उक्त शराब एवं तवेरा वाहन अनुमानित कीमत 8,00,000 जप्तकर कुल 9,64,400/- मूल्य की संपत्ति पुलिस द्वारा कब्जे में ली गई उक्त प्रकरण में थाना बिछिया में अपराध क्रमांक 193/2026, धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा उक्त शराब को बिछिया स्थित अंग्रेजी शराब दुकान से लाना बताया गया। प्राप्त तथ्यों के आधार पर संबंधित दुकान के गद्दीदार रामाश्रय पांडे पिता स्व. लक्ष्मी पांडे उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम करमडीह पोस्ट सिंघना थाना अंबा जिला औरंगाबाद बिहार को भी प्रकरण में आरोपी बनाया जाकर गिरफ्तार किया गया है उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बिछिया निरीक्षक रंजीत सिंह सैयाम के नेतृत्व में पुलिस टीम के उप निरीक्षक प्रवीण मालवीय, सहायक उपनिरीक्षक सुरेश विजयवार, शिव शंकर राजपूत, प्रधान आरक्षक योगेश सरोते, आरक्षक अमृत मेरावी, अजय झरिया, गजरूप उद्दे, सुनीराम मरावी का योगदान रहा।

0 से 6 वर्ष के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती योग्य 28 बच्चे मिले

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। महिला एवं बाल विकास परियोजना नैनपुर अंतर्गत मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक नैनपुर में 0 से 6वर्ष के बच्चों हेतु विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नैनपुर परियोजना के 4 सेक्टर नैनपुर 1, नैनपुर 2 , चिरईडोंगरी दो व जामगांव के बच्चो का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। शिविर में कुल 114 बच्चों का स्वास्थ्य

परीक्षण कराया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कर कुपोषण की पहचान करना एवं पोषणस्तर के अनुसार उचित उपचार दिलाना है। 28 बच्चे पोषण पुनर्वास केंद्र भर्ती योग्य पाए गये। जिनमें से 6 बच्चो को आज ही पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया गया। शेष बच्चों को आगामी दिवसों में भर्ती क्षमता अनुसार भर्ती करवाय जाने हेतु एन आर सी रेफरल कार्ड देकर अभिभावकों को समझा इस दी गई।

नैनपुर में अजय सिंह राहुल का दौरा

संगठन मजबूती और चुनावी रणनीति पर हुआ मंथन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल के नैनपुर आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। नगर पहुंचते ही कांग्रेसियों ने उनका फूल-मालाओं के साथ भव्य एवं गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर नगर पालिका सभागार

में कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने किसानों की समस्याओं, क्षेत्र में व्याप्त विभिन्न जनसुविधाओं की कमी, बिजली-पानी, सड़क और रोजगार जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए अजय सिंह राहुल का ध्यान आकृष्ट कराया। अपने संबोधन में अजय सिंह राहुल ने कहा कि कांग्रेस एक मजबूत और जमीनी संगठन है, जिसकी जड़ें गांव-गांव तक फैली हुई हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और उनके बलबूते ही कांग्रेस आने वाले समय में और अधिक सशक्त होकर उभरेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुटता के साथ सक्रिय रहने और जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझने व उनके समाधान के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार भय का वातावरण तैयार कर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है। उन्होंने बंगाल चुनाव का जिक्र करते हुए तंज कसते हुए कहा कि शाम, दाम, दंड, भेद के माध्यम से चुनाव जीतना भाजपा की कार्यशैली बन गई है। बैठक में केवलारी विधायक रजनीश सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले, वरिष्ठ कांग्रेसी गुलाब सिंह उईके, ब्लॉक अध्यक्ष दामोदर ठाकुर, नगर अध्यक्ष धर्मेश तिवारी सहित नगर और ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

बंगाल का 'बदलापुर'

बेशक पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' का जनादेश दिया गया है और पहली भाजपा सरकार ने शपथ ग्रहण कर ली है, लेकिन बंगाल का 'रक्त-चरित्र' नहीं बदला है। जनादेश के बाद बंगाल का 'बदलापुर' सामने है। चुनाव के बाद हिंसा, हत्या, आगजनी, तोडफोड़, कब्जेबाजी और बुलडोजर सरेआम दिख रहे हैं। पांच राजनीतिक हत्याएं की जा चुकी हैं। उनमें घोर निर्मम हत्या शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की है। शुभेंदु बंगाल के नये मुख्यमंत्री बने हैं। गौरतलब है कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनकी घरेलू सीट 'भवानीपुर' में पराजित किया है। चंद्रनाथ राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। वायुसेना से सेवानिवृत्त थे। वह शुभेंदु के साथ तब से कार्यरत थे, जब शुभेंदु ममता सरकार में मंत्री थे और मुख्यमंत्री के भरोसेमंद नेता थे। हमलावरों ने चंद्रनाथ को उनके घर से 100-150 मीटर दूर ही गोलियों से भून दिया। हमलावर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, लेकिन एसआईटी की जांच जारी है। ममता बनर्जी ने अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है, जिसे तृणमूल नेता दोहरा रहे हैं। शुभेंदु अधिकारी का मानना है कि हमलावरों के निशाने पर वह थे, क्योंकि उन्होंने ममता बनर्जी को हराया है, लेकिन उनके सहायक की हत्या कर दी गई। यह पूर्व नियोजित, साजिशाना, नृशंस हत्या है। हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल यह हत्या ही बंगाल के 'रक्त-चरित्र' को बयां करती है। हालांकि चुनाव और जनादेश के बाद भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल और तृणमूल के कार्यकर्ता अबीर शेख की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। कांग्रेस कार्यकर्ता को भी मारा गया है। बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, टॉलीगंज, हुगली, बांकुरा, आसनसोल, बीरभूम, जलपाईगुड़ी से 24 परगना तक हिंसा का जो 'नंगा नाच' सामने आया है, उनके 'रक्तबीज' कौन हैं? कमोबेश बंगाल से 'भद्रलोक' का सम्मानजनक विशेषण छीन लेना चाहिए, क्योंकि अब वह मुखौटा भर है, क्योंकि राजनीतिक हिंसा और हत्याओं में बंगाल देश में शीर्ष स्थान पर है। यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का आंकड़ा है। इस बार भी 400 से अधिक जगहों पर हिंसा, तोडफोड़, आगजनी की घटनाएं हुई हैं। 200 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, 433 लोगों की गिरफ्तारियां की गई हैं और करीब 1100 लोग हिरासत में लिए गए हैं। राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 2.40 लाख जवान तैनात किए गए थे। सीएपीएफ की 500 कंपनियां और तैनात की जा रही हैं, लेकिन बंगाल का 'रक्त-चरित्र' यथावत है, कोई अंकुश नहीं, कोई बदलाव नहीं। बेशक प्रधानमंत्री मोदी 'बदला नहीं, बदलाव' की अपील करते रहें। इस बार चुनाव के दौरान अपेक्षाकृत बहुत कम हिंसा हुई। हत्या कोई नहीं हुई थी, लेकिन चुनाव और जनादेश के बाद बंगाल का 'रक्त-रंजित' चरित्र सामने आ गया। दरअसल बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, तो वामदलों के गुंडे, अपराधियों ने निष्ठाएं बदल लीं और तृणमूल के साथ जुड़ गए। नतीजतन 15 साल की सत्ता के दौरान हिंसा, हत्या, दादागीरी, गुंडई और इलाकाई बदमाशी का एक 'इकोसिस्टम' तैयार हो गया। तृणमूल के गुंडे, हमलावर आज भी उसी सिस्टम की धमकियां दे रहे हैं, लिहाजा भाजपा सरकार के सामने सबसे विराट चुनौती यही है कि उस सिस्टम को प्राथमिकता के साथ कुचला जाए। बंगाल के 'रक्त-चरित्र' के लिए दोषियों को माफ नहीं किया जाना चाहिए। जिन्होंने 'जल्लाद', 'दिल्ली में बाप' और 'अमित शाह बंगाल में घुस कर दिखाए' सरीखे शब्दों और वाक्यों का जो इस्तेमाल किया था, उस पर हिंसा और हत्याओं की सुई केंद्रित क्यों न की जाए?

उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की कोशिश

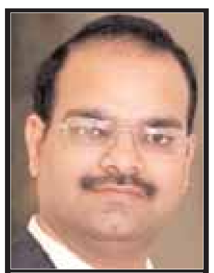

प्रो. डी.आर. भरत
लेखक पंजाब विश्वविद्यालय में कानून के प्राध्यापक हैं

भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे न केवल अपने पारंपरिक ढांचे की सीमाओं को पार करना है, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप स्वयं को पुनर्गठित भी करना है। इसी संदर्भ में प्रस्तावित 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' को एक व्यापक और दूरगामी सुधार के रूप में देखा जा सकता है। यह विधेयक मौजूदा नियामक संस्थाओं जैसे यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई को प्रतिस्थापित कर एक एकीकृत, अधिक सक्षम और पारदर्शी ढांचे की स्थापना का विचार रखता है। इसका उद्देश्य केवल प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, स्वायत्तता और जवाबदेही को नई दिशा देना भी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के पांच वर्ष पूर्ण होने के इस महत्वपूर्ण चरण पर इसका आगमन महज संयोग नहीं है, बल्कि इसे शिक्षा सुधारों की अगली स्वाभाविक और अनिवार्य कड़ी के रूप में भी देखा जा सकता है।

तकनीकी शिक्षा, सामान्य शिक्षा और शिक्षक शिक्षा के लिए अलग-अलग संस्थाएं होने के कारण नीतिगत समन्वय में कठिनाइयां उत्पन्न होती थीं। कई बार संस्थानों को समान कार्यों के लिए विभिन्न निकायों से अनुमति लेनी पड़ती थी, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि प्रक्रियाएं भी जटिल बन जाती थीं।

इस विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है-तीन स्वतंत्र परिषदों का गठन, जो उच्च शिक्षा के अलग-अलग पहलुओं को संभालेंगी। इसके अंतर्गत पहली परिषद है 'शिक्षा विनियमन परिषद', जो संस्थानों के पंजीकरण, अनुमोदन और नियामक अनुपालन से जुड़ी होगी। दूसरी परिषद है 'शिक्षा गुणवत्ता परिषद', जो संस्थानों के मूल्यांकन और मान्यता का कार्य करेगी। तीसरी परिषद है 'शिक्षा मानक परिषद', जिसका कार्य पाठ्यक्रम, शिक्षण परिणाम और न्यूनतम शैक्षणिक मानकों को निर्धारित करना होगा। इसका अर्थ यह है कि 'विनियमन', 'गुणवत्ता' और 'मानक' को अलग-अलग संस्थागत ढांचों में विभाजित करके एक अधिक स्पष्ट और प्रभावी शासन प्रणाली स्थापित करने का प्रयास।

विधेयक का दृष्टिकोण केवल संरचनात्मक परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उच्च शिक्षा की मूल भावना को भी पुनर्परिभाषित करने का प्रयास कर रहा है। इसका लक्ष्य संस्थानों को अधिक स्वायत्त बनाना, उन्हें नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा को परिणाम-आधारित और छात्र-केंद्रित बनाना है।

इस विधेयक का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू है-वित्तीय सहायता और नियमन के कार्यों का पृथक्करण। पहले यूजीसी अनुदान देने और नियमन दोनों कार्य करता था। नए ढांचे में इन दोनों कार्यों को अलग करने का प्रयास किया गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है।

पहले पहल यह विधेयक प्रशासनिक जटिलताओं को कम करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करने में सहायक हो सकता है। दूसरा, स्पष्ट मानकों और सुदृढ़ प्रत्यायन प्रणाली के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है। तीसरा, यह भारतीय विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद कर सकता है, जिससे विदेशी छात्रों और निवेश को आकर्षित किया जा सके।

लेकिन चिंताएं यह भी हैं कि इसके माध्यम से अत्यधिक केंद्रीकरण का खतरा है। एक ही संस्था में व्यापक शक्तियां केंद्रित होने से संघीय ढांचे और राज्यों की भूमिका प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, वित्तीय प्रावधानों की अस्पष्टता भी एक गंभीर मुद्दा है, जो विशेष रूप से राज्य विश्वविद्यालयों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि नियामक परिषद की शक्तियां अत्यधिक बढ़ जाती हैं, तो संस्थानों की स्वायत्तता सीमित हो सकती है।

विधेयक के संदर्भ में बड़ी चिंता संघीय ढांचे पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर है। यद्यपि भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत संघ-सूची की प्रविष्टि 66 में उच्चतर शिक्षा या अनुसंधान संस्थानों तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों में समन्वय एवं मानकों के निर्धारण का प्रावधान है।

नि:संदेह, इतने व्यापक बदलाव को लागू करना अपने आप में एक बड़ी परीक्षा है। संस्थागत संस्कृति, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और मानव संसाधनों में समन्वय स्थापित करना दीर्घकालिक और जटिल प्रक्रिया होगी। यदि इसे सावधानीपूर्वक और चरणबद्ध तरीके से लागू नहीं किया गया, तो यह सुधार अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगा। अंततः विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 एक ऐसा प्रयास है, जो भारत की उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

अगर जात की दीवार गिरी, तो मां-बाप का रिमोट कंट्रोल भी गिर जाएगा

अंकुर रंजन
जबलपुर (मप्र)

आजकल हमारे मोहल्ले की हवा बदली-बदली सी है। संघ प्रमुख मोहन भागवत जी ने अंतरजातीय विवाह पर क्या टिप्पणी की, मोहल्ला दो फाड़ हो गया। ऐसा लगता है जैसे किसी ने जलती हुई लंका में घी डाल दिया हो। एक तरफ वो माता-पिता हैं जिन्हें लिबरेशन मिल गया है, और दूसरी तरफ वो हैं जो अपनी जातीय शुद्धता के किले को बचाने के लिए आखिरी दम तक मोर्चे पर डटे हैं।

पहला वर्ग उन माता-पिता का है, जिनके बच्चों ने पहले ही जाति की दीवारें लांघ ली थीं। ये बेचारे माता पिता अब तक समाज के डर से दबे-कुचले घूम रहे थे, जैसे कोई चोरी की हो। लेकिन भागवत जी का बयान क्या आया, इनकी तो लॉटरी लग गई। अब ये सीना चौड़ा करके गलियों में घूम रहे हैं और कह रहे हैं जब साक्षात भागवत जी ने ही मुहर लगा दी, तो हमारी तुम्हारी हैसियत क्या है भाई? हम तो पहले से ही विजनरी थे, समाज तो अब जाग रहा है। इनके लिए भागवत जी का बयान सुप्रीम कोर्ट का स्टे ऑर्डर बन गया है, जिसने इनकी सामाजिक साख को रातों-रात बहाल कर दिया। दूसरी तरफ वो माता-पिता हैं जिनकी रातों की नींद उड़ गई है। इनके बच्चे अब हाथ में अखबार लेकर इनके सामने ऐसे खड़े हो जाते हैं जैसे कोई वकील जिरह कर रहा हो, देखिए पापा, अब तो भागवत जी ने बोल दिया, अब आप क्या करेंगे?

इन बेचारों की हालत काटो तो खून नहीं वाली हो गई है। कल तक जो आरएसएस और बीजेपी के लिए झंडे उठाते थे, आज वही सोच रहे हैं कि इस क्रांतिकारी विचार के बाद सपोर्ट कैसे करें? मगर इस दूसरे वर्ग ने अब इस स्थिति का तोड़ निकाल लिया है। वे अपने बच्चों को समझा रहे हैं कि ये सब राजनीति है। आज ये अंतरजातीय विवाह के लिए बोल रहे हैं, कल अगर अलग-अलग धर्मों के लिए बोलेंगे तो क्या हम मान लेंगे? ये सब सत्ता का खेल है बेटा, तुम अपनी जात में ही टिके रहो। भागवत जी तो हाफ पैंट, काली टोपी और मलाई मारकर पूरी जिंदगी गुजार देंगे। सुनो बिटिया, ये जो दिल्ली की हवा लगी है न तुमको, इसे जरा संभाल कर रखो। भागवत जी ने तो कह दिया, पर क्या भागवत जी तुम्हारे फेरों में कन्यादान करने आएंगे? कन्यादान तो हमें ही करना है, और वो अपनी बिरादरी के बाहर नहीं होगा। हरियाणा-पंजाब का दामाद हमें नहीं चाहिए। हमें तो अपनी ही जात का लड़का चाहिए, भले ही वो खानदानी गधा क्यों न हो। प्रॉपर्टी में बेटे के बराबर हिस्सा तभी मिलेगा जब अपनी जात में फेरे लोगी, वरना समझ लेना।

बाप बेटे से कह रहे हैं- बेटा, ये जो तुम भागवत जी का बयान सुनकर चहक रहे हो न, ये सब चुनावी मलाई है। देखो ये तलाक-तलाक का खेल देखना है तो अंतरजातीय शादियां देख लो। रोज का ड्रामा, रोज की किचकिच। हमारी जात की बहू आएगी तो कम से कम दबकर तो रहेगी। बाहर वाली तो दूसरे दिन ही तुमको और हमको अलग कर देगी। खाकी वर्दी और काली टोपी पहनकर उपदेश देना आसान है, क्योंकि उनको कौन सा घर बसाना है। तुमको तो अपना घर, अपनी जमीन और अपनी इज्जत देखनी है। बेटा अगर तुमने जात के बाहर पैर निकाला, तो तुम्हे न केवल जायदाद से बेदखल किया जाएगा, बल्कि समाज में तुम्हारी हैसियत शून्य कर दी जाएगी। अभी पिताओं का सबसे बड़ा ताना यही ट्रेंड में चल रहा है भले ही उस पिता के पास प्रॉपर्टी के नाम पर 2 डिसमिल जमीन ही क्यूँ न बची हो। बेटा, सत्ता बदलती रहती है, पर बिरादरी वाले ही अर्थी को कंधा देते हैं, आरएसएस वाले नहीं आएंगे।

कुल मिलाकर, मोहल्ले में अब विचारधारा की लड़ाई नहीं, बल्कि अहंकार और विरासत की जंग छिड़ गई है। एक तरफ आधुनिकता का चोला ओढ़े वो लोग हैं जिन्हें भागवत जी में मसीहा दिख रहा है, और दूसरी तरफ वो हैं जिन्हें लगता है कि पूरी जवानी जिस आरएसएस के लिए कुर्बान कर दी उसने उनके साथ गद्दारी कर दी है। मगर सच तो यह है कि मोहन भागवत जी का बयान तो बस एक बहाना है, असली डर तो इस बात का है कि अगर जात की दीवार गिरी, तो मां-बाप का रिमोट कंट्रोल भी गिर जाएगा।

(उपरोक्त विचार लेखक के अपने हैं)

कोशिका स्तर पर जैविक उम्र बढ़ाती गर्मी

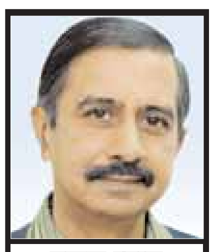

मुकुल ब्यास
विज्ञान मामलों के जानकार

तेजी से गर्म होती दुनिया में गर्मी का मौसम अब ज्यादा सताने लगा है। गर्मी पहले से कहीं ज्यादा लंबी और जानलेवा हो गई है। बहुत ज्यादा गर्मी के स्पष्ट प्रभाव डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और थकावट के रूप में दिखाई देते हैं लेकिन वैज्ञानिकों का दावा है कि तेज गर्मी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी तेज कर सकती है। सदर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी द्वारा किया गया एक नया अध्ययन बताता है कि बहुत ज्यादा गर्मी कोशिका स्तर पर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में तेजी ला सकती है। यह हमें अच्छी तरह से ज्ञात है कि बहुत अधिक तापमान शरीर पर दबाव डाल सकता है। लेकिन अब इस बात के सबूत बढ़ रहे हैं कि लंबे समय तक गर्मी में रहने से आयु-वृद्धि की प्रक्रिया तेज हो सकती है। किसी व्यक्ति की तारीख के अनुसार गिनी जाने वाली उम्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी जैविक उम्र होती है। यही स्वास्थ्य का असली पैमाना है। जैविक उम्र यह दिखाती है कि हमारी कोशिकाएं, ऊतक और अंग कितनी अच्छी तरह काम करते हैं। जब जैविक उम्र तिथि आधारित उम्र से ज्यादा होती है, तो बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन की वरिष्ठ लेखक जेनिफर एलशायर का कहना है कि गर्म इलाकों में रहने वाले लोगों में ठंडे इलाकों के लोगों की तुलना में जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया ज्यादा तेज होती है। गर्मी और उम्र बढ़ने के बीच संबंध की जांच करने के लिए शोधकर्ताओं ने 56 साल और उससे अधिक उम्र के 3,600 से ज्यादा लोगों के डेटा की जांच की, जो स्वास्थ्य और सेवानिवृत्ति से संबंधित अध्ययन में शामिल थे। वैज्ञानिकों ने छह साल की अवधि में रक्त के नमूने लिए और जीन संबंधी बदलावों का पता लगाने के लिए उनका विश्लेषण किया। ये ऐसे रासायनिक परिवर्तन हैं जो जीन के काम करने के तरीके पर असर डालते हैं। इस क्षेत्र में एक बड़ी प्रक्रिया 'डीएनए मिथाइलेशन' है, जिसमें एक रसायन डीएनए में जुड़ता है। यह प्रक्रिया आनुवंशिक कोड में बदलाव किए बिना जीन को चालू या बंद कर सकती है। शोधकर्ताओं ने इन आणविक परिवर्तनों पर नजर रखने के लिए एक जैव-रासायनिक टूल (एपिजेनेटिक घड़ी) का इस्तेमाल किया। यह टूल मिथाइलेशन पैटर्न का पता लगाकर जैविक उम्र का अनुमान लगाता है। शोधकर्ताओं ने 2010 से 2016 तक के पुराने गर्मी सूचकांक डेटा के साथ जैविक उम्र बढ़ने की दरों की तुलना की, जिससे गर्मी और आयु-वृद्धि के बीच एक मजबूत संबंध का पता चला। तापमान और आर्द्रता के मिश्रण से यह तय होता है कि गर्मी कितनी ज्यादा है। बहुत ज्यादा गर्मी को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। सतर्कता स्तर 27 सेल्सियस 32 सेल्सियस तक होता है। बहुत ज्यादा सावधानी वाली श्रेणी 32 सेल्सियस से 40 सेल्सियस तक होती है। सबसे खतरनाक स्तर 40 सेल्सियस से शुरू होता है और 51 सेल्सियस तक जाता है। इस अध्ययन में यह देखा गया कि हर स्तर की गर्मी के बार-बार संपर्क में आने से जैविक उम्र पर कितना असर पड़ता है। बहुत ज्यादा गर्मी के ज्यादा दिनों का मतलब था कोशिका स्तर पर तेजी से उम्र बढ़ना। कुछ क्षेत्रों में लंबे समय तक भीषण तापमान बना रहता है, और इसका वहां के निवासियों की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया पर प्रभाव चौंकाने वाला होता है।

बहुत ज्यादा गर्मी अब लोगों को रोजाना के आसान काम भी नहीं करने दे रही है। तेज गर्मी में चलना, सफाई करना या बाहर काम करना मुश्किल होता जा रहा है। वैज्ञानिकों ने एक अन्य अध्ययन में पाया कि 1950 के दशक से, हर साल उन घंटों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है जब गर्मी सामान्य गतिविधियों के लिए खतरनाक हो जाती है। एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी और कई दूसरे संगठनों के शोधकर्ताओं ने यह अध्ययन किया कि तापमान और आर्द्रता का इंसान के शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है। नतीजों से पता चलता है कि बहुत ज्यादा गर्मी दैनिक जीवन के लिए, खासकर बुजुर्गों के लिए एक चुनौती बनती जा रही है। अध्ययन की सह-लेखक जेनिफर वैनोस ने कहा कि गर्मी के बारे में ज्यादातर अध्ययन इस बात पर फोकस करते हैं कि गर्मी कितनी लगती है। नया अध्ययन एक अलग सवाल पूछता है कि इंसान का शरीर उस गर्मी में सुरक्षित रूप से क्या कर सकता है। सिर्फ तापमान मापने के बजाय अध्ययन में यह देखा गया कि गर्मी और आर्द्रता शरीर की खुद को ठंडा करने की क्षमता पर कैसे असर डालती हैं। शरीर आमतौर पर पसीना निकलने से ठंडा होता है। लेकिन ज्यादा नमी इस प्रक्रिया को धीमा कर देती है। इससे त्वचा से गर्मी को बाहर निकलने में मुश्किल होती है। शोधकर्ताओं ने एक खास मॉडल का इस्तेमाल करके यह अंदाजा लगाया कि कोई इंसान अलग-अलग मौसम में कितनी गतिविधि सुरक्षित रूप से कर सकता है। यह मॉडल स्टडी करता है कि शरीर वातावरण मिलने वाली से गर्मी और शारीरिक गतिविधि के दौरान पैदा होने वाली गर्मी के बीच कैसे संतुलन बनाता है। अगर शरीर तेजी से गर्मी नहीं निकाल पाता तो शरीर का अंदरूनी तापमान बढ़ जाता है और इससे हीटस्ट्रोक हो सकता है। हल्की गर्मी में हल्के काम शरीर को ज्यादा गर्म किए बगैर सुरक्षित रूप से किए जा सकते हैं लेकिन जब गर्मी बहुत ज्यादा हो जाती है तो यह एक्टिविटी असुरक्षित हो जाती है। टीम ने पाया कि कुछ जगहों पर मौसम साल के सबसे गर्म घंटों में ही ऐसे हालात बना सकता है जो रहने लायक नहीं होते। इन हालात में, छाया में चुपचाप बैठने से भी शरीर का तापमान बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं ने 1950 से 2024 तक वैश्विक तापमान और आर्द्रता डेटा का विश्लेषण किया। इससे वैज्ञानिकों को यह ट्रैक करने में मदद मिली कि पिछले 75 सालों में गर्मी के संपर्क में आने का तरीका कैसे बदला है। नतीजे बताते हैं कि खतरनाक गर्मी आम होती जा रही है। 18 से 40 साल के युवा अब बीसवीं सदी के बीच की तुलना में हर साल लगभग दोगुने घंटे ऐसे समय का सामना करते हैं जब गर्मी की वजह से सामान्य गतिविधि असुरक्षित हो जाती है। वर्ष 1950 और 1970 के दशक के बीच, युवा हर साल लगभग 25 घंटे इस तरह के समय का अनुभव करते थे। आज यह संख्या बढ़कर सालाना लगभग 50 घंटे हो गई है। बुजुर्गों के लिए यह बढ़ोतरी और भी ज्यादा है। पहले, 65 साल से अधिक उम्र के लोगों को हर साल लगभग 600 घंटे ऐसे समय का अनुभव होता था जब गर्मी की वजह से सामान्य गतिविधि सीमित हो जाती थी। अब यह संख्या बढ़कर हर साल लगभग 900 घंटे हो गई है। बुजुर्गों को ज्यादा खतरा होता है क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ शरीर को पसीने और स्वस्थ रक्त संचार से खुद को ठंडा रखना मुश्किल हो जाता है। बुजुर्गों का शरीर जवान लोगों की तरह अच्छे से ठंडा नहीं हो पाता।

तेजाब और पितृसत्ता के बीच संघर्ष करती स्त्री

डॉ. ऋतु सारस्वत
लेखिका समाजशास्त्री हैं

हाल ही में देश के शीर्ष न्यायालय ने 'शाहीन मलिक बनाम भारत संघ' मामले में एसिड अटैक के संबंध में मौजूदा कानूनों के तहत तेजाब हमलों से जुड़े मामलों के निस्तारण को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। अदालत ने माना कि ऐसे अपराधों के लिए निर्धारित दंड पर्याप्त नहीं हैं तथा कई पीड़ित अब भी उचित कानूनी पहचान और सहायता से वंचित हैं। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों की भी समीक्षा की। अदालत ने पाया कि अधिनियम की वर्तमान अनुसूची में तेजाब हमले के पीड़ितों को केवल उन व्यक्तियों तक सीमित रखा गया है जो 'एसिड या इसी तरह के संहारक पदार्थ फेंकने से हुए हिंसक हमलों के कारण विकृत हो गए हैं।' न्यायालय ने केंद्र सरकार से अनुसूची में संशोधन कर ऐसे मामलों को शामिल करने पर विचार करने को कहा। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा, 'यदि इस संशोधन को अधिसूचित किया जाता है तो हम इसकी सराहना करेंगे।' यही नहीं पीठ ने तेजाब की सहज उपलब्धता और उसकी अवैध बिक्री पर भी गंभीर चिंता जताई और कहा कि अवैध रूप से तेजाब बेचने वाले विक्रेताओं को जिम्मेदारी से बचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए तथा ऐसे मामलों में उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि दायित्व केवल हमलावर तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुनवाई के दौरान अपराधियों पर कठोर आर्थिक दंड लगाने और उनकी संपत्ति जब्त करने जैसे उपायों पर भी चर्चा हुई। अदालत ने टिप्पणी की, 'हमलावर की संपत्ति, जिसमें संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति में उसका हिस्सा भी शामिल है, क्यों न जब्त की जाए? हम आत्मसम्मान आदि की बात करते हैं... तो आरोपी को क्यों नहीं भुगतना चाहिए?' एसिड अटैक मानवता के मुंह पर वह तमाचा है, जहां सभ्यता, संस्कृति और संवेदनाएं एक साथ दम तोड़ती दिखाई देती हैं। ऐसे अपराध केवल किसी एक व्यक्ति पर हमला नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज की चेतना और नैतिकता को कठघरे में खड़ा कर देते हैं। विशेष रूप से वे लोग भी प्रश्नों के घेरे में आ जाते हैं, जो इस हिंसा के विरुद्ध बोलने का साहस नहीं जुटा पाते। बिना किसी अपराध के जीवनभर असहनीय पीड़ा सहना केवल शारीरिक या मानसिक यातना भर नहीं है। यह उस धीमे ज़हर की तरह है, जिसमें पीड़िता हर दिन जीते हुए स्वयं को अपराधबोध, उपेक्षा और सामाजिक असहजता के बीच घिरा हुआ पाती है। विडंबना यह है कि तेजाब का प्रभाव केवल शरीर को नहीं जलाता, बल्कि वह व्यक्ति के आत्मविश्वास, संबंधों और जीवन के प्रति विश्वास को भी भीतर तक झुलसा देता है। यदि हम यह सोचते हैं कि ऐसी कुंठित मानसिकता केवल भारत तक सीमित है, तो यह हमारी गंभीर भूल होगी। स्त्री को अस्वीकार किए जाने, नियंत्रण खो देने या आहत अहंकार के प्रतिशोध में हिंसा का शिकार बनाना दरअसल संपूर्ण विश्व की एक सामाजिक बीमारी है। पुरुष अक्सर स्त्री की 'न' को स्वीकार नहीं कर पाता। जब उसका अहंकार घायल होता है, तब वह शक्ति, भय, हिंसा या नियंत्रण के माध्यम से स्त्री पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है। और जब वह ऐसा करने में असफल होता है, तब कई बार प्रतिशोध सबसे क्रूर रूप में सामने आता है। नारीवादी चिंतक बेल हुक्स पितृसत्ता को ऐसी व्यवस्था मानती हैं, जो पुरुष को यह विश्वास दिलाती है कि प्रभुत्व उसका स्वाभाविक अधिकार है। वहीं मनोवैज्ञानिक लंडी बैनक्रॉफ्ट अपनी पुस्तक 'व्हाय डज़ ही डू दैट?' में लिखते हैं कि हिंसा केवल क्षणिक क्रोध का परिणाम नहीं होती, बल्कि उसके मूल में स्वामित्व, अधिकारबोध और नियंत्रण की मानसिकता छिपी होती है। यही कारण है कि जब कोई स्त्री अपनी स्वतंत्र इच्छा से निर्णय लेती है, असहमति जताती है या किसी संबंध को अस्वीकार करती है, तब पुरुषवादी अहंकार कई बार उसे दंडित करने पर उतारू हो जाता है। इन तमाम असहनीय यातनाओं और सामाजिक उपेक्षाओं के बीच जो बात सबसे अधिक चकित करती है, वह है एसिड अटैक सर्वाइवर्स की अदम्य जिजीविषा। उनकी जिजीविषा पितृसत्तात्मक मानसिकता को आईना दिखाती है। जिन लोगों ने उन्हें तोड़ने, डराने और जीवनभर के लिए समाप्त कर देने का प्रयास किया, वे उनके शरीर को तो घायल कर पाए, पर उनकी आत्मा, उनका साहस और जीने की इच्छा को समाप्त नहीं कर सके। शायद यही उन अपराधियों की सबसे बड़ी हार है कि जिन स्त्रियों को वे भय और पीड़ा के अंधेरे में धकेल देना चाहते थे, वही स्त्रियां आज संघर्ष, आत्मसम्मान और साहस की सबसे मजबूत आवाज बनकर खड़ी हैं। भारतीय एसिड अटैक सर्वाइवर रेशमा कुरैशी इसका एक सशक्त उदाहरण हैं। जिस लड़की के चेहरे को तेजाब से मिटा देने की कोशिश की गई थी, वही रेशमा बाद में न्यूयॉर्क फैशन वीक के रैंप तक पहुंचीं। यह केवल एक उपलब्धि नहीं थी, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध एक शांत किंतु दृढ़ प्रतिरोध था, जो किसी स्त्री की पहचान को उसके चेहरे तक सीमित समझती है। कुछ ऐसी ही कहानी ब्रिटेन की केटी पाइपर की भी है। एक भयावह एसिड अटैक के बाद लंबे समय तक शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरने वाली केटी ने स्वयं को केवल एक पीड़िता के रूप में सीमित नहीं होने दिया। अनेक सर्जरी, सामाजिक भय और आत्मसंघर्ष के बाद उन्होंने अपने अनुभवों को लेखन और सामाजिक जागरूकता का माध्यम बनाया। उनकी पुस्तक 'ब्यूटीफुल' केवल एक आत्मकथा नहीं, बल्कि उस स्त्री की आंतरिक यात्रा है, जिसने अपने टूटे हुए अस्तित्व को धीरे-धीरे फिर से गढ़ा। दरअसल, रेशमा कुरैशी, लक्ष्मी अग्रवाल और केटी पाइपर जैसी महिलाएं अकेली नहीं हैं। ईरान की अमेनेह बहरामी, कोलंबिया की नतालिया पोंसे दे लियोन, पाकिस्तान की फाखरा यूनुस और बांग्लादेश की जहरा जैसी अनेक महिलाओं ने एसिड अटैक की भयावह पीड़ा झेलने के बावजूद स्वयं को चुप्पी में कैद नहीं होने दिया। इन महिलाओं ने अपने संघर्ष को निजी दुख तक सीमित रखने के बजाय उसे सामाजिक प्रतिरोध और जागरूकता की आवाज में बदल दिया। भारत में भी एसिड अटैक सर्वाइवर्स ने अपने संघर्ष को मौन पीड़ा में बदलने से इंकार किया। आगरा, लखनऊ और नोएडा में संचालित 'शीरोज़ हैंगआउट' केवल एक कैफे नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और पुनर्निर्माण का जीवित प्रतीक है। यहां काम करने वाली महिलाएं हर दिन समाज को यह संदेश देती हैं कि हिंसा किसी स्त्री के साहस को समाप्त नहीं कर सकती। जिन चेहरों को कभी समाज दया की दृष्टि से देखता था, वही चेहरे आज आत्मनिर्भरता, संघर्ष और सम्मान की नई परिभाषा लिख रहे हैं। फिर भी सबसे बड़ा प्रश्न अब भी अनुत्तरित है आखिर एसिड हमलावर भयभीत क्यों नहीं दिखाई देते? क्या वे यह बखूबी जानते हैं कि कानून के गलियारों में अब भी ऐसी सकरी गलियां मौजूद हैं, जिनसे होकर वे बच निकलेंगे? या फिर उन्हें इस बात का आश्वासन रहता है कि दोष सिद्ध हो या न हो, जब अपराध किसी स्त्री से बदला लेने के नाम पर किया गया हो, तब समाज के लिए वह उतना अस्वीकार्य नहीं रह जाता, जितना होना चाहिए। शायद यही कारण है कि किसी स्त्री का पूरा जीवन झुलसा देने से पहले उनके भीतर भय नहीं, बल्कि एक खतरनाक प्रकार का सामाजिक आश्वासन काम करता है। जब तक समाज की नैतिक अस्वीकृति कठोर नहीं होगी, तब तक ऐसी हिंसा केवल अपराध नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक मानसिकता के संरक्षण में पलती हुई क्रूरता बनी रहेगी।

एआईएडीएमके में फूट का खतरा

36 विधायकों ने पलानीस्वामी के खिलाफ की बगावत

चेन्नई

रविवार को तमिलनाडु की राजनीति और एआईएडीएमके में एक बार फिर भारी उथल-पुथल मच गई। पूर्व मंत्री सी. वी. षणमुगम ने पार्टी महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी के खिलाफ 36 नवनिर्वाचित विधायकों को लामबंद कर दिया है। चुनाव में हार के बाद इस बगावत ने पार्टी के दो फाड़ होने का खतरा पैदा कर दिया है।

विद्रोही गुट ने पलानीस्वामी पर एकतरफा फैसले लेने और पार्टी के अस्तित्व से ज्यादा निजी स्वार्थ को तरजीह देने का आरोप लगाया है। एआईएडीएमके ने एनडीए गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा था और 47 सीटें हासिल की थीं, जबकि गठबंधन ने कुल 53 सीटें जीतीं, जिसमें भाजपा की एक सीट शामिल है। विद्रोही पदाधिकारियों ने अपने अगले कदम की घोषणा करने के लिए सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की योजना बनाई है। षणमुगम खेमे के एक नेता ने स्पष्ट रूप से कहा कि ईपीएस एआईएडीएमके के कल्याण के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए फैसले ले रहे हैं। यह राजनीतिक संकट ऐसे समय में सामने आया है जब तमिलनाडु एक खंडित जनादेश की स्थिति से जूझ रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, षणमुगम और पूर्व मंत्री एसपी वेलुमणि ने अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के साथ चुनाव बाद गठबंधन की संभावनाएं तलाशी थीं, क्योंकि विजय की पार्टी बहुमत के आंकड़े से कुछ पीछे रह गई थी। इसके ठीक उलट, ईपीएस गुपचुप तरीके से डीएमके का समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहे थे। विधायकों के पुडुचेरी के एक रिसॉर्ट से लौटने के बाद पलानीस्वामी ने उनके साथ बंद कमरे में बैठक की। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सरकार बनाने वाली पार्टी को बधाई देते हुए एक रहस्यमयी पोस्ट किया।

इससे इन अटकलों को बल मिला कि डीएमके का समर्थन हासिल करने की उनकी कोशिशें शायद विफल हो गई हैं। इसके कुछ ही घंटों बाद षणमुगम और 35 विधायक आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए षणमुगम के आवास पर इकट्ठा हुए। सूत्रों ने बताया कि विद्रोही विधायक विश्वास मत के दौरान विजय की पार्टी का समर्थन करने और विधानसभा के भीतर असली एआईएडीएमके होने का दावा पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। षणमुगम की नजर अब एआईएडीएमके के विधायक दल के नेता के पद पर है। इस बीच, पार्टी के वरिष्ठ नेता दोनों प्रतिद्वंद्वी खेमों के बीच सुलह कराने में नाकाम रहे हैं।

मतदाताओं के साथ विश्वासघात

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, षणमुगम ने ईपीएस पर मतदाताओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि चुनाव में एआईएडीएमके के तीसरे स्थान पर खिसकने के बाद ईपीएस ने उदयनिधि स्टालिन के जरिए सत्तारूढ़ डीएमके का समर्थन मांगने का प्रयास किया। सूत्रों ने यह भी बताया कि डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने सीपीआई, सीपीएम और वीसीके सहित अपने सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श के दौरान एआईएडीएमके के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने की संभावनाओं पर चर्चा की थी।

पश्चिम एशिया संकट के चलते खाड़ी में फंसे 20 हजार भारतीय नाविक

नई दिल्ली/तेहरान

देश के सबसे पुराने समुद्री यूनियनों में से एक नेशनल यूनियन ऑफ सीफेरर्स ऑफ इंडिया (एनयूएसआई) ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ते तनाव के बीच 20 हजार से ज्यादा भारतीय नाविक फंसे हुए हैं। यूनियन को इस बात का डर है कि संघर्ष फैलने से जहाज फंस सकते हैं और चालक दल बिना भोजन और दवा के वहीं फंसे रह सकते हैं। इस संस्था ने सरकार से आग्रह किया है कि वह इस संकट को राष्ट्रीय प्राथमिकता माने और तत्काल निकासी प्रोटोकॉल लागू करे। इस क्षेत्र में भारतीय नाविकों की स्थिति लगातार बदलती रहती है, क्योंकि जहाजों के शेड्यूल, बंदरगाहों पर लगी पाबंदियों, फ्लैग स्टेट्स और सुरक्षा अलर्ट के आधार पर क्रू रोजाना बदलते रहते हैं। खाड़ी क्षेत्र और उसके आस-पास काम करने वाले नाविकों को अब मिसाइल और ड्रोन के खतरों, काम-काज पर लगी पाबंदियों और सुरक्षा सलाहों का सामना करना पड़ रहा है। इन चीजों ने तकनीकी तौर पर खुले होर्मुज स्ट्रेट से होने वाली आम यात्राओं को बेहद जोखिम भरी यात्राओं में बदल दिया है। एनयूएसआई के जनरल सेक्रेटरी सह कोषाध्यक्ष मिलिंद कंदलगांवकर ने बताया, नाविकों और उनके परिवारों के बीच घबराहट बढ़ती जा रही है। हमें परेशान रिश्तेदारों के लगातार फोन आ रहे हैं, जो पूछ रहे हैं कि क्या उनके परिवार के सदस्य सुरक्षित घर लौट पाएंगे। इन नाविकों के परिवार खबरों के अलर्ट, जहाजों की आवाजाही और संघर्ष से जुड़े अपडेट पर नजर रख रहे हैं। कई भारतीय नाविक विदेशी झंडे वाले जहाजों पर काम करते हैं, जहां जिम्मेदारी जहाज मालिकों, बीमा कंपनियों, संबंधित देशों और स्थानीय अधिकारियों के बीच बंटी होती है। सेना के जवानों के उलट, मर्चेंट नेवी के क्रू सदस्य आम नागरिक होते हैं, जो सीमित सुरक्षा के बावजूद वैश्विक व्यापार को सुचारू रूप से चलाने में मदद करते हैं। समुद्र में करीब दो दशक बिताने वाले कंदलगांवकर ने कहा, ये नाविक बेहद मुश्किल हालात में वैश्विक व्यापार और भारत की आर्थिक सुरक्षा की सेवा करते हैं और इन्हें तुरंत सुरक्षा मिलनी चाहिए।

'आसमान से आग बरस रही थी'

ऑपरेशन सिंदूर पर जैश-ए-मोहम्मद का कबूलनामा

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान में आतंकियों की कमर तोड़कर रख दी थी। पाकिस्तान में कई आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया गया था। लेकिन इस ऑपरेशन के एक साल बाद अब भी आतंकियों में खौफ बना हुआ है। जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों में अभी भी ऑपरेशन सिंदूर का खौफ है। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आतंकी संगठन जैश ने ऑपरेशन सिंदूर की रात के खौफ को बयां किया। जैश ने इस पोस्ट में कहा कि वो रात बड़ी अजीब थी। ऊपर से आग बरस रही थी। जोरदार धमाके हो रहे थे, लेकिन उन्हीं के बीच अल्लाहू अकबर के नारे गूंज रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे पुराने दौर के मंजर आंखों के सामने आ गए हों, जैसे कुरान में बयान किए गए दृश्य फिर से दिखाई दे रहे हों। दिल में आया कि उन आयतों को लिख दूं जिनकी झलक उस दिन जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह पर उतर रही थी, लेकिन एक छोटे से खत में इतनी जगह नहीं होती। इतना ही नहीं, एक और सोशल मीडिया पोस्ट में जैश की महिला विंग जमात ने कहा कि पिछले तीन दिनों में अल-मोमिनात के काम पर अल्लाह की खास रहमत और मदद रही। अल्हम्दुलिल्लाह, हजारों महिलाओं तक दीन का पैगाम पहुंचा। इसके अलावा 2200 से ज्यादा महिलाओं को अल-मोमिनात की सदस्यता मिली। अल्लाह हम सब और तमाम मोमिनात पर अपना फज़्ल और रहमत बनाए रखे।

हंतावायरस को लेकर डब्ल्यूएचओ चीफ बोले घबराने की जरुरत नहीं, सिचुएशन कंट्रोल में है

नई दिल्ली

देश के सबसे पुराने समुद्री यूनियनों में से एक नेशनल यूनियन ऑफ सीफेरर्स ऑफ इंडिया (एनयूएसआई) ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ते तनाव के बीच 20 हजार से ज्यादा भारतीय नाविक फंसे हुए हैं। यूनियन को इस बात का डर है कि संघर्ष फैलने से जहाज फंस सकते हैं और चालक दल बिना भोजन और दवा के वहीं फंसे रह सकते हैं। इस संस्था ने सरकार से आग्रह किया है कि वह इस संकट को राष्ट्रीय प्राथमिकता माने और तत्काल निकासी प्रोटोकॉल लागू करे। इस क्षेत्र में भारतीय नाविकों की स्थिति लगातार बदलती रहती है, क्योंकि जहाजों के शेड्यूल, बंदरगाहों पर लगी पाबंदियों, फ्लैग स्टेट्स और सुरक्षा अलर्ट के आधार पर क्रू रोजाना बदलते रहते हैं। खाड़ी क्षेत्र और उसके आस-पास काम करने वाले नाविकों को अब मिसाइल और ड्रोन के खतरों, काम-काज पर लगी पाबंदियों और सुरक्षा सलाहों का सामना करना पड़ रहा है। इन चीजों ने तकनीकी तौर पर खुले होर्मुज स्ट्रेट से होने वाली आम यात्राओं को बेहद जोखिम भरी यात्राओं में बदल दिया है। एनयूएसआई के जनरल सेक्रेटरी सह कोषाध्यक्ष मिलिंद कंदलगांवकर ने बताया, नाविकों और उनके परिवारों के बीच घबराहट बढ़ती जा रही है। हमें परेशान रिश्तेदारों के लगातार फोन आ रहे हैं, जो पूछ रहे हैं कि क्या उनके परिवार के सदस्य सुरक्षित घर लौट पाएंगे। इन नाविकों के परिवार खबरों के अलर्ट, जहाजों की आवाजाही और संघर्ष से जुड़े अपडेट पर नजर रख रहे हैं। कई भारतीय नाविक विदेशी झंडे वाले जहाजों पर काम करते हैं, जहां जिम्मेदारी जहाज मालिकों, बीमा कंपनियों, संबंधित देशों और स्थानीय अधिकारियों के बीच बंटी होती है। सेना के जवानों के उलट, मर्चेंट नेवी के क्रू सदस्य आम नागरिक होते हैं, जो सीमित सुरक्षा के बावजूद वैश्विक व्यापार को सुचारू रूप से चलाने में मदद करते हैं।

इजरायली हमलों में 39 लोगों की मौत

बेरूत (वार्ता)। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजरायल द्वारा लेबनान में किए गए भीषण हमलों में 39 लोग मारे गए। यह जानकारी बीबीसी ने रविवार को दी। मंत्रालय ने कहा कि दक्षिणी शहर सकसाकियाह पर हुए एक इजरायली हमले में एक बच्चे सहित कम से कम सात लोग मारे गए। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि वह लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह को निशाना बना रहा था और निर्दोष नागरिकों को हुएनुकसान की रिपोर्टों से अवगत था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 16 अप्रैल को इजरायल और लेबनान की सरकारों के बीच युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद से इजरायली सेना और हिजबुल्लाह के बीच गोलीबारी जारी है।

सीएम मतलब कुरियर मैसेंजर : अखिलेश

लखनऊ, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में हुए मंत्रिपरिषद विस्तार को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला बोला है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि मंत्रिपरिषद विस्तार में मुख्यमंत्री की कोई भूमिका नहीं रह गई है और फैसले ऊपर से आने वाली पर्चियों के आधार पर हो रहे हैं। सपा प्रमुख ने व्यंग्य करते हुए लिखा, समय बिताने के लिए करना है कुछ काम! वैसे भी मंत्रिमंडल के विस्तार में तो इनका कोई काम है नहीं। उधर से पर्ची आएगी, यहाँ तो सिर्फ़ पढ़ी जाएगी। भाजपा राज में वैसे भी सीएम का मतलब बस यही रह गया है- कुरियर मैसेंजर।

ईरान की चेतावनी- यूएस के ठिकाने और जहाज निशाने पर

तेल अवीब

ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। आईआरजीसी के नौसेना कमांड ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अगर फारस की खाड़ी या होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों पर फिर हमला हुआ, तो अमेरिकी ठिकानों और सैन्य जहाजों पर भारी हमला किया जाएगा। इसके बाद आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने अलग पोस्ट में दावा किया कि हमारी मिसाइलें और ड्रोन पहले ही अमेरिकी ठिकानों और दुश्मन जहाजों पर लॉक हो चुके हैं और अब सिर्फ हमला करने के आदेश का इंतजार है। वहीं, वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने 14 पॉइंट वाला ड्राफ्ट तैयार किया है, जिस पर ईरान के जवाब का इंतजार है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने पहले पत्रकारों से बाद करते हुए कहा था कि शनिवार सुबह (भारतीय समयानुसार) तक जवाब मिलने की उम्मीद है। हालांकि, ईरान का जवाब अब तक नहीं आया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा है कि अमेरिकी प्रस्ताव अभी समीक्षा के दौर में है और सही समय पर इसका जवाब दिया जाएगा। हम अमेरिका की समय सीमा नहीं मानते। ईरान अपना काम अपने तरीके से करेगा। ईरान ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने फिर दखल दिया तो जंग दोबारा शुरू हो सकती है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

तमिलनाडु के नए 'थलापति' की पूरी कहानी

पहली फिल्म देखकर दर्शकों ने उड़ाया मजाक, फिर कैसे बने जननायक?

तमिल सिनेमा के सुपरस्टार विजय थलापति की जिंदगी किसी फिल्म की कहानी से कम रोचक नहीं है। बड़े पर्दे पर कई बार राजनेता बनकर आम लोगों का जीवन बदलने वाले विजय अब असल जिंदगी में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन गए हैं। विजय की तमिल फिल्में आम दक्षिण भारतीय फिल्मों जैसी नहीं होती हैं, इनमें नजर आने वाली कहानियां अलग और आम लोगों से जुड़ी रहती हैं। ऐसी फिल्मी बनाने की प्रेरणा कहीं ना कहीं विजय को अपने पिता से मिली है। उनके पिता एस.ए. चंद्रशेखर निर्देशक हैं। वहीं मां शोभा चंद्रशेखर प्लेबैक सिंगर हैं। माता-पिता का सिनेमा और संगीत से गहरा नाता है। विजय भी अभिनय करने के अलावा गायिकी का भी शौक रखते हैं। 22 जून 1974 को जन्मे विजय का असली नाम जोसेफ विजय चंद्रशेखर है। उन्होंने बतौर बाल कलाकार अपने करियर की शुरुआत की थी। विजय ने 1984 में पी.एस. वीरप्पा द्वारा निर्मित फिल्म वेट्री से चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर तमिल सिनेमा में कदम रखा। इसके बाद वह कुडुम्बम (1984), नान सिगप्पू मणिथन (1985), वसंत रागम (1986), सत्तम ओरु विलायाट्टू (1987) और इधु एंगळ नीति (1988) जैसी फिल्मों में बाल कलाकार के तौर पर नजर आए। इन सभी फिल्मों का डायेक्शन उनके पिता ने किया था। विजय बाल कलाकार के तौर पर अभिनय करते-करते एक मंझे हुए कलाकार बन चुके थे। 18 साल के होते हुए उन्होंने हीरो के तौर पर शुरुआत करने की सोची। विजय ने 1992 में फिल्म नालया थीरपू में पहली बार लीड रोल किया। मगर किस्मत ने साथ नहीं दिया, उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई। साथ ही विजय को उनके लुक के लिए भी काफी आलोचना झेलनी पड़ी। ऐसे में विजय के पिता ने अभिनेता विजयकांत के साथ विजय को लेकर एक फिल्म बनाई 'सेंथूरपांडी (1993)'। यह फिल्म हिट हुई और विजय की एक्टिंग की गाड़ी तमिल सिनेमा में चल पड़ी। अपने अब तक के करियर में विजय 69 फिल्में कर चुके हैं। राजनीतिक सफर शुरू करने से पहले उन्होंने एक फिल्म 'जन नायकन' की, जो अभिनेता की आखिरी फिल्म कही जा रही है। विजय थलापति ने 'थेरी, राजविन परवैयिले, मिन्सरा कन्ना, बीस्ट, शाहजहां जैसी हिट फिल्में की हैं। साल 2023 में उनकी फिल्म लियो ने कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। इसके अलावा 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' में भी उनके अभिनय को सराहा था। विजय की लगभग हर फिल्म बॉक्स ऑफिस हिट होती है। उनकी सफतला का ग्राफ शायद की कभी नीचे गया हो, यही वजह है कि वह एक फिल्म के 250 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं। वह सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेता हैं। विजय का पूरा नाम जोसेफ विजय है, लेकिन फैंस और अधिकतर जनता विजय थलापति के नाम से उन्हें जानती है। साल 1994 में विजय के पिता एसए चंद्रशेखर ने फिल्म बनाई 'रसिगन'। इसमें विजय लीड रोल में नजर आए। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही और इस फिल्म की सफलता ने ही विजय को इलाया थलापति यानी छोटा कमांडर बना दिया। इसके बाद साल 2017 में विजय के करियर में एक बार फिर ऐसा उछाल आया, जिसने उन्हें इलाया थलापति से थलापति बना दिया। दरअसल, साल 2017 में विजय ने डायरेक्टर एटली के साथ फिल्म बनाई 'मार्सल'। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा दिया। 'मार्सल' ने ही विजय को छोटा कमांडर यानी इलाया थलापति से थलापति यानी कमांडर विजय बना दिया। 'मार्सल' की सफलता के बाद से ही विजय को थलापति उपनाम दे दिया गया। विजय तमिलानाडु की राजनीति के नायक जरूर बन गए हैं, लेकिन उनकी आखिरी फिल्म 'जन नायकन' अब तक रिलीज नहीं हुई। यह फिल्म इस साल के शुरुआत में रिलीज होने थी लेकिन अब तक अटकी हुई है। पहले विजय थलापति की फिल्म 'जन नायकन' सेंसर से हरी झड़ी पाने का इंतजार करती रही, मामला कोर्ट तक भी पहुंचा था। हाल ही में यह ऑनलाइन भी लीक हो गई। समय-समय पर अलग-अलग कारणों से फिल्म का विरोध भी होता रहा। वैसे यह पहली बार नहीं है कि विजय की फिल्म विवादों में फंसी हो। 'जन नायकन' से पहले भी उनकी कुछ फिल्में विवाद में रह चुकी हैं। जैसे साल 2013 में रिलीज हुई विजय की फिल्म थलाइवा को लेकर खूब हंगामा हुआ। फिल्म की टैगलाइन टाइम टू लीड तत्कालीन मुख्यमंत्री जे. जयललिता की सरकार को कुछ अच्छी नहीं लगी। फिल्म बड़ी मुश्किल से रिलीज हुई थी। इसी तरह साल 2018 में थलापति विजय की फिल्म सरकार भी चर्चा में रही। इस फिल्म पर आरोप लगा कि इसमें सरकारी योजनाओं को गलत रूप से पेश किया गया है। राजनीतिक पार्टियों ने फिल्म का खूब विरोध किया। फिल्मों में छा जाने के बाद विजय ने तमिल राजनीति का भी थलापति बनने की सोची। फरवरी 2024 में वह राजनीति की दुनिया में आए। लोकसभा चुनावों से पहले उन्होंने आधिकारिक तौर पर अपनी पार्टी के नाम का एलान किया था। विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद यह पार्टी तमिलनाडु में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। फिल्मों और राजनीति के अलावा विजय अपने निजी जीवन को लेकर भी खबरों में रहे। विजय ने यूके की रहने वाली अपनी एक फैन से शादी की थी। इनकी शादी 25 अगस्त 1999 को हुई। हाल ही में विजय की पत्नी ने तलाक की याचिका दायर की है। दोनों अलगाव की राह पर बढ़ चुके हैं। इसकी वजह विजय का एक कथित अफेयर माना जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स में विजय और साउथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णनन के रिलेशनशिप में होने की बात कही जाती है। आज यानी 10 मई 2026 के लिए तमिल सिनेमा और राजनीति के लिए खास है। विजय थलापति तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन गए हैं।

विजय थलापति से जुड़ी खास बातें

- बड़े पर्दे पर दबंग नजर आने वाले विजय असल जिंदगी में बहुत शर्मीले हैं।
- विजय के पास विजुएल कम्यूनिकेशन में डिग्री है।
- विजय जन्मदिन पर बड़ी-बड़ी पार्टी नहीं करते हैं।
- फैंस को अपने जन्मदिन पर पौधे लगाने की सलाह देते हैं।
- विजय को गेमिंग में बहुत रुचि है। वह एक अच्छे गेमर भी हैं।

ई-विकास पोर्टल से किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा उर्वरक

खरीफ बोनी की तैयारी, खाद का पर्याप्त स्टाक

नरसिंहपुर ।स्वतंत्रमत।

खरीफ फसलों की बोनी को देखते हुए किसानों के लिए एक राहत भरी खबर है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उपसंचालक ने बताया कि बोनी की तैयारियों के मद्देनजर प्रदेश के साथ जिले में भी खाद का पर्याप्त स्टाक उपलब्ध करा दिया गया है। विषम वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारत सरकार ने उर्वरकों की आपूर्ति निरंतर और तय कार्यक्रम के अनुसार की जा रही है। वर्तमान स्थिति में जिले में 12829 मैट्रिक टन यूरिया, 1673 मैट्रिक टन डीएपी, 5537 मैट्रिक टन एनपीकेएस, 504 मैट्रिक टन एमओपी और 12045 मैट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) का सुरक्षित भंडारण किया जा चुका है। प्रदेश स्तर पर भी 6.40 लाख मैट्रिक टन यूरिया सहित अन्य उर्वरकों का पर्याप्त स्टाक मौजूद है।

प्रदेश में उपलब्ध यह खाद सोसायटीवार, मार्कफेड के डबल लाक केंद्रवार और निजी दुकानवार च्ई-विकास पोर्टलज् पर आनलाइन देखी जा सकती है।ई - विकास प्रणाली (ई-टोकन उर्वरक वितरण) अंतर्गत नरसिंहपुर जिले में 49 हजार 352 किसानों के द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया गया, जिसके अंतर्गत 1 अप्रैल 2026 से 17 हजार 852 किसानों द्वारा ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक क्रय किया गया है।कृषि विभाग के उपसंचालक कृषि ने जिले के सभी किसान से अनुरोध किया है कि वे अपनी फसल की आवश्यकतानुसार खाद को अपनी पसंद की सोसायटी या दुकान से ई-विकास पोर्टल के माध्यम से आसानी से बुक कर प्राप्त कर सकते हैं। इस पारदर्शी आनलाइन प्रणाली में राजस्व पट्टाधारी, वन पट्टाधारी, सिकमी किसान, शारीरिक रूप से अक्षम व वृद्ध किसान, मृतक किसान के स्वजन और धार्मिक संस्थान या ट्रस्ट की जमीन के लिए भी खाद उपलब्ध कराने की विशेष सुविधा दी गई है। किसान चाहें तो खरीफ फसलों के लिए अनुशंसित यूरिया, एसएसपी, एनपीके, डीएपी और पोटाश खाद की पूरी मात्रा एक बार में ही उठा सकते हैं। इसके अलावा, यदि किसान चाहें तो अपनी मर्जी और आवश्यकता के अनुसार पोर्टल पर प्रक्रिया का पालन करते हुए सुविधानुसार दोबारा भी खाद की बुकिंग कर सकते हैं। प्रशासन की इस व्यवस्था से किसानों को खाद के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा और बोनी का कार्य सुगमता से हो सकेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 13 मई को नरसिंहपुर जिले में कार्यक्रम प्रस्तावित

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर विधायक, कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने किया स्थल निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नरसिंहपुर के ग्राम मुंगवानी में 13 मई 2026 को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत कार्यक्रम प्रस्तावित है। उक्त कार्यक्रम की तैयारियों के लिए विधायक गोटेगांव श्री महेंद्र नागेश, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने शनिवार को संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कार्यक्रम के सुचारू क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने हेलिपैड, कार्यक्रम स्थल और पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान कानून व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, हेलीपैड एवं सुरक्षा बेरीकेटिंग व्यवस्था, सत्कार व्यवस्था, आवागम, परिवहन, पार्किंग, भोजन, विद्युत, ग्रीन रूम, चिकित्सा, फायर बिग्रेड व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई आदि व्यवस्था के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर सौंपी जिम्मेदारी

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नरसिंहपुर जिले के ग्राम मुंगवानी में 13 मई को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित होना प्रस्तावित है। उक्त कार्यक्रमों के सुचारू क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने अधिकारियों को कार्य/ दायित्व सौंपने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने सम्पूर्ण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन एवं आवश्यक समन्वय के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जारी आदेश के मुताबिक कानून व्यवस्था के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया, परिवहन व्यवस्था के लिए जिला परिवहन अधिकारी श्री रवि बरेलिया, हैलीपेड एवं सुरक्षा बेरीकेटिंग व्यवस्था के लिए कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग श्री अरविंद किटहा, काष्ट व्यवस्था के लिए अनुविभागीय वन अधिकारी नरसिंहपुर, विभागीय प्रदर्शनी एवं ब्राडिंग के लिए महाप्रबंधक उद्योग श्री पंकज पटेल, प्रतिभाओं का सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, डीपीसी जिला शिक्षा केन्द्र श्री मनीष चौकसे व सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग श्रीमती अंजना त्रिपाठी, पेयजल व्यवस्था के लिए कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री आरएस ठाकुर, सत्कार व्यवस्था के लिए जिला आबकारी अधिकारी श्री ब्रजेन्द्र कोरी, भोजन गुणवत्ता के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुश्री सारिका दुबे, विद्युत व्यवस्था के लिए अधीक्षण यंत्री विद्युत श्री एनके श्रीवास्तव व विद्युत सुरक्षा अधिकारी श्रीमती सुप्रिया गोहलानी, एम्बुलेंस एवं चिकित्सा व्यवस्था के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मिश्रा व सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार चौधरी, मंच एवं बैठक व्यवस्था के लिए अनुविभागीय राजस्व अधिकारी श्री मणिन्द्र सिंह, कार्यपालन यंत्री श्री अभिषेक ठाकुर, सहायक खनिज अधिकारी श्रीमती दीपा वालेवार, ग्रीन रूम के लिए जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी श्री देवेन्द्र खोबरिया, लोकार्पण के लिए कार्यपालन यंत्री श्री अभिषेक ठाकुर, व्हीआईपी भोजन व्यवस्था एवं परिचय पत्र के लिए जिला खनिज अधिकारी श्री ओपी बघेल, शौचालय, साफ-सफाई व्यवस्था के लिए परियोजना अधिकारी डूडा श्री नीलम चौहान, मीडिया प्रबंधन के लिए जिला जनसम्पर्क अधिकारी व सहायक प्रबंधक ई-गवर्नेंस श्री बृजकिशोर बादल, कन्या पूजन एवं अन्य पूजन के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री राधेश्याम बघेल, फूल माला व्यवस्था के लिए सहायक संचालक उद्यानिकी श्री दिनेश कोतू, मंच संचालन प्राचार्य उच्चतर माध्यमिक शाला मुराछ श्रीमती विभा दुबे व श्रीमती सुभावना पांडे एवं अन्य हैं।

नेशनल लोक अदालत में एक हजार 393 प्रकरणों का निराकरण किया गया

4 करोड़ 53 लाख रुपये से अधिक की राशि के अवार्ड पारित हुए

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अखिलेश शुक्ला ने शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर के एडीआर सेंटर में द्वितीय नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन कर किया। उन्होंने कहा कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण को दोनों पक्षकारों की जीत बताया। न्यायाधीशगणों एवं अधिवक्तागणों से आव्हान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों का निराकरण करें और इस नेशनल लोक अदालत को सफल बनाएं। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और जिला अभिभाषक संघ श्री मुकेश शर्मा ने भी नेशनल

लोक अदालत के अवसर पर आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित किया। साथ ही सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दिनेश मीणा ने नेशनल लोक अदालत के बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) श्री अमित रंजन समाधिया, कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्री विपिन कुमार लवानिया, जिला न्यायाधीशगण श्रीमती कीर्ति कश्यप, श्रीमती ज्योति मिश्रा, श्री आलोक मिश्रा, सीजेएम श्री राकेश सनोडिया, वरिष्ठ न्यायाधीश श्री धर्मेन्द्र नागवंशी एवं अन्य समस्त व्यवहार न्यायाधीश, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री राजेश सक्सेना, सचिव जिला अधिवक्ता संघ श्री सुलभ जैन, जिला अभियोजन अधिकारी श्री रामकुमार पटेल, लोक अभियोजक श्री धर्मेन्द्र ममार, चीफ लीगल एंड डिफेंस काउंसिल श्री विष्णु श्रीवास्तव, डिप्टी चीफ लीगल एंड डिफेंस काउंसिल श्री सुधीर दुबे, श्री प्रमोद काछी सहित असिस्टेंट लीगल एंड डिफेंस काउंसिल, सहायक अभियंता विद्युत विभाग श्री संदीप रघुवंशी, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्तागण, नगर पालिका व अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री राजेश सक्सेना ने व्यक्त किया। जिला मुख्यालय नरसिंहपुर के अलावा तहसील विधिक सेवा समितियों गाडरवारा, तेंदूखेडा एवं गोटेगांव में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिले में आयोजित नेशनल लोक अदालत में कुल 18 खंडपीठों का गठन किया गया था।

न्यायालय में लंबित कुल प्रकरणों में से 341 प्रकरणों का गठित खंडपीठों द्वारा पक्षकारों के आपसी राजीनामे एवं सहमति से निराकरण किया गया। इस दौरान 3 करोड़ 56 लाख 77 हजार 952 रुपये की अवार्ड राशि पारित किया गए। नेशनल लोक अदालत द्वारा बीएसएनएल, नगर पालिका, बैक एवं विद्युत विभाग आदि से संबंधित कुल एक हजार 52 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का भी निराकरण पक्षकारों के राजीनामे के माध्यम से किया गया। पक्षकारों से कुल 96 लाख 95 हजार 497 रुपये की प्रतिकर/ वसूली की राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार उक्त नेशनल लोक अदालत द्वारा कुल एक हजार 393 लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण के अधीन कुल 4 करोड़ 53 लाख 73 हजार 449 रुपये की अवार्ड/वसूली राशि प्राप्त हुई।

11 राजीनामा योग्य पारिवारिक प्रकरणों का निराकरण हुआ नेशनल लोक अदालत में कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्री विपिन कुमार लवानिया के द्वारा कुल 11 राजीनामा योग्य पारिवारिक प्रकरणों का निराकरण किया गया।

पीठासीन अधिकारी के विशेष प्रयासों से समझाईश पर 9 प्रकरणों में उभयपक्ष पुन: दांपत्य संबंधों की रक्षा करने व निर्वाहन करने के लिए वचनबद्ध हुए और राजीनामा सफल रहा। पति-पत्नी के रूप एक-दूसरे को फूलमाला पहनाकर व पौधे लेकर खुशी-खुशी अपने घर रवाना हुए।

मातृदिवस पर मरीजों को वितरित किया दूध

समिति को भेंट किए दो ऑक्सीजन सलेंडर

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

समाजसेवी संगठन श्री साईं श्रद्धा सेवा समिति विगत दशक से मातृ दिवस को हर्षोल्लास से मनाते आ रही हैं। इस वर्ष समिति द्वारा शासकीय सिविल अस्पताल में भर्ती मरीजों को दूध का वितरण किया गया। साथ ही समिति की जनहितैषी सक्रियता को देखते हुए प्रसिद्ध गल्ला व्यापारी सतीश राय

द्वारा अपनी माता स्वर्गीय लक्ष्मीबाई राय,पिता स्वर्गीय बालकिशन राय और भैया स्वर्गीय नारायण राय, भाभी स्वर्गीय रमा राय जी की स्मृति में दो ऑक्सीजन सलेंडर श्री साईं श्रद्धा सेवा समिति को पूजा अर्चना के उपरांत भेंट किए। इस मौके पर समिति द्वारा स्मृति चिन्ह एवं आभार पत्र प्रेषित कर उनका अभिवादन किया गया।

इस अवसर पर समिति संस्थापक आशीष राय,अध्यक्ष प्रदीप ब्रिजपुरिया,पूर्व प्राचार्य राजेश बरसैंया,संतोष तिवारी,रमाकांत गुप्ता,सतीश लवानिया,बबलू दवाईवाला,कमलेश सोनी,ललित कुर्मी,आकाश चौहान,चेतन विश्वकर्मा,प्रशांत सोनी,बंटी मेहरा इत्यादि सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

बंटू गुप्ता बने कांग्रेस नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार संगठन प्रभारी महासचिव संजय कामले की सहमति से नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष निशंक जेन ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पटेल की अनुशंसा से कांग्रेस के नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के नरसिहपुर जिला अध्यक्ष पद पर कांग्रेस के निष्ठावान सक्रिय नेता मुकेश गुप्ता बंटू की नियुक्ती की है उक्त नियुक्ति पर उनके शुभचिंतकों व कांग्रेसजनों ने अपनी बधाईया दी है ।

सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वों का भलीभांति निर्वहन करें : कलेक्टर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 13 मई को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत कार्यक्रम प्रस्तावित है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह उक्त कार्यक्रम की तैयारियों के लिए शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सुचारू रूप से क्रियान्वयन के लिए जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, वे सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कलेक्टर ने कानून व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, हैलीपेड एवं सुरक्षा बेरीकेटिंग व्यवस्था, काष्ट व्यवस्था, विभागीय प्रदर्शनी एवं ब्राडिंग, प्रतिभाओं का सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, पेयजल व्यवस्था, सत्कार व्यवस्था, भोजन गुणवत्ता, विद्युत व्यवस्था, मंच संचालन, हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त करने, हितलाभ वितरण और संचार आदि से संबंधित विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

जन अभियान परिषद् द्वारा एक दिवसीय व्याख्यानमाला एकात्म पर्व का किया आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जिला पंचायत सभागार उमरिया में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला उमरिया की जिला स्तरीय आचार्य शंकर के जीवन वृत्त पर आधारित एक दिवसीय व्याख्यानमाला 'एकात्म पर्व' का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मुख्य वक्ता अभय पाण्डेय, भीम सिंह डामोर संभाग समन्वयक शहडोल मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रविन्द्र कुमार शुक्ला, विकासखण्ड समन्वयक महेन्द्र सिंह तराम मानपुर, पुष्पा तेकाम पाली सहित नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि सीएमसीएलडीपी के छात्र मेंटर्स प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि सहित अन्य समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन संतोष त्रिपाठी एवं आभार प्रदर्शन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रविन्द्र कुमार शुक्ला ने किया।

इस अवसर पर समाज में उत्कृष्ट कार्य कर रहे समाज सेवियों को सम्मानित किया गया।जिला पंचायत उमरिया के सभागार में आचार्य शंकर पर आयोजित जिला स्तरीय व्याख्यानमाला में बोलते हुए श्री भंडारी जी ने कहा कि समाज में समरसता समानता और एकात्मता के लिए आदि गुरु शंकराचार्य के संदेश को घर-घर पहुंचाना आवश्यक है तभी हमारे देश में समदृष्टि और समभाव का वातावरण निर्मित होगा। सामाजिक विषमताओं का दौर सदैव से चलता रहा है समाज में विभिन्न मतों के माध्यम से अपने अपने संदेश दिए गए हैं उनमें कुछ संदेश समाज को विकास की ओर प्रगति की ओर लेकर जाने वाले भी रहे हैं तो कुछ संदेश ऐसे भी रहे हैं जिनसे समाज में विघटन की स्थिति बनी जातीय भेदभाव पनपा और सामाजिक विद्वेष बढ़ा ऐसी स्थिति में आचार्य शंकर ने समाज में समरसता समानता और एकात्मता के लिए अद्वैत मत को साकार किया। जिससे कि समाज में एकरूपता आ सके उनका यह कार्य संसार को एक सूत्र में पिरोने का था सही मायने में हमें उनके संदेश को आज घर-घर पहुंचाने की आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि श्री भीम सिंह डामोर संभाग समन्वयक शहडोल ने कहा सही मायने में सामाजिक समरसता के पुरोधा थे आचार्य शंकर वह ऐसे समय पर इस धरती पर प्रकट हुए जब देश में स्थितियां धर्म के प्रति प्रतिकूल थे विभिन्न मतों संप्रदायों संगठनों जातियों में देश बटा हुआ था और लोगों में धर्म के प्रति अरुचि तथा व्यभिचार बढ़ रहा था ऐसे में उन्होंने चारों मठों की स्थापना करके देश को एक नया मत दिया और समाज को सही दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर उमरिया के समाज सेवियों का भोपाल में हुआ सम्मान

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में उमरिया जिले के समाजसेवी व्यक्तित्वों एवं सामाजिक संस्थाओं को उनके उत्कृष्ट एवं जनहितकारी कार्यों के लिए माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से पूरे जिले में गौरव एवं उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ है। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, मध्यप्रदेश राज्य शाखा भोपाल द्वारा आयोजित इस भव्य समारोह में प्रदेशभर से उन समाजसेवियों एवं संस्थाओं का चयन किया गया जिन्होंने स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान, सामाजिक जागरूकता एवं मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इसी क्रम में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी शाखा उमरिया द्वारा जिले के उत्कृष्ट समाजसेवियों

एवं संस्थाओं के नाम राज्य शाखा को प्रस्तावित किए गए थे, जिनका चयन राज्य स्तरीय सम्मान हेतु किया गया।

इसके साथ ही जिले की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था च्प्रयासम फाउंडेशनज् को भी समाज एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष श्री राकेश शर्मा जी एवं सचिव श्री राकेश सोनी जी के नेतृत्व में संस्था द्वारा जिले में निरंतर सामाजिक एवं पर्यावरणीय गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। भोपाल में आयोजित इस सम्मान समारोह में उमरिया जिले की उपलब्धि को जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया जा रहा है। जिले के समाजसेवियों एवं संस्थाओं को महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित किया जाना पूरे जिले के लिए सम्मान एवं प्रेरणा का विषय बन गया है। इससे सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं एवं संगठनों को नई ऊर्जा एवं प्रेरणा प्राप्त होगी। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी शाखा मध्य प्रदेश जूनियर रेड क्रॉस के अध्यक्ष मान सिंह एवं उमरिया जिला रेडक्रॉस की अध्यक्ष राखी सहाय सचिव राकेश शर्मा सभापति अखिलेश त्रिपाठी सहित समस्त पदाधिकारियों ने सम्मान प्राप्त करने वाले सभी समाजसेवियों एवं संस्थाओं को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस का मूल उद्देश्य मानवता की सेवा करना है और जिले के समाजसेवी इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए निरंतर समाजहित में कार्य कर रहे हैं। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि रेडक्रॉस सप्ताह के अंतर्गत जिलो में स्वास्थ्य, स्वच्छता, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण एवं जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा एवं जागरूकता का संदेश पहुंचाया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में समाज सेवा केवल दायित्व नहीं बल्कि मानवता के प्रति संवेदनशीलता का प्रतीक है। ऐसे में जो व्यक्ति एवं संस्थाएं निस्वार्थ भाव से समाज एवं जरूरतमंदों की सेवा में लगी हुई हैं, वे वास्तव में समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी सम्मानित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए यह संदेश दिया गया कि च्मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म हैज् तथा प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्तर पर समाजहित एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

चुनौतियों को पार कर युवा पत्रकारों को दिशा देने वाले वरिष्ठ पत्रकारों का अभिनंदन

कलेक्टर, एसपी समेत अन्य अतिथियों ने वरिष्ठ पत्रकारों के योगदान को सराहा

यादगार बना वाइस ऑफ मीडिया कटनी का सम्मान समारोह

कटनी (स्वतंत्रमत)। अंतरराष्ट्रीय पत्रकार संगठन वॉइस ऑफ मीडिया कटनी द्वारा होटल उर्वशी में वरिष्ठ पत्रकार सम्मान समारोह का गरिमामयी एवं भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले की पत्रकारिता को नई दिशा देने वाले वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान कर उनके योगदान की सराहना की गई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कटनी जिले के कलेक्टर आशीष तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, एडिशनल एसपी डॉ. संतोष डेहरिया एवं वाइस ऑफ मीडिया के प्रदेश अध्यक्ष दीपक शर्मा की मौजूदगी रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मंचासीन अतिथियों का स्वागत वॉइस ऑफ मीडिया के जिलाध्यक्ष शैलेष पाठक, महासचिव अशोक वर्मा, उपाध्यक्ष संजय गुप्ता एवं सह सचिव कमलेश तिवारी ने पुष्पहार अर्पित कर किया। इसके उपरांत जिले की पत्रकारिता के पुरोधाओं को सम्मानित करने का सिलसिला प्रारंभ हुआ। संगठन द्वारा वरिष्ठ पत्रकार कृष्णकांत अग्निहोत्री भोला बाबू का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। इसी क्रम में वरिष्ठ पत्रकार श्याम गौर, वरिष्ठ पत्रकार एवं जनकवि सुरेश सोनी ऋतुराज, वरिष्ठ पत्रकार शशसंतोष दुबे, वरिष्ठ पत्रकार लालजी शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार अशोक पृथ्यानी के प्रतिनिधि के तौर पर उपस्थित उनके बेटे घनश्याम पृथ्यानी का अभिनंदन किया गया। अतिथियों ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण होती है। कटनी जिले के वरिष्ठ पत्रकारों ने युवा पत्रकार साथियों के समक्ष जो आदर्श स्थापित किया है, वह चुनौतियों से भरे इस क्षेत्र में उनका मार्ग प्रशस्त करेगा। समारोह में मौजूद जनसंपर्क अधिकारी मनोज श्रीवास्तव का सम्मान संगठन के सदस्यों द्वारा किया गया। समाजसेवी अजय सरावगी को मंच पर समाज सेवा में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। पत्रकारिता के दायित्व निर्वहन के साथ किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य के बतौर अपनी सेवाएं देने वाले आरबी गुप्ता का सम्मान भी माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन यशभारत के स्थानीय संपादक आशीष सोनी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन वाइस ऑफ मीडिया के जिलाध्यक्ष शैलेष पाठक ने किया। कार्यक्रम का समापन स्नेहभोज के साथ हुआ।

मीडिया समाज और प्रशासन के बीच मजबूत कड़ी: कलेक्टर

मुख्य अतिथि कलेक्टर आशीष तिवारी ने कहा कि मीडिया समाज और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाता है। कई बार आमजन की समस्याएं प्रशासन तक सीधे नहीं पहुंच पातीं, ऐसे में मीडिया उन्हें प्रमुखता से उठाकर प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ है और समाज को सकारात्मक दिशा देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कलेक्टर ने आयोजन के लिए वॉइस ऑफ मीडिया को शुभकामनाएं भी दीं।

संवेदनशील मुद्दों पर सकारात्मक भूमिका निभा रहे पत्रकार: एसपी

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने कहा कि कटनी के पत्रकार जागरूक होने के साथ-साथ संवेदनशील मुद्दों पर भी सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कार्य करते हैं। पत्रकारों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर पुलिस प्रशासन कई विषयों पर समय रहते सुधारात्मक कदम उठा पाता है। उन्होंने कहा कि समाचारों की प्रतिस्पर्धा के बावजूद जिले के पत्रकारों में आपसी एकजुटता सराहनीय है। एसपी ने कहा कि वर्तमान समय एआई तकनीक का है और पत्रकारिता में इसका उपयोग बढ़ रहा है, लेकिन तथ्यों की प्रमाणिकता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

पत्रकारों के हित में निरंतर कार्यरत है संगठन: दीपक शर्मा

समारोह में वॉइस ऑफ मीडिया के प्रदेशाध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि यह संगठन पत्रकारों के हित, सुरक्षा और कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि संगठन की शाखाएं 155 देशों में संचालित हैं और पत्रकारों की समस्याओं के निराकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पत्रकारों को पूर्व में मिलने वाली कई सुविधाओं पर रोक लगी है, जिसके संबंध में मध्यप्रदेश से पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही केंद्र सरकार से मुलाकात कर अपनी मांगें रखेगा।

परस्पर सम्मान की अदभुत मिसाल

इस बेजोड़ आयोजन में पत्रकार साथियों ने परस्पर एक दूसरे का अभिनंदन कर पत्रकार एकता और सदभाव की अदभुत मिसाल पेश की। जिले में कार्यरत समस्त पत्रकार संगठनों के प्रतिनिधियों का भी इस मौके पर सम्मान किया गया। वाइस ऑफ मीडिया के साथियों की लगन और मेहनत के साथ सभी पत्रकार साथियों की आत्मीय उपस्थिति से यह कार्यक्रम यादगार बन गया। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार संजय जैन, श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र राजपूत, जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष विवेक शुक्ला, अमर ताम्रकार, आशुतोष शुक्ला, संजय अग्रवाल, वंदना तिवारी, अश्विनी बडगैयां, प्रेम सिंह, आशीष रैकवार, संजय खरे, संजय शर्मा, जाहिद हुसैन सिद्दीकी, असलम खान, भवानी तिवारी, विकास बर्मन, सुनील यादव, शिव प्रताप सिंह, बाल्मीक पांडे, रवि पांडे, अमित यादव, मनीष गुप्ता, अंकुश रजक, तपन निषाद, राहुल उपाध्याय, अनंत चतुर्वेदी, विजय उपाध्याय, सुनील यादव, मुरली पृथ्यानी, श्याम प्रत्यानी, संदीप शर्मा, सचिन तिवारी, प्रवीण पाराशर, नारायण गुप्ता, अंकुश रजक, राहुल उपाध्याय, नवनीत गुप्ता, रोहित सेन, अनंत गुप्ता, आरती शुक्ला, योगेश खरे, यश खरे, शकील अहमद, अभिषेक तिवारी, राहुल उपाध्याय, राजेश चौहान, जितेंद्र दुबे, मनोज चौहान, बबलू खान, जितेन्द्र द्विवेदी, राजू दासवानी, रवि गुप्ता की उपस्थिति रही।

रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए कटनी पुलिस का मास्टर प्लान

कटनी (स्वतंत्रमत)।

रेल यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेनों में बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कटनी पुलिस अब एक्शन मोड में है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के नेतृत्व में पुलिस कंट्रोल रूम कटनी में जीआरपी राजकीय रेलवे पुलिस और आरपीएफ रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने रेलवे स्टेशनों, आउटर क्षेत्रों, शैडो एरिया और रेल लाइनों के पास स्थित झुग्गी बस्तियों में सक्रिय गिरोहों पर नकेल कसने के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए। डाटा एनालिसिस: किन ट्रेनों में और किस समय वारदातें अधिक हो रही हैं, उनका सटीक डाटा जुटाकर अपराधियों को चिन्हित किया जाएगा। वेंडरों की निगरानी: ट्रेनों में सामान बेचने वाले वेंडरों के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच होगी और उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। रिकवरी पर जोर: चोरी के जेवर और सामान खरीदने वाले गिरोहों और ठिकानों की जानकारी जुटाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हेल्पलाइन का उपयोग: रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर प्राप्त शिकायतों का विश्लेषण कर अपराधियों के मूवमेंट को ट्रैक किया जाएगा। ट्रेनों में अपराध रोकने के लिए सभी पुलिस एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ काम करना होगा। जिला पुलिस इस कार्य में जीआरपी और आरपीएफ को हर संभव तकनीकी और मैदानी सहयोग प्रदान करेगी। अभिनय विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक, कटनी एरिया मैनेजर रेल रोहित की उपस्थिति में हुई इस बैठक में तय किया गया कि अपराधों की रोकथाम के लिए की गई कार्रवाई की हर महीने समीक्षा की जाएगी। चिन्हित हॉटस्पॉट्स अपराध वाले स्थानों पर सघन नाकाबंदी और गश्त बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक में जीआरपी एडिशनल एसपी, डीएसपी जीआरपी विजय गठौरिया, थाना प्रभारी जीआरपी, थाना प्रभारी आरपीएफ वीरेंद्र सिंह, कोतवाली टीआई राखी पांडे, कुठला थाना प्रभारी राजेंद्र मिश्रा, माधव नगर थाना प्रभारी संजय दुबे, एनकेजे थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत, खिरहनी चौकी प्रभारी किशोर द्विवेदी एवं निवास चौकी प्रभारी अंजनी मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एसपी ने ली जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त बैठक

नगर परिषद की कैमोर की अभिनव पहल

नगर प्रवेश मार्ग पर बना आकर्षक आर.आर.आर सेंटर

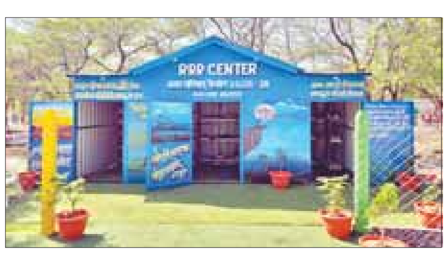

बैकलैन एवं सकरी गलियों का हुआ कायाकल्प

कटनी (स्वतंत्र मत)। नगर परिषद कैमोर द्वारा स्वच्छता एवं नगर सौंदर्यीकरण को लेकर निरंतर नवाचारपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर के मुख्य प्रवेश मार्ग पर नव निर्मित आर.आर.आर. (रेड्यूस, रियूज, रिसायकल) सेंटर विकसित किया गया है, जो वर्तमान में नगरवासियों एवं राहगीरों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। क्षेत्र के निर्माण एवं विकास की नींव विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से नगर में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं जनहित से जुड़े विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। उनके सतत सहयोग से नगर परिषद द्वारा नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने हेतु अभिनव पहलें की जा रही हैं। नगर परिषद अध्यक्ष पलक नमित ग्रोवर ने कहा कि परिषद द्वारा नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने हेतु लगातार विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य कराए जा रहे हैं। नगर के प्रवेश मार्ग पर निर्मित आर.आर.आर. सेंटर नगर की नई पहचान के रूप में विकसित हो रहा है। वहीं नगर परिषद उपाध्यक्ष संतोष केवट ने बताया कि परिषद द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में चरणबद्ध रूप से स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे नगर का समग्र वातावरण बेहतर एवं आकर्षक बन रहा है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी मनीष परते के निर्देशन में तैयार किए गए इस आर.आर.आर. सेंटर का उद्देश्य अनुपयोगी वस्तुओं के पुनः उपयोग को बढ़ावा देना एवं नागरिकों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। परिषद द्वारा सेंटर को आकर्षक रंग-रोगन, स्वच्छ परिसर एवं रचनात्मक सज्जा के माध्यम से सुंदर स्वरूप प्रदान किया गया है, जिससे नगर की सकारात्मक छवि उभरकर सामने आ रही है। इसके साथ ही परिषद द्वारा नगर की बैकलैन एवं सकरी गलियों का भी व्यापक रूपांतरण किया गया है। पूर्व में उपेक्षित एवं अव्यवस्थित रहने वाले इन क्षेत्रों में अब नियमित साफ-सफाई, रंगीन पेंटिंग, दीवार सज्जा एवं प्रकाश व्यवस्था के माध्यम से नया स्वरूप दिखाई दे रहा है।

बरही रोड स्थित अग्रवाल मोबाइल दुकान को चोरों ने बनाया निशाना

करीब 5 लाख रुपए के मोबाइल फोन चोरी

कटनी (स्वतंत्रमत)। कोतवाली थाना क्षेत्र में चोरों ने तड़के सुबह बड़ी वारदात को अंजाम दिया। बरही रोड स्थित अग्रवाल मोबाइल दुकान से अज्ञात बदमाश करीब 50 महंगे मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस जांच में जुट गई है। बता दे कि शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बरही रोड स्थित अग्रवाल मोबाइल दुकान में तड़के सुबह चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। जानकारी के मुताबिक अज्ञात चोर दुकान में घुसे और काउंटर में रखे करीब 50 नए मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। बताया जा रहा है कि 6 कर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुए हैं चोरी गए मोबाइल अलग-अलग कंपनियों के महंगे स्मार्टफोन थे, जिनकी कीमत लगभग 5 लाख रुपए बताई जा रही है। चोर मोबाइल के नए डब्बे खोलकर फोन अपने साथ ले गए और मौके से फरार हो गए। घटना सुबह करीब 4 बजे के आसपास की बताई जा रही है। दुकान संचालक प्रफुल्ल अग्रवाल को जब चोरी की जानकारी मिली तो वे तुरंत कोतवाली थाना पहुंचे और मामले की शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है। वहीं शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में इस तरह की चोरी की घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि पुलिस इन शातिर चोरों तक कब तक पहुंच पाती है।

आयोग के सचिव ने सिखाए स्ट्रेस रिलीफ के गुर

प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की तहसील स्तरीय बैठक में जानी कर्मचरियों की समस्याएं

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सचिव एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अक्षय कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रशासनिक सुधार एवं सुदृढीकरण के लिए तहसील स्तरीय बैठक का आयोजन नवीन संयुक्त तहसील कटनी के सभाकक्ष में किया गया। सचिव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यह बैठक पूर्णतः औपचारिक हैं, मैं यहां आपसे कोई समीक्षा नहीं कर रहा, बल्कि आपकी बेहतर कार्यक्षमता, प्रशासनिक सुधार आदि के संबंध में आपसे चर्चा करने आया हूँ। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी ने उपस्थित सभी विभागों के प्रतिनिधियों से वन टू वन चर्चा की एवं अधिकारियों-कर्मचारियों से उनके कार्य दायित्वों के निर्वहन में आने वाली समस्याओं एवं सकारात्मक सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को वर्क लाइफ मैनेजमेंट एवं स्ट्रेस रिलीफ वर्क कल्चर की समझाइश देते हुये पदीय दायित्वों का पूर्ण ईमानदारी से निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। सचिव द्वारा समस्त विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों से प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार संबंधी सुझाव भी मांगे और कहा कि मैं आपके सुझावों और समस्याओं को आयोग के समक्ष रखूंगा।

बैठक में एसडीएम प्रमोद चतुर्वेदी, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विमल चौरसिया, अजीत तिवारी तहसीलदार कटनी नगर, अतुलेश सिंह बघेल प्रभारी तहसीलदार कटनी ग्रामीण, आकाश नीरज प्रभारी तहसीलदार, अवंतिका तिवारी प्रभारी तहसीलदार, साक्षी शुक्ला नायब तहसीलदार कटनी नगर, सीईओ जनपद पंचायत प्रदीप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं विभागों से आये प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

गंगा घाट तलैया में की गई सफाई और जल संरक्षण का दिलाया शपथ

कटनी (स्वतंत्र मत)। नवांकुर संस्था मानव जीवन विकास समिति सचिव एवं पर्यावरणविद निर्भय सिंह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद ब्लॉक बड़वारा, सेक्टर क्र. 04 बसाडी अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मिडरा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जलस्त्रोत गंगा घाट तलैया मिडरा में साफ-सफाई कर जल संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस दरमियान ब्लॉक समन्वयक नंदनी वाटिया, प्रस्फुटन समिति सदस्य, परामर्शदाता धनीराम कुशवाहा एवं प्रियंका रजक, सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की छात्रा प्रिया सिंह, नवांकुर संस्था मानव जीवन विकास समिति से सेक्टर प्रभारी गुलशन सिंह एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रभारी मंत्री ने मसुरहा घाट में श्रमदान कर दिया जल संरक्षण का संदेश

प्रभारी मंत्री मसुरहा घाट में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यक्रम में हुए शामिल

कटनी को स्वच्छ बनाने समाज की सहभागिता जरूरी-प्रभारी मंत्री श्री सिंह

गंदे पानी को साफकरने के लिये नव निर्मित एसटीपी प्लांट का किया निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)।

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री और कटनी जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने शनिवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मसुरहा घाट में जलकुंभी निकालने के कार्य में श्रमदान कर कटनीवासियों को जल संरचनायें सहेजने का संदेश दिया। उन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत कटनी शहर को स्वच्छता के मामले में अग्रणी बनाने के लिए नागरिकों और समाज के सभी वर्गों से सक्रिय भागीदारी और सहयोग की अपील की। प्रभारी मंत्री ने यहां 6 करोड़ की लागत से निर्मित एसटीपी प्लांट का भी निरीक्षण किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान और स्वच्छ सर्वेक्षण जैसे कार्यक्रमों में शासन, प्रशासन के साथ समाज को भी आगे आना होगा। उन्होंने मसुरहा घाट में श्रमदान कार्य में छात्रों, युवाओं एवं शहरवासियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए जा रहे सहयोग पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सभी की ऐसी ही उत्साहपूर्वक भागीदारी से कटनी शहर स्वच्छता में अग्रणी बनेगा। उन्होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर आयोजित स्वच्छता अभियान को लेकर बच्चों में जागरूकता की प्रशंसा की तथा प्रदेश के सबसे स्वच्छ इंदौर शहर का उदाहरण देते हुए कटनी वासियों से स्वच्छता को जीवन शैली में अपनाने की बात कही। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन सहयोग से जल संरक्षण के नए-नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि कटनी के नदी ओर तालाबों की साफ-सफाई करने के लिए अत्याधुनिक ट्रैश क्लीनर मशीन खरीदी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह हम सबका कर्तव्य है कि मसुरहा घाट में कटनी नदी की धारा अविरल बनी रहे। नदी से क्षेत्र की पहचान होती है, इसे बचाकर आप अपने क्षेत्र की पहचान को समृद्ध करेंगे। उन्होंने कहा कि सुरक्षित भविष्य के लिए जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करना हमारा परम कर्तव्य है।

जल गंगा संवर्धन अभियान आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित रखने का संकल्प

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित रखने का संकल्प है। अभियान के तहत निगम प्रशासन द्वारा कुओं की सफाई, नदी सफाई, सोक पिट निर्माण, नदी तालाबों की सफाई की जा रही है। जिसके तहत कटाए घाट में लगभग 480 मीटर नदी की सफाई पूर्ण की जा चुकी है। जो आगे भी अनवरत जारी रहेगी, वही अमृत योजना के तहत सीवरेज और जल प्रदाय के कार्यों को मजबूती प्रदान की जा रही है। महापौर ने अपने उद्बोधन के माध्यम से उपस्थित नागरिकों से अभियान को जन अभियान का स्वरूप प्रदान करने का आग्रह भी किया। वही निगमायुक्त तपस्या परिहार ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए निगम प्रशासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत निगम प्रशासन द्वारा आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए वर्षा पूर्व संपूर्ण कटनी की सफाई का कार्य पूर्ण करने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण में कटनी नगर को शिखर पर पहुंचाने के भरसक प्रयास किए जाने की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिक निगम कटनी द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत नगर में आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी से आमजनों को अवगत कराते हुए जल संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ ली गई।

धर्मशाला में होगी 'कुल्चा' की वापसी?

आज दिल्ली कैपिटल्स का पंजाब किंग्स से होगा सामना

धर्मशाला (वार्ता)।

आईपीएल 2026 में सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का सामना पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) से धर्मशाला में होगा। यह इस सीजन धर्मशाला का पहला मैच है, जो कि पीबीकेएस का दूसरा घरेलू मैदान है। दोनों टीमें हार से इस मैच में उतर रही हैं। जहां पहले सात मैचों में अजेय रहने वाली पीबीकेएस को लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, वहीं डीसी भी अपने घरेलू मैदान दिल्ली से लगातार दो मैचों में हार कर आ रही है। हालांकि पीबीकेएस 10 मैचों में छह जीत के साथ अंक तालिका में अभी भी तीसरे स्थान पर मज़बूती से बनी हुई है, वहीं 11 मैचों में सात में हार का सामना कर चुकी डीसी के लिए यह करो या मरो का मुक़ाबला होगा। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 35 मैचों में बहुत ही कांटे का मुक़ाबला रहा है, जिसमें पीबीकेएस ने 18 जबकि डीसी ने 17 मैच जीते हैं। धर्मशाला में हुए दोनों टीमों के बीच चार मैचों में भी मुक़ाबला बराबरी का रहा है और दोनों टीमों ने दो-दो मैच जीते हैं। 2023 से धर्मशाला में हुए पांच मुक़ाबलों में चार में पहले बल्लेबाज़ी करने वाली टीम जीती है, जहां पहली पारी का औसत स्कोर 209/6 है। ऐसे में कोई भी टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 200 का स्कोर खड़ा करना चाहेगी। आइए डालते हैं इस मैच के कुछ प्रमुख आंकड़ों पर एक नजर।

डीसी के लिए क्या अर्शदीप बनेंगे बाधा?

डीसी के सलामी बल्लेबाज़ों केएल राहुल और पथुम निसंका ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। उनके प्रदर्शन में निरंतरता तो नहीं है, लेकिन ये दोनों ही डीसी के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं। वहीं पीबीकेएस के स्ट्राइक गेंदबाज़ अर्शदीप सिंह ने इस सीज़न निराश किया है। उनके नाम 10 मैचों में सिर्फ़ 11 विकेट हैं, जबकि वह 10.42 की इकॉनमी से रन दे रहे हैं। पिछले पांच मैचों में चार में उन्होंने 40 से अधिक रन दिए हैं, जिसमें राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ़ मैच में तो उन्होंने चार ओवरों में 68 रन दे दिए थे। हालांकि डीसी के खिलाफ़ भी इस रन लीक पर लगाम लगने की संभावना कम ही है। राहुल और निसंका को उन्होंने दो-दो बार आउट तो किया है, लेकिन दोनों उन पर क्रमश: 169 और 172 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। डेविड मिलर भी उनका दो बार शिकार हो चुके हैं, लेकिन मिलर भी उन पर 156 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

क्या चहल की होगी फॉर्म वापसी?

अर्शदीप की तरह पीबीकेएस के एक और भारतीय स्टार गेंदबाज़ युज़वेंद्र चहल ने भी निराश किया है। नौ में से चार पारियों में उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला है, जबकि उन्होंने 9.53 की महंगी इकॉनमी रेट से रन देते हुए 35.75 की ऊंची औसत से सिर्फ़ आठ विकेट लिए हैं। हालांकि इस मैच में वह फ़ॉर्म में वापस आ सकते हैं। उन्होंने विपक्षी कप्तान अक्षर पटेल और विपक्षी फ़िनिशर मिलर को तीन-तीन बार आउट किया है, हालांकि मिलर उन पर 184 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। यूं तो बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों के लिए लेग स्पिनर एक अच्छा मैच-अप नहीं माना जाता, लेकिन चहल, पटेल के अलावा डीसी के बाएं हाथ के मध्य क्रम के बल्लेबाज़ नीतीश राणा को छह आईपीएल पारियों में आउट कर चुके हैं। इस दौरान राणा ने उन पर सिर्फ़ 120 के स्ट्राइक रेट से रन बनाया है।

कुलदीप आ सकते हैं लय में वापस

चहल की तरह उनके कुल्चा साथी कुलदीप यादव ने भी अब तक निराश किया है और उनके नाम इस सीज़न 50.28 की ऊंची औसत और 10.66 की महंगी इकॉनमी से 10 पारियों में सिर्फ़ सात विकेट हैं। हालांकि पीबीकेएस के खि़लाफ़ मैच में उनकी लय वापसी हो सकती है। अच्छे फ़ॉर्म में चल रहे पीबीकेएस के सलामी बल्लेबाज़ प्रभसिमरन सिंह को वह चार पारियों में दो बार आउट कर चुके हैं, हालांकि प्रभसिमरन भी उन पर 168 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। वह विपक्षी कप्तान श्रेयस अय्यर को भी नौ पारियों में तीन बार आउट कर चुके हैं, हालांकि अय्यर भी उन पर 178 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

नीरू और विवान ने ट्रैप मिक्स्ड टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता

अल्माटी (वार्ता)।

नीरू ढांडा और विवान कपूर की जोड़ी ने रविवार को ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता। इस जीत के साथ ही भारत ने कजाकिस्तान के अल्माटी में आयोजित इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप शॉटगन का शानदार समापन किया। फाइनल में नीरू और विवान ने पहले 30 टारगेट में से 24 पर निशाना साधा। हालांकि, वे इटली की शीर्ष जोड़ी सिल्वाना स्टांको और मौरो डी फिलिपिस के बराबर ही रहे, लेकिन क्वालिफिकेशन राउंड में इटली की रजत पदक विजेता जोड़ी से दूसरे स्थान पर रहने के कारण उन्हें बेहतर पदक से संतोष करना पड़ा। चीनी ताइपे के कुन-पी यांग और वान-यू लियू ने फाइनल में 36 के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना दूसरा वर्ल्ड कप स्वर्ण पदक जीता। विवान और नीरू ने क्वालिफिकेशन राउंड में 143 का स्कोर किया था। वे पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता सिल्वाना और इस इवेंट के पूर्व विश्व चैंपियन मौरो से सिर्फ दो अंक पीछे रहे। दोनों ने तीसरे राउंड में 25-25 का परफेक्ट स्कोर किया, जिससे फाइनल में उनकी जगह पक्की हो गई। विवान ने अपने कुल 75 टारगेट में से सिर्फ दो पर निशाना चूकने दिया। टीम के अन्य सदस्य अहवर रिज़वी और प्रगति दुबे ने 130 का स्कोर किया और 31 टीमों की इस प्रतियोगिता में 23वें स्थान पर रहे। निर्णायक दौर के पहले 10 टारगेट के बाद, कुन और वान की जोड़ी परफेक्ट स्कोर के साथ सबसे आगे चल रही थी। नीरू ने अपना तीसरा टारगेट मिस कर दिया, जिससे भारत दूसरे स्थान पर खिसक गया; हालांकि, विवान ने अपने सभी पांचों टारगेट पर सटीक निशाना साधकर क्वालिफिकेशन राउंड वाली अपनी बेहतरीन लय को बरकरार रखा।

इटली और चीन की टीमें तीसरे स्थान के लिए संघर्ष कर रही थीं, क्योंकि दोनों ने अपने पहले 10 टारगेट में से पांच पर निशाना साधा था। 20 टारगेट पूरे होने के बाद इटली की टीम एक हिट की बढ़त के साथ इस मुकाबले में आगे निकल गई। वहीं, चीनी ताइपे की टीम ने भारत पर अपनी बढ़त दो अंकों तक बढ़ा ली, क्योंकि नीरू ने दो और टारगेट मिस कर दिए थे। इसके बाद इटली की टीम ने तीसरे राउंड में अपनी शानदार काबिलियत का प्रदर्शन किया और एक भी टारगेट मिस नहीं किया।

दूसरी ओर, विवान ने फाइनल राउंड में अपने 13वें शॉट पर पहली बार निशाना चूका। अंत में, दोनों जोड़ियों का स्कोर बराबर रहा, लेकिन क्वालिफिकेशन राउंड में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर इटली की टीम को बढ़त मिली। ओलंपिक इवेंट में नीरू और विवान के लिए यह आईएसएसएफ विश्व कप का पहला मेडल था, जो कि एक सराहनीय उपलब्धि है; साथ ही, पिछले साल इस इवेंट के ओलंपिक इवेंट बनने के बाद से भारत का यह दूसरा मेडल है।

एकेएल के आधिकारिक प्रसारण का साझेदार बना सोनी स्पोर्ट्स

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय खेल जगत में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए एकेएल लीग के आधिकारिक लॉन्च और सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ प्रसारण साझेदारी की घोषणा की है। कबड्डी को नई पहचान देने और सीमाओं से परे ले जाने के विजन के साथ शुरू हुई एकेएल ने पिछले कई महीनों में देशभर में अभियान, खिलाड़ी खोज पहल, सामुदायिक कार्यक्रमों और ओपन ट्रायल्स के माध्यम से मजबूत आधार तैयार किया है। खिलाड़ियों, प्रशंसकों और स्थानीय समुदायों से मिले जबरदस्त समर्थन ने यह साबित किया है कि देश में कबड्डी के प्रति गहरा जुनून है और ऐसी लीग की आवश्यकता है। एकेएल की यात्रा केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है।

डॉक्टर्स इलेवन ने जीता 11वीं यमुना ट्रॉफी का खिताब

नई दिल्ली (वार्ता)। डॉक्टर्स इलेवन ने मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन इलेवन को हराकर 11वीं यमुना ट्रॉफी 2026 का खिताब अपने नाम किया। अमावस्या फाउंडेशन एवं इंडियन मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 11वीं यमुना ट्रॉफी 2026 का भव्य फाइनल मुकाबला सीडब्ल्यूजी क्रिकेट ग्राउंड, अक्षरधाम में डॉक्टर्स इलेवन के कप्तान राहुल लाल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 181 रन बनाए और जवाब में मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन इलेवन की टीम संघर्षपूर्ण प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 176 रन ही बना सकी। डॉक्टर्स इलेवन ने रोमांचक मुकाबला जीतकर 11वीं यमुना ट्रॉफी 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया।

ईरान ने विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए मांगी गारंटी

तेहरान (वार्ता)।

ईरान ने संकेत दिया है कि वह इस गर्मी में होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा, लेकिन टीम के हिस्सा लेने को लेकर बढ़ते तनाव के बीच उसने फीफा और टूर्नामेंट के मेज़बानों से कई तरह की गारंटी की मांग की है। ईरानी फुटबॉल फेडरेशन ने कहा कि ईरान टूर्नामेंट में अपनी मान्यताओं, संस्कृति और सिद्धांतों से बिना किसी समझौते के मुकाबला करेगा, साथ ही इस बात पर भी ज़ोर दिया कि मेज़बानों को हमारी चिंताओं को ध्यान में रखना चाहिए। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, ये मांगें तब सामने आईं जब पिछले महीने फीफा कांग्रेस से पहले ईरानी

फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष मेहदी ताज को कनाडा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई थी।

बाद में ताज ने बताया कि ईरान ने वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए फीफा के सामने 10 शर्तें रखी थीं। यह टूर्नामेंट 11 जून से संयुक्त राज्य अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में शुरू होगा। एक बयान में प्रकाशित मांगों में यह गारंटी भी शामिल है कि टीम के साथ यात्रा करने वाले सभी खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों को वीज़ा मिलेगा, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के साथ अपनी सैन्य सेवा पूरी की है। इस समूह को कनाडा और अमेरिका में एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, और मेहदी ताज के इस समूह से संबंधों को ही कनाडा में उनके प्रवेश से इनकार करने का कारण बताया गया था। ईरान राष्ट्रीय टीम के साथ होने वाले व्यवहार को लेकर भी आश्वासन चाहता है, जिसमें ईरानी झंडे और राष्ट्रगान का सम्मान, साथ ही टूर्नामेंट के दौरान हवाई अड्डों, होटलों और स्टेडियमों में सुरक्षा व्यवस्था को और मज़बूत करना शामिल है। इनमें से कुछ अनुरोधों पर फीफा के लिए असर डालना दूसरों की तुलना में ज़्यादा आसान साबित हो सकता है।

लखनऊ प्लेऑफ की रेस से बाहर

चेन्नई ने 5 विकेट से हराया, उर्विल ने 13 बॉल पर फिफ्टी लगाई

चेपॉक।

लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल में प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। उसे चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार के पहले मैच में 5 विकेट से हराया। इस हार के बाद ऋषभ पंत की टीम बचे हुए मैच जीतकर भी 12 अंक तक ही पहुंच सकती है, जो प्लेऑफ के लिए काफी नहीं है। चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 203 रन बनाए। चेन्नई ने 204 रन का टारगेट 19.2 ओवर में 5 विकेट पर चेज कर लिया। आखिरी ओवर में शिवम दुबे ने ऐडन मार्करम की बॉल पर लगातार दो छक्के मारकर टीम को जीत दिला दी। उर्विल पटेल ने 13 बॉल पर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने राजस्थान के यशस्वी जायसवाल के सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी की। लखनऊ से जोश इंग्लिस ने 85 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 33 गेंद की पारी में 10 चौके और 6 छक्के लगाए। आखिरी में शहबाज अहमद ने नाबाद 43 रन बनाए। चेन्नई के जैमी ओवर्टन ने 3 विकेट झटके। अंशुल कम्बोज को 2 विकेट मिले। एक विकेट नूर अहमद को मिला।

एफपीआई ने पूंजी बाजार से 9772 करोड़ निकाले

मुंबई (वार्ता)। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने मई के पहले कारोबारी सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से 9,772 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। इससे पहले अप्रैल और मार्च में भी एफपीआई शुद्ध रूप से बिकवाल रहे थे, यानी उन्होंने जितना निवेश किया था उससे अधिक पैसे निकाले थे। केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मई में अबतक इक्विटी में 14,231 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश ऋणात्मक रहा है जबकि डेट और म्यूचुअल फंड में उन्होंने पैसा लगाया है। इस महीने डेट में एफपीआई का शुद्ध निवेश 4,384 करोड़ रुपये बढ़ा है।

महंगाई के आंकड़ों से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में महंगाई के आंकड़े निवेशकों की धारणा को दिशा देंगे। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में यदि कोई विशेष प्रगति होती है तो उसका असर सीधे तौर पर बाजार पर पड़ेगा। इसके अलावा, अगले सप्ताह खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े भी जारी होने हैं। इनका असर भी बाजार पर दिखेगा।

पिछले सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 414.69 अंक (0.54 प्रतिशत) की साप्ताहिक तेजी के साथ 77,328.19 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक में सोमवार और बुधवार को तेजी रही जबकि अन्य तीन दिन गिरावट के रहे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 178.60 अंक (यानी 0.74 प्रतिशत) की साप्ताहिक तेजी के साथ 24,176.15 अंक पर पहुंच गया। मझौली और छोटी कंपनियों के लिए यह सप्ताह अच्छी लिवाली वाला रहा। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 4.42 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 4.05 प्रतिशत उछल गया। आलोच्य सप्ताह में सेंसेक्स की 30 से 20 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे। महिंद्रा एंड महिंद्रा में 7.51 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी रही। एशियन पेंट्स का शेयर 6.37

प्रतिशत, अडानी पोर्ट्स का 6.35, इंडिगो का 5.27, बजाज फिनसर्व का 3.97, इटरनल का 3.87, अल्ट्राटेक सीमेंट का 3.15 और मारुति सुजुकी का 3.10 प्रतिशत चढ़ा। टाइटन में 2.91 फीसदी, ट्रेंट में 2.41, सन फार्मा में 2.16, बजाज फाइनेंस में 1.97, बीईएल में 1.92, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.66, टाटा स्टील में 1.49 और एचडीएफसी बैंक में 1.30 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी रही। एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर भी ऊपर बंद हुए। अपेक्षा से कमजोर तिमाही परिणामों के कारण भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 4.54 प्रतिशत टूट गया। टीसीएस में 3.18 फीसदी, भारती एयरटेल में 2.71, आईटीसी में 2.40 और पावर ग्रिड में 1.37 प्रतिशत की गिरावट रही।

निजी पूंजीगत व्यय 67 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय उद्योग परिसंघ ने रविवार को बताया कि भारत का निजी पूंजीगत व्यय सितंबर 2024 के 4.6 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर 2025 में 67 प्रतिशत बढ़कर 7.7 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो देश के निवेश चक्र में व्यापक और मजबूत पुनरुद्धार का अब तक का सबसे निर्णायक संकेत है। सीआईआई ने पश्चिम एशिया संकट के दौरान और उसके बाद के लिए उद्योग जगत के लिए पांच-सूत्रीय कार्ययोजना भी प्रस्तुत की है, जिसमें पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में मार्च में की गई कटौती को चरणबद्ध तरीके से वापस लेना भी शामिल है। इसके अलावा, उसने उद्योग द्वारा स्वैच्छिक ऊर्जा संरक्षण संधि, एमएसएमई भुगतान की 45-दिन की गारंटी, आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा के साथ गहरे आयात प्रतिस्थापन, तथा निजी पूंजीगत व्यय को अग्रिम रूप से बढ़ाने के साथ स्वैच्छिक मूल्य संयम और इंटर्नशिप में वृद्धि करने की सलाह दी है।

पहली बार अमेरिका पहुंची असम की शहद

नई दिल्ली (वार्ता)।

कृषि निर्यात में विविधता लाने और एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर, असम के पिछड़े जिले बाक्सा से अमेरिका के लिए शहद की पहली बार आज 20 टन शहद की खेप रवाना की गयी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली एजेंसी कृषि एवं प्रसंस्कृत उत्पाद निर्यात विकास एजेंसी- एपीडा की मदद से असम की निर्यातक कंपनी सॉल्ट रेंज फूड्स प्रा.लि. ने यह निर्यात किया है। मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के मुताबिक बाक्सा शहद की यह खेप आज ही रवाना की गयी। असम में समृद्ध जैव विविधता, प्रचुर वन संसाधन और मधुमक्खी पालन की सदियों पुरानी परंपरा के कारण शहद उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। कार्बी, मिशिंग और बोडो

जैसी स्वदेशी जनजातियों की ओर से सदियों से शहद का संग्रहण किया जाता रहा है, जहां शहद का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से भोजन, औषधि और सांस्कृतिक एवं धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता रहा है। राज्य के प्रमुख शहद उत्पादक जिलों में बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के बाक्सा, कोकराझार, चिरांग, उदलगुरी और तामुलपुर शामिल हैं। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, असम ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान लगभग 1,650 टन शहद का उत्पादन किया।

चावल में नरमी, गेहूं-चीनी महंगी

नई दिल्ली (वार्ता)।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव टूट गये। वहीं, गेहूं और चीनी में तेजी का रुख रहा जबकि खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 76 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,761 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं तीन रुपये महंगा हुआ और 2,785 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव भी 17 रुपये बढ़कर 3,290 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 53 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गयी। मूंग दाल में 26 रुपये और चना दाल में 18 रुपये की साप्ताहिक गिरावट रही। वहीं, उड़द दाल तीन रुपये और मसूर दाल दो रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। बीते सप्ताह पाम ऑयल की औसत कीमत 79 रुपये और सरसों तेल की 61 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सूरजमुखी तेल 55 रुपये और मूंगफली तेल 15 रुपये महंगा हुआ। वनस्पति भी दो रुपये मजबूत हुआ। वहीं, सोया तेल चार रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव सात रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। चीनी की कीमत 26 रुपये बढ़ गयी। सरकारी वेबसाइट

पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव दाल चना 7643.91 रुपये, मसूर काली 8081.76 रुपये, मूंग दाल 10161.75 रुपये, उड़द दाल 10849.80 रुपये, तुअर दाल 11193.35 रुपये प्रति क्विंटल रही। गेहूं दड़ा 2784.54 रुपये और चावल 3760.80 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3290.45 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4335.64 रुपये और गुड़ 5038.48 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17911.69 रुपये, मूंगफली तेल 18968.57 रुपये, सूरजमुखी तेल 17536.84 रुपये, सोया तेल 14966.98 रुपये, पाम ऑयल 13577.73 रुपये और वनस्पति 14968.37 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

मोदी सरकार की तीन जन बीमा, पेंशन योजनाओं के 11 साल पूरे

नई दिल्ली (वार्ता)। मोदी सरकार की आम जन को बीमा और पेंशन सुरक्षा देने के लिए शुरू की गयी तीन जन सुरक्षा योजनाओं- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) ने 11 साल पूरे कर लिये है और इनको अपनाने वालों का आधार व्यापक हुआ है। इन योजनाओं के 11 साल पूरे होने पर वित्त मंत्रालय की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार पीएमजेजेबीवाई के तहत कुल नामांकन 27.43 करोड़ से अधिक हो चुके हैं और 29.04.2026 तक 21,512.50 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इसी दौरान पीएमएसबीवाई के तहत कुल नामांकन 58.09 करोड़ से अधिक हो चुके हैं और 1,84,662 दावों के लिए 3,667.52 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इन 11 वर्षों में 9.04 करोड़ से अधिक लोगों ने एपीवाई योजना में नामांकन कराया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन तीनों योजनाओं के आज 11 वर्ष पूरे होने पर सोशल मीडिया पर कहा कि ये योजनाएं देश के नागरिकों के लिए गरिमा, आश्वासन और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना ने जमीनी स्तर पर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए

हैं और देश के सामाजिक सुरक्षा ढांचे को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि अटल पेंशन योजना ने अनेक लोगों को अपनी वृद्धावस्था में अधिक सुरक्षित जीवन जीने में सक्षम बनाया है। उन्होंने अटल पेंशन योजना के तहत महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उन्हें मिल रहे लाभों पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने इस योजना की सफलता में च्नारी शक्तिज् के योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने 09 मई 2015 को इन तीनों योजनाओं को शुरू किया था। ये समाज के सभी वंचित तथा कमजोर वर्गों को किफायती वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने, जीवन की अनिश्चितताओं से बचाकर और दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देकर बीमा और पेंशन व्यवस्था को व्यापक बनाने के उद्येश्य से शुरू की गयी है। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने तीन जन सुरक्षा योजनाओं के मार्गदर्शक सिद्धांतों पर विचार करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कम लागत वाले बीमा और पेंशन लाभ प्रदान करने के लिए पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना सहित जन सुरक्षा योजनाओं का शुभारंभ किया। श्रीमती सीतारमण ने जनता के बीच इन योजनाओं की बढती लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई के तहत क्रमश: 27 करोड़, 58 करोड़ और 9 करोड़ से अधिक नामांकन हुए हैं। उन्होंने कहा जन सुरक्षा योजनाओं की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर, बैंकों और बीमा कंपनियों के जमीनी स्तर के कर्मचारियों सहित सभी हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार, जिनके समर्पित प्रयासों से ये योजनाएं इतनी सफल हुई। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा, योजनाओं में नामांकन और दावों की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने और सरल करने पर ध्यान दिया गया है। ऑनलाइन जन सुरक्षा पोर्टल के शुरू होने से नागरिकों के लिए बैंक शाखाओं या डाकघरों में जाए बिना आसानी से नामांकन करना संभव हुआ है। दावा प्रक्रिया के डिजिटलीकरण से त्वरित निपटान सुनिश्चित हुआ है, जिससे शोक संतप्त परिवारों को सबसे अधिक आवश्यकता के समय सहायता मिल सकी है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर

सोमवार 11 मई 2026

पीएमजीएसवाय बनी गांवों की जीवनधारा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौहान भैरूंदा में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विकास की प्रबल इच्छा-शक्ति हो, तो एक योजना ही पूरे देश के ग्रामीण इलाकों की तकदीर बदल सकती है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने यह संभव कर दिखाया है। इस योजना से बनीं सड़कें गांवों की जीवन धारा बन चुकी हैं। ग्रामीण भारत की तकदीर और तस्वीर बदलने में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का योगदान अतुलनीय है। देश-प्रदेश के छोटे-बड़े कस्बों, गांव-देहात, टोले-मजरों की अंतिम सीमा तक पक्की सड़कों की पहुंच हो गई है। अब ग्रामीण क्षेत्रों तक आवागमन बेहद आसान हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्राम विकास कार्यक्रमों और लोक कल्याणकारी योजनाओं को धरातल में उतारकर समावेशी विकास की लक्ष्य पूर्ति में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से नई रफ्तार मिली है। ग्राम्य भारत का पूरा परिदृश्य ही बदल देने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 साल पूरे होने पर आज मध्यप्रदेश इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बन रहा है। इस योजना का रजत जयंती समारोह वास्तव में ग्रामीण विकास के एक नए युग का उद्घोष है। पीएमजीएसवाय-फोर और पीएम जन-मन का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ देश के गांवों को मजबूत, टिकाऊ और सर्वकालिक सड़क सम्पर्क से जोड़ने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को सीहोर जिले के भैरुंदा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-4 एवं प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जन-मन) के कार्यों के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री कमलेश पासवान सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर राज्य स्तरीय समारोह का विधिवत् शुभारंभ किया। कार्यक्रम में

पीएमजीएसवाय की 25 वर्षों की यात्रा पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश ग्रामीण कनेक्टिविटी के मामले में देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश में बीते कुछ सालों में 90 हजार 150 किमी सड़कों का निर्माण कर 17 हजार 540 से अधिक बसाहटों को मुख्य मार्गों से जोड़ा गया है। पिछले 25 सालों में सड़कों से मंडियों तक किसानों की पहुंच आसान हुई है। बच्चों की शिक्षा नियमित हुई और स्वास्थ्य सेवाओं में भी व्यापक सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समारोह के जरिए मध्यप्रदेश को 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सौगातें मिली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास की बात पर हम सभी साथ हैं। गरीब का कल्याण हमारा लक्ष्य है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए हम केन्द्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर काम करेंगे। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव संकल्प के धनी हैं। प्रदेश के विकास में वे कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश में विकास का महायज्ञ चल रहा है। प्रदेश में 973 सड़कों को मंजूरी दी गई है। प्रदेश का कोई गांव पक्की सड़कों ने वंचित नहीं रहेगा। पीएम जनमन के अंतर्गत भी पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 261 करोड़ लागत की नई सड़कों की सौगात मिली है। प्रदेश का कोई गरीब बिना छत के नहीं रहेगा। इसके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2055 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता का स्वीकृति पत्र मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपा है। मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़कों के निर्माण में नंबर है। इसके लिए राज्य सरकार और अधिकारी बधाई के पात्र हैं। आज देश के विभिन्न राज्यों को सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिए 18 हजार 907 करोड़ रुपए की राशि का आवंटन किया। इसमें से 830 करोड़ रुपए मध्यप्रदेश को मिले हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व गांवों तक पक्की सड़कें बन रही हैं। पहले मध्यप्रदेश में सड़क और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी थी। अब मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों को दिन में भी बिजली मिल रही है। स्व. अटल जी की प्रेरणा से ग्रामीण सड़कों का निर्माण जारी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए नए सिरे से सर्वे कराया गया है सबको पक्का मकान मिलेगा। केंद्र सरकार ने 3 करोड़ लखपति दीदी तैयार करने का लक्ष्य हासिल कर लिया है। अब प्रधानमंत्री जी ने इस लक्ष्य को बढ़ाकर 6 करोड़ करने की बात कही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विकसित और शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है।

शिवराज ने मुख्यमंत्री को सौंपे स्वीकृति आदेश

केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौहान ने पीएमजीएसवाय-फोर एवं पीएम-जन-मन योजनाओं के स्वीकृति आदेश मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपे। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश को वर्तमान वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से संबंधित निधि का 830 करोड़ रुपये सांकेतिक आवंटन मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपा। कार्यक्रम के दौरान देश के अन्य राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को डिजिटल माध्यम से वर्ष 2026-27 के लिए पीएमजीएसवाय से संबंधित निधि 18 हजार 907 करोड़ रुपये का सांकेतिक वित्तीय आवंटन जारी किया गया। इसमें से 830 करोड़ रुपये मध्यप्रदेश में होने वाले विकास कार्यों के लिए आरक्षित हैं। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण के अंतर्गत मध्यप्रदेश को 2 हजार 55 करोड़ रुपये की मदर सैंक्शन जारी कर इसका स्वीकृति पत्र मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपा। केन्द्र सरकार का यह बजट आवंटन ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास और आवासीय सुविधाओं को नई गति देगा। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौहान ने भारत सरकार द्वारा मूंग एवं सरसों की फसल समर्थन मूल्य में खरीदे जाने का स्वीकृति पत्र भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपा।

फोरलेन सड़क निर्माण और अतिक्रमण से बिगड़े हालात

खचना नाका से अंधियारा बगीचा तक रोज लग रहा जाम

हटा (स्वतंत्र मत)।

दमोह नाका से पन्ना नाका तक चल रहे फोरलेन सड़क निर्माण कार्य के बीच यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। एक ओर सड़क निर्माण कार्य जारी है। वहीं दूसरी ओर से आवागमन संचालित किया जा रहा है। ऐसे में सड़क किनारे बढ़ते अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण दिन में कई बार जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारी समस्या से अनजान बने हुए हैं।

सड़क निर्माण कंपनी द्वारा बनाई गई सीसी सड़क के किनारे नाली के पास करीब दो से तीन फीट गहरी जगह छोड़ दी गई है जिससे सड़क की चौड़ाई कम हो गई है। इसके अलावा सड़क किनारे वाहनों की पार्किंग, धुलाई सेंटर एवं सड़क पर ही वाहनों की मरम्मत किए जाने से मार्ग और संकरा हो जाता है। स्थिति यह बन जाती है कि जैसे ही कोई बड़ा वाहन निकलता हैए खचना नाका से नवीन हाई स्कूल तक करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है। शुक्रवार को स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब रनेह मार्ग से आ रहा एक अठारह चक्का वाहन दमोह-पन्ना मार्ग पर मुड़ते समय सड़क से नीचे उतर गया। वाहन का अगला हिस्सा धंस जाने से करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। छोटे वाहन चालक वैकल्पिक रास्तों से निकलते रहे जबकि बड़े वाहन लंबे समय तक फंसे रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान एक ओर की सड़क को दो से तीन फीट तक खोद दिया गया हैए जिससे बड़े वाहनों को मोड़ने में भारी दिक्कत हो रही है। खचना नाका और अंधियारा बगीचा क्षेत्र पहले से ही अत्यधिक व्यस्त माने जाते हैं, जहां भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। गैसाबाद पुल बंद होने के कारण पन्ना जिले की ओर जाने वाले बड़े वाहनों का दबाव भी इसी मार्ग पर बढ़ गया है। लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण कंपनी को पहले से इस समस्या की जानकारी होने के बावजूद सुचारू यातायात के लिए पर्याप्त जगह नहीं छोड़ी गई जिसके चलते प्रतिदिन जाम जैसी स्थिति निर्मित हो रही है। नागरिकों ने प्रशासन से यातायात व्यवस्था सुधारने और अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

सुलह व समझौते से आपसी विवादों का हुआ अंत

न्यायालय में लंबित 268 प्रकरणों का हुआ निराकरण

दमोह (स्वतंत्र मत)।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय दमोह तथा तहसील न्यायालय, हटा, पथरिया, तेंदूखेड़ा में सुभाष सोलंकीए प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह के मार्गदर्शन में किया गया। जिला मुख्यालय दमोह पर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सुभाष सोलंकी द्वारा एडीआर भवन में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मोहम्मद अजहर, विशेष न्यायाधीश/प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत उदय सिंह मरावी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री स्नेहा सिंह सहित जिला मुख्यालय दमोह में पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ दमोह कमलेश भारद्वाज, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार खत्री, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल मनीश नगाइच सहित समस्त डिफेंस काउंसिल, उप प्रशासनिक अधिकारी जिला न्यायालय शमीम कुरैशी, अध्यक्ष तृतीय श्रेणी न्यायिक कर्मचारी संघ दीपक सोनी, अध्यक्ष चतुर्थ श्रेणी न्यायिक कर्मचारी संघ विश्वानाथ बिल्थरे सहित न्यायालयीन व विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित हुये। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र

न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुभाष सोलंकी ने संबोधित करते हुये कहा कि वर्ष की इस द्वितीय लोक अदालत के सफल बनाये जाने हेतु लंबित प्रकरणों की प्रिसिटिंग आयोजित किये जाने हेतु निर्देश दिये गये थे जिसके परिपालन में प्रिसिटिंग आयोजित की जाकर अनेक प्रकरणों में सहमति बनाने का प्रयास किया गया जिसमें अधिवक्ताओं का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है प्रकरणों के निराकरण हेतु संपूर्ण जिले में 20 खण्डपीठों का गठन किया गया है। आशा है कि यह लोक अदालत सभी के सहयोग से सफल होगी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह से मिली सूचना से ज्ञात हुआ है कि उक्त नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य दांडिक, सिविल, चैक अनादरण, वाहन दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, वैवाहिक मामले, विद्युत से संबंधित प्रकरणों के साथ.साथ बैंकों, दूरसंचार, विद्युत एवं नगर पालिका के प्रिलिटिगेशन प्रकरणों को निराकरण हेतु रखा गया था। नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना के 7 प्रकरणों में राषि 4925000/ रूपये के अवार्ड पारित किये जाकर न्यायालयों में लंबित विद्युत के 46, वैवाहिक के 14, चैक अनादरण के 19 एवं दांडिक के 78 प्रकरणों सहित कुल 268 प्रकरणों का नेशनल लोक अदालत के माध्यम से निराकरण किया जाकर कुल 25053417 रूपये के अवार्ड पारित किये गये। इसी प्रकार नेशनल लोक अदालत के माध्यम से बैंकए विद्युत एवं नगरपालिका के कुल 266 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जाकर 6500517 रूपये की वसूली की गई। प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय में लंबित भरण पोषण के प्रकरण में पत्नि को शासन द्वारा संचालित लाड़ली बहना योजना से मिलने वाले पैसों की मांग पति के द्वारा किये जाने पर पत्नि द्वारा राषि देने से मना करने पर विवाद होने के कारण पत्नि अपने 2 बच्चों के साथ माह अक्टूबर 2024 से अपने मायके में निवास कर रही थी और पत्नि के द्वारा 2025 में कुटुम्ब न्यायालय में भरण पोषण के लिये आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदिका के अनुसार उनका विवाह वर्ष 2016 में हुआ था। पति के द्वारा लाड़ली बहना योजना से मिलने वाले पैसों की मांग किये जाने पर आये दिन विवाद होता था तथा एक दिन विवाद होने पर पति के द्वारा मारपीट किये जाने पर पत्नि द्वारा पति के विरूद्ध थाने में एफआईआर दर्ज करायी गयी थी एवं उसने स्वयं एवं दोनों बच्चों के लिये भरण पोषण हेतु कुटुम्ब न्यायालय में भी आवेदन प्रस्तुत किया था। मामले में आवेदिका एवं उसके बच्चों के भविष्य को देखते हुये प्रकरण नेशनल लोक अदालत में रखा जाकर दोनों पक्षकारों को आहूत कर उनसे चर्चा की गयी और प्रधान न्यायाधीष मोहम्मद अजहर, सुलहकर्ता सदस्य एवं अधिवक्ताओं के द्वारा समझाईष दिये जाने पर पति-पत्नि ने एक दूसरे को माला पहनाकर राजीनामा के आधार पर प्रकरण समाप्त किया तथा भविष्य में विवाद ना किये जाने का प्रण लेकर खुषी.खुषी विदा हुए। उन्हें स्मृति के रूप में फलदार पौधे वितरित किये जाकर पौधों की देखभाल नन्हें बच्चो की तरह किये जाने की सलाह दी गयी।

भाजपा संगठन सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

दो दिवसीय पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान वर्ग का प्रथम दिवस संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत दमोह जिला का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का प्रथम दिवस उत्साह और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण वर्ग में संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति एवं समसामयिक विषयों पर कार्यकर्ताओं को विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रशिक्षण वर्ग की शुरुआत में सभी प्रशिक्षणार्थियों का पंजीकरण हुआ। पंजीकरण के पश्चात अतिथियों जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती नंदिता पाठक, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सतानंद गौतम, संस्कृतिए पर्यटन, धार्मिक एवं धर्मस्य विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह, पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल, सांसद राहुल सिंह, हटा श्रीमती उमादेवी खटीक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीता पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह द्वारा भाजपा के प्रारम्भ से वर्तमान का सफर केंद्रीय एवं प्रदेश की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया। प्रथम सत्र में हमारा सैद्धांतिक अधिष्ठान विषय पर विस्तार से चर्चा की गई जिसमें एकात्म मानव दर्शन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं पंच निष्ठाओं पर प्रकाश डाला गया। इस सत्र के वक्ता संस्कृतिए पर्यटन, धार्मिक एवं धर्मस्य विभाग राज्य मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी रहे। सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला उपाध्यक्ष आलोक गोस्वामी ने की। द्वितीय सत्र में भाजपा का इतिहास एवं विकास विषय पर वक्ता पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने संगठन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उसके विस्तार की जानकारी दी। सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला महामंत्री गंगाराम अहिरवार ने की। तृतीय सत्र में कार्य पद्धति विषय पर सदानंद गौतम ने संगठन के कार्य करने के तरीकों और संरचना को समझाया। सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष प्यारेलाल भारती ने की। भोजन उपरांत चतुर्थ सत्र आयोजित हुआए जिसमें श्भाजपा सरकारों की गरीब कल्याण योजनाएं एवं उनके क्रियान्वयन में संगठन की भूमिका विषय पर सांसद राहुल सिंह ने विस्तार से जानकारी दी एवं सत्र की अध्यक्षता डॉ. केदारनाथ शर्मा ने की।

इसके बाद पंचम सत्र में स्थायी कार्यक्रम बूथ प्रबंधन एवं मन की बात विषय पर जिला प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी अभिषेक भार्गव ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। एवं सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र व्यास ने की।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह पहुंचे मंडला

मण्डला (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं विधायक अजय सिंह राहुल भैया का आगमन हुआ यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए उत्साह एवं ऊर्जा से भरपूर रहा। स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने वरिष्ठ नेतृत्व को पुनः सक्रिय करने तथा नई जिम्मेदारियों के माध्यम से संगठन में कसावट लाने की आवश्यकता पर बल दिया उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से वे मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों का लगातार दौरा कर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा कर रहे हैं पत्रकारों से चर्चा के दौरान अजय सिंह राहुल भैया ने जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा किए जा रहे संगठनात्मक कार्यों की सराहना की उन्होंने विशेष रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अशोक मर्सकोले के नेतृत्व में संचालित कार्यक्रमों एवं सक्रियता की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिले में कांग्रेस कार्य कर्ताओं में नई ऊर्जा दिखाई दे रही है उन्होंने कहा कि संगठन में युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ कांग्रेसजनों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित कर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करना होगा मंडला प्रवास के दौरान अजय सिंह नैनपुर पहुंचे जहां ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित संगठनात्मक कार्यक्रम में उन्होंने सहभागिता दर्ज की।

नाबालिग ने बच्ची को दिया जन्म, मामले की जांच में जुटी पुलिस

हटा (स्वतंत्र मत)। *थाना क्षेत्र में एक नाबालिग किशोरी द्वारा बच्ची को जन्म देने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार किशोरी की उम्र लगभग 16 वर्ष 7 माह बताई जा रही है। प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उसे सिविल अस्पताल हटा लेकर पहुंचे, जहां ड्यूटी डॉक्टर एवं स्टाफ नर्स की देखरेख में सुरक्षित प्रसव कराया गया। किशोरी ने एक बच्ची को जन्म दिया जिसका वजन करीब दो किलोग्राम बताया गया है। घटना की सूचना अस्पताल प्रबंधन द्वारा हटा थाना पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि किशोरी के साथ उसकी मां अस्पताल में मौजूद थी लेकिन परिजन पूरे मामले को लेकर फिलहाल कुछ भी स्पष्ट जानकारी नहीं दे रहे हैं। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर प्रारंभिक जानकारी जुटाई और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि किशोरी के बयान दर्ज किए जाएंगे तथा जांच के आधार पर जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार संबंधित के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।*

खादी आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का सशक्त आधार

तीन साल में 194 बुनकरों को 268.5 लाख का ऋण: मुख्यमंत्री

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की गौरवशाली पहचान और आत्मनिर्भर भारत का पथप्रदर्शक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खादी को नए भारत की नई खादी के रूप में नई पहचान मिली है, जिससे पूरे देश में खादी पुनर्जागरण का सूत्रपात हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश, युवाओं का सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। म.प्र. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से खादी और ग्रामोद्योग राज्य की प्रगति का सशक्त स्तंभ बन रहे हैं। बुनकर मुद्रा योजना के तहत पिछले तीन वर्षों 2023-24 से 2025-26 में कुल 194 बुनकरों को 268.50 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया है। वर्ष 2023-24 में 44 बुनकरों को 21.40 लाख, 2024-25 में 147 बुनकरों को 231.80 लाख और 2025-26 में 3 बुनकरों को 15.30 लाख रुपये का ऋण दिया गया। उन्होंने कहा कि गांधीजी के 'ग्राम स्वराज' और 'गाँव की ओर जाओ' संदेश को साकार करते हुए बोर्ड ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, परंपरागत कारीगरी को आधुनिक

नवाचार से जोड़ने और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ाने का कार्य कर रहा है। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत, भारत में बनाओ, स्वदेशी के लिए मुखर, स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों और सबका साथ, सबका विकास मंत्र ने खादी एवं ग्रामोद्योग को वैश्विक पहचान दिलाई है। स्थानीय से वैश्विक का दृष्टिकोण कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ रहा है। राज्यमंत्री जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा 50 हजार से 5 लाख तक की ऋण सुविधा व्यक्तिगत बुनकर, उद्यमी, स्व-सहायता समूह, हथकरघा संगठन और सहकारी समितियों को दी जा रही है। बुनकरों की सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना में तीन वर्षों में 616 बुनकर और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 840 बुनकर बीमित किए गए। प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना में 436 रुपये वार्षिक शुल्क पर 2 लाख का जीवन बीमा और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में मात्र 20 रुपये वार्षिक शुल्क पर 2 लाख का दुर्घटना बीमा मिल रहा है।

हस्तनिर्मित वस्तुओं को बढ़ावा

राज्यमंत्री जायसवाल ने कहा कि म.प्र. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड सूती, ऊनी, रेशमी एवं पॉलीवस्त्र खादी के साथ मसाले, साबुन, जड़ी-बूटी उत्पाद एवं हस्तनिर्मित वस्तुओं को बढ़ावा दे रहा है। विपणन के लिए विन्ध्या वैली और कबीरा जैसे नाम स्थापित किए गए हैं जो गुणवत्ता और परंपरा के प्रतीक हैं। अपना हाथ-अपना साथ के मार्गदर्शन में महिला स्व-सहायता समूहों, कारीगरों और उद्यमियों को तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग दिया जा रहा है।

उत्पादों को मिला उचित बाजार

प्रबंध संचालक माल सिंह भयड़िया ने बताया कि महात्मा गांधी जी के गाँव की ओर चलो आह्वान से प्रेरित होकर मंडल ने ग्रामोद्योग को आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तन का सशक्त साधन बनाया है। सुव्यवस्थित योजनाओं से ग्रामीण कारीगरों के उत्पादों को उचित बाजार मिल रहा है। बोर्ड की नई अंतरजाल साइट कारीगरों, उद्यमियों एवं समाज के बीच मजबूत सेतु का कार्य करेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रदर्शनियाँ प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित कर रही हैं।

सीजीएचएस डिस्पेंसरी नं-1 में हुआ आयोजन

जबलपुर। केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना डिस्पेंसरी न 1 के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ अजय चौहान की अध्यक्षता में सीनियर्स सिटीजनों के संगठनों के सलाहकार प्रतिनिधि गुरमुख दास तलरेजा, अनिल शुक्ला, कृपा शंकर शर्मा के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चाए की गई।

➤ गांजा बेचते पकड़ा गया वृद्ध

पुलिस की गिरफ्त में नशे का सौदागर

जबलपुर। संजीवनी नगर पुलिस 3 किलो 110 ग्राम गांजा के साथ 65 वर्षीय शिवबालक पटेल, निवासी पोलीपाथर को पकड़ा है। आरोपी ने पूछताछ में ब्यौहारी जिला शहडोल निवासी शिवे के कहने पर गांजा लाकर जबलपुर में एक व्यक्ति को देने के लिए लाना बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

➤ पत्नी से की मारपीट, एफआइआर दर्ज

दहेज की खातिर पति बना हैवान

जबलपुर। हनुमानताल थाने में 35 वर्षीय एकता चौधरी निवासी सिद्धबाबा रोड हनुमानताल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि उसके पति जितेन्द्र चौधरी आए दिन उसके साथ दहेज की मांग पर मारपीट करते है। इसी दौरान उसे पता चला कि पति का किसी और युवती के साथ संबंध है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बच्चों की प्रतिभा ही निश्चित करती है देश की प्रगतिः मुख्य न्यायाधिपति

मुख्य पीठ में पहली बार आयोजित हुआ उल्लास 2026 सांस्कृतिक कार्यक्रम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बच्चों की प्रतिभा ही देश की प्रगति निश्चित करती है। एक विकसित और विकासशील देश की यह महत्वपूर्ण आवश्यकता है कि उसकी आने वाली पीढ़ी प्रतिभावान हो इसलिए इस प्रकार के नियोजन नवीन पीढ़ी को एक मंच देते हैं जहां वे अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित कर दूसरे बच्चों को भी प्रोत्साहित करते हैं। उक्त विचार मप्र उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति संजीव सचदेवा ने मुख्य पीठ जबलपुर में दिनांक 10 मई रविवार को आयोजित उल्लास 2026 सांस्कृतिक कार्यक्रम में व्यक्त किए। उक्त कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधिपति संजीव सचदेवा मुख्य अतिथि एवं न्यायमूर्ति विवेक रूसिया, न्यायमूर्ति आनंद पाठक एवं न्यायमूर्ति विशाल धगट ने विशिष्ट अतिथि के रूप उपस्थित रहे।

खण्डपीठ ग्वालियर में आयोजित हुआ था कार्यक्रम

उल्लेखनीय है कि खण्डपीठ ग्वालियर में वर्ष 2024 एवं वर्ष 2025 में उल्लास सांस्कृतिक कार्यक्रम के सफल आयोजन के पश्चात मुख्य पीठ जबलपुर में पहली बार यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, मुख्य पीठ जबलपुर, मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, जबलपुर के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बच्चों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

इस कार्यक्रम में फैंसी ड्रैस, ड्रॉइंग, निबंध लेखन एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन तीन आयु वर्गों 8 वर्ष की आयु तक, 09 से 14 वर्ष तक एवं 15 से 18 वर्ष तक के लिए किया गया। साथ ही प्रतिभावान बच्चों एवं अभिभावकगण सहित अधिकारियों ने भी प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया। उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय प्रशासनिक न्यायाधिपति न्यायमूर्ति विवेक रूसिया ने कहा कि उल्लास जैसे आयोजन बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं।

उल्लास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मप्र उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आनंद पाठक ने कहा कि यह कार्यक्रम मनोरंजन का माध्यम नहीं है बल्कि बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को पहचान देने एवं उन्हें आगे बढ़ाने का एक सार्थक प्रयास है। यह आयोजन बच्चों में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं सामाजिक सहभागिता की भावना को सशक्त करने का एक प्रभावी प्रयास है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों एवं विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए कार्यक्रम में न्यायमूर्ति विशाल धगट, न्यायमूर्ति अवनींद्र कुमार सिंह, न्यायमूर्ति विनय सराफ, न्यायमूर्ति दीपक खोत, न्यायमूर्ति रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन, न्यायमूर्ति बीपी शर्मा, रजिस्ट्रार जनरल धरमिन्दर सिंह, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जबलपुर कृष्णमूर्ति मिश्र आदि उपस्थित रहे।

कृषि क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी कर रही थी

कातिल क्रूज़ का संचालन

बरगी डैम में हुए हादसे की जांच में सामने आ रहे तथ्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरगी क्रूज हादसे की जांच में हैरान कर देने वाला तथ्य सामने आया है। बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश पर्यटन निगम में क्रूज संचालन का काम काफी समय से आउटसोर्स कर्मचारियों के माध्यम से किया जा रहा था । जिसके लिए भोपाल से संचालित आरबी एसोसिएट ग्लोबल कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड को ठेका मिला था। यह कंपनी मूल रूप से मानव संसाधन उपलब्ध करवाती है और इसका प्रमुख कार्य कृषि क्षेत्र में है। इस कंपनी के द्वारा ठेके पर मानव संसाधन पर्यटन विभाग को उपलब्ध कराए जाते रहे । प्राप्त जानकारी के अनुसार मेकल रिसॉर्ट बरगी में अधिकांश कर्मचारी आउटसोर्सिंग से भर्ती हुए थे। जिस क्रूज हादसे में 13 लोगों की मृत्यु हुई उस क्रूज में कार्य करने वाले कर्मचारी भी आउटसोर्स में ही कार्यरत थे। ये सभी आरबी एसोसिएट के लिए कार्य करते थे।

वेबसाइट से मिली जानकारी

इस कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार यह कंपनी मूल रूप से मानव संसाधन उपलब्ध करवाती है और इसका प्रमुख कार्य कृषि क्षेत्र में है। गेहूं के लिए सर्वेयर की नियुक्ति कंपनी की तरफ से होती है। कंपनी की तरफ से पर्यटन के क्षेत्र में कार्य करने का कोई खास अनुभव नहीं दर्शाया गया। आरबी एसोसिएट ग्लोबल कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड की आधिकारिक वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2022 में स्थापित यह कंपनी मूल रूप से मप्र स्टेट सिविल सप्लाइज कॉर्पोरेशन और राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित के लिए गेहूं गुणवत्ता परीक्षण और सर्वेयर कार्य हेतु आउटसोर्स कर्मचारियों की व्यवस्था करती रही है। अब यही कंपनी पर्यटन निगम के अंतर्गत क्रूज संचालन से जुड़े कर्मचारियों की नियुक्ति कर रही थी।

कार में पीछे से टक्कर मारकर प्रापर्टी डीलर को पीटा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

माढ़ोताल थाने में 42 वर्षीय सुरेन्द्र पटेल निवासी ग्राम भुआरा थाना पाटन वर्तमान पता शांताकुंज पानी की टंकी के पास माढ़ोताल ने बताया कि वह प्रापर्टी खरीदने बेचने का काम करता है बीती रात पंकज श्रीवास्तव उसे लमती से अपनी मोटरसाइकिल में बैठाकर उसके घर शांताकुंज छोड़ने आ रहा था और तभी उसके पीछे विशाल सोनी अपनी कार में मोहित को साथ में बैठाकर आया। जैसे ही वह दोनों लाल हवेली होटल के सामने घर की तरफ मुड़ने लगे । विशाल सोनी एवं मोहित ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। वह एवं पंकज दोनों बाइक सहित गिर गये जब वह पंकज को उठाने लगा, कार से विशाल सोनी एवं मोहित उतरे और उसके साथ गालीगलोज करने लगे, गलियां देने से मना करने पर मोहित ने गला पकड़ा और विशाल सोनी ने उसके जान से मारने की नियत से चाकू से हमलाकर चोट पहुँचा दी। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया है ।

पुरानी रंजिश भुनाने घर पर चलाए बम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

केण्ट थाने में 36 वर्षीय मारिमा स्वामी निवासी नेहरू नगर केण्ट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह बंगलों में खाना बनाने का काम करती है 8 मई की रात वह तथा उसका बेटा देव स्वामी घर पर सो रहे थे तभी घर के बाहर बम फूटने की तेज आवाज आने पर दोनों बाहर निकलकर देखे मोहल्ले का आशीष फ्रांसिस, गणेश गौड़, प्रवीण उर्फ सानू कोष्टा गली में दौड़ लगाकर भाग रहे थे। उसके घर के सामने उसकी माँ लक्ष्मी नायडू के घर के पीछे वाली दीवाल छिली हुयी थी, दीवाल के नीचे फूटे हुये बम के अवशेष पड़े और एक बिना फूटा हुआ बम भी पड़ा था बम फूटने की आवाज से माँ एवं मोहल्ले के लोग भी आ गये थे। आशीष फ्रांसिस, गणेश गौड़, प्रवीण उर्फ सानू कोष्टा ने उसके घर के सामने वाली दीवाल पर बम चलाये क्योंकि इन सभी का उसके बेटे देव स्वामी से विवाद चल रहा है जिसके बाद पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया है ।

होमगार्ड के जवानों ने सीखे रेस्क्यू के तरीके

गौरीघाट में आयोजित हुआ चार दिवसीय प्रशिक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरसात से पहले आपदा से निपटने के लिए होमगार्ड ने तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यालय से मिले आदेश के बाद नर्मदा नदी के गौरीघाट में चार दिवसीय प्रशिक्षण हुआ। संभागीय स्तर के इस प्रशिक्षण में जवानों ने करीब 3 घंटे तक अभ्यास किया। मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर जबलपुर सहित कटनी, मंडला, नरसिंहपुर समेत कई जिलों में प्रशिक्षण दिया गया। उद्देश्य मानसून के दौरान संभावित आपदाओं में राहत एवं बचाव कार्यों को मजबूत करना है। प्रशिक्षण जबलपुर के गौरीघाट स्थित नर्मदा नदी में आयोजित किया गया, जहां व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। जबलपुर संभाग के विभिन्न जिलों से चयनित 51 होमगार्ड जवानों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। जवानों को बाढ़, तेज बहाव और जल आपदा जैसी परिस्थितियों में बचाव कार्यों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में तेज बहाव में तैरना, सांस लेने की तकनीक और पीड़ितों को सुरक्षित निकालने का अभ्यास कराया गया। आधुनिक बोट संचालन, चप्पू-ओअर का उपयोग और आउटबोर्ड मोटर हैंडलिंग सिखाई गई। विशेष आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण में जवानों को भी शामिल किया गया। डिवीजनल कमांडेंट और जिला सेनानी व प्रशिक्षण प्रभारी नीरज सिंह ठाकुर की निगरानी में प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

सेमरी हरचंद सबस्टेशन पर ऊर्जीकृत हुआ तीसरा पावर ट्रांसफार्मर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने नर्मदापुरम जिले की विद्युत पारेषण व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाते हुए 132 केवी सबस्टेशन सेमरी हरचंद में तीसरे पावर ट्रांसफार्मर को सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊर्जीकृत कर दिया है। इस पावर ट्रांसफार्मर के चालू होने से विश्व प्रसिद्ध मड़ई वाइल्डलाइफ अभयारण्य सहित सेमरी हरचंद सबस्टेशन से जुड़े अनेक ग्रामीण एवं कृषि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और मानक वोल्टेज पर अधिक विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति उपलब्ध हो सकेगी एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश शांडिल्य ने बताया कि इस क्षमता वृद्धि के बाद सेमरी हरचंद सबस्टेशन की कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 100 एमवीए हो गई है। साथ ही नर्मदापुरम जिले की कुल स्थापित ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढकर 2015 एमवीए हो गई है।

केवल जन्मदात्री नहीं, बल्कि श्रेष्ठ समाज की निर्माता होती है माँ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ब्रह्माकुमारीज़ के महिला प्रभाग द्वारा नेपियर टाउन स्थित शिव स्मृति भवन में आयोजित मातृ दिवस कार्यक्रम में शहर की प्रबुद्ध हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए विशेषज्ञों ने माँ सुखी परिवार की आधारशिला विषय पर अपने प्रेरक विचार साझा किए। संगोष्ठी में मुख्य रूप से निम्नलिखित वक्ताओं ने समाज और परिवार में माँ की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. पुष्पा बहन (स्त्री रोग विशेषज्ञ) उन्होंने माँ के स्वास्थ्य और मानसिक सुदृढ़ता को परिवार की खुशहाली के लिए अनिवार्य बताया। कविता यादव (संयुक्त संचालक, महिला बाल विकास) उन्होंने महिला सशक्तिकरण और बच्चों के सर्वांगीण विकास में माता के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने वैचारिक प्रबंधन और सकारात्मकता के माध्यम से परिवार को जोड़ने की कला पर जोर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भावना दीदी के सानिध्य में दीप प्रज्वलन और तिलक लगाकर स्वागत के साथ हुआ। अतिथियों ने एक स्वर में कहा कि मां के त्याग और निःस्वार्थ प्रेम के बिना एक सुखी परिवार की कल्पना करना असंभव है। राजयोग के अभ्यास से माताओं के आंतरिक बल को बढ़ाने की बात भी इस दौरान प्रमुखता से रखी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का सम्मान किया गया और उपस्थित नागरिकों ने परिवार में आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया। बीके वर्षा दीदी ने कार्यक्रम का सुचारू रुप से संचालन किया।

जबलपुर-कटनी रेलखंड का पमरे महाप्रबंधक ने किया गहन निरीक्षण

निर्माण कार्यो की प्रगति का लिया जायजा

रेलवे क्वार्टर का किया उद्घाटन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने रविवार को जबलपुर से कटनी रेलखंड का रियर विंडो निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य रेल परिचालन की सुरक्षा, ट्रैक संरक्षा, सिग्नलिंग व्यवस्था तथा यात्री एवं मालगाड़ी संचालन से संबंधित व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन करना था। महाप्रबंधक ने जबलपुर से कटनी तक यात्रा के दौरान रेल पथ, सिग्नल प्रणाली, संरक्षा उपकरणों तथा ट्रैक अनुरक्षण कार्यों का सूक्ष्म निरीक्षण किया। कटनी पहुंचने पर उन्होंने डिपार्चर यार्ड, आरओएच डिपो, व्हील केयर यूनिट, टीआरएस शेड एवं डीजल शेड का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं कार्यप्रणाली की समीक्षा की। इस अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा रेलवे कर्मचारियों के लिए निर्मित टाइप-4 रेलवे क्वार्टर का उद्घाटन भी किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को संरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गुणवत्ता के साथ कार्य करने दिए निर्देश- महाप्रबंधक ने कटंगी से न्यू मझगामा फाटक तक ग्रेड सेपरेटर कार्य का भी औचक निरीक्षण किया तथा निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य समयबद्ध एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। वापसी यात्रा के दौरान महाप्रबंधक ने न्यू मझगामा फाटक से जबलपुर तक पुनः रियर विंडो निरीक्षण किया। इस दौरान ट्रैक की स्थिति, सिग्नल एवं दूरसंचार व्यवस्था, संरक्षा मानकों तथा रेल संचालन से संबंधित विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान जबलपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा सहित मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सैम सीनियर सिटीजन क्लब में गूंजेंगे गीत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सैम सीनियर सिटीजन क्लब की सोमवार 11 मई को सायंकाल 4 बजे से साउथ एवेन्यू मॉल में प्रख्यात गायक रवि शुक्ला, प्रमोद जैन, रवि जैन के सुरों से संगीतमय शाम सजेगी। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सैनिक संघ की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दमयंती राय रहेंगी। संयोजक जादूगर एसके निगम, विंग कमांडर चंदन शर्मा, बच्चन श्रीवास्तव आदि ने सदस्यों से उपस्थिति की अपील की है।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

EXPERIENCE RUBY WHERE CINEMATIC LUXURY AWAITS

KRISHNAVATARAM PART 1 (HINDI)	9:30 AM, 1:15 PM, 4:15 PM, 7:15 PM & 10:15 PM
DAADI KI SHAADI (HINDI)	RUBY 9:40 PM | 3:30 PM
MORTAL KOMBAT II (HIN/ENG)	RUBY HINDI - 2:45 PM | 9:00 AM; RUBY ENG - 7:20 PM
RAJA SHIVAJI (HINDI)	RUBY 12:05 PM & 6:20 PM | 10:00 PM
THE DEVIL WEARS PRADA 2 (ENG)	RUBY 5:00 PM
MICHAEL (ENG)	RUBY 9:50 AM & 9:35 PM
BHOOTH BANGLA (HINDI)	10:00 AM, 12:20 PM, 3:35 PM, 6:45 PM & 10:30 PM
LEE CRONIN'S THE MUMMY (HINDI)	RUBY 12:20 PM
DHURANDHAR THE REVENGE (HINDI)	11:20 AM & 6:20 PM

@moviemagic_jbp

MOVIE MAGIC now with 5 BIG SCREENS

Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE

Bulk Booking / Advertising 9425807507 | Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**